रांची एक्सप्रेस
61 साल से लगातार... । जनपक्षीय पत्रकारिता ।
देसी अंदाज नया मिजाज
1963 से लगातार आपकी सेवा में
रांची एक्सप्रेस
epaper.theranchiexpress.com | वर्ष-02 | अंक-121 | कोलकाता, शनिवार 29 जून 2024, संवत् 2079 | पृष्ठ-12 | मूल्य 3 रु.

रांची एक्सप्रेस के चेयरमेन सुधांशु सुमन की माता जी की 8 वीं पुण्यतिथि पर किया गया श्रद्धांजलि कार्यक्रम

कीर्तन भजन कर माँ का मनाया गया पुण्यतिथि कार्यक्रम

रांची के रिम्स हॉस्पिटल में पुण्यतिथि पर गरीब गुरुवा के बीच फल और दवाइयां का किया गया वितरण

हज़ारीबाग़ - रांची एक्सप्रेस के चेयरमैन सुधांशु सुमन की माता स्व0 संध्या देवी का आठवां पुण्यतिथि 28 जून को रांची और हज़ारीबाग़ में मनाया गया। श्री सुमन की माता जी का निधन 28 जून 2016 को हुआ था, वही उस समय वह 74 वर्ष आयु की थी। 28 जून को श्रद्धांजलि कार्यक्रम किया गया । आठवीं पुण्यतिथि पर रांची के रिम्स अस्पताल में सुधांशु सुमन और उनकी पत्नी सह रांची एक्सप्रेस की प्रधान सम्पादक निभा रंजन सुमन ने गरीब - गुरुआ औऱ जरुरतमंदों के बीच दवा , फ़ल का वितरण किया। हज़ारीबाग़ आवास में परिवारजनों ने माता जी का पुण्यतिथि कार्यक्रम पर भजन कीर्तन कर गरीबों को भोजन कर मनाया । वहीं पति सतीशनाथ सहाय ने अपनी पत्नी स्वर्गीय संध्या देवी के चित्र पर माल्यार्पण किया। इस कार्यक्रम में हजारीबाग रांची के कई लोग शामिल हुए। इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम में रांची एक्सप्रेस के अध्यक्ष सुधांशु सुमन, निभा रंजन सुमन , प्रोफेसर श्रवण कुमार सहाय, सनातन सहाय , प्रिया सहाय , कृष्णा पांडे अर्जुन सोनी वही रांची से रंजीत झा धनश्री एन0 सुधांशु शामिल रहे। मालूम होगी सुधांशु सुमन की माता शुरुआत से ही शास्त्रीय संगीत से जुड़ी रहीं। वही श्री सुमन की माता जी हस्तकला में भी निपुण थी। और सबसे मुख्य बात की इन्हें हिंदी मातृभाषा के अलावा बांग्ला भाषा और उड़िया भाषा की खासी जानकारी थी। वहीं कई गणमान्य लोगों और शुभचिंतकों ने श्रद्धांजलि व्यक्त किया है।

सरकार नई, पर तेवर वही

विपक्ष को डिप्टी स्पीकर का भी पद नहीं देगा एनडीए

विपक्ष की मांग के बाद दोनों ही खेमों में नहीं बनी सहमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। 18वीं लोकसभा के लिए ओम बिरला को अध्यक्ष बनाया गया है। उन्होंने ध्वनि मत से यह चुनाव जीत लिया है। स्पीकर के बाद अब उपसभापति की बारी है। पिछली लोकसभा में यह पद रिक्त था। इस चुनाव में विपक्षी गठबंधन को 2019 की तुलना में शानदार जीत मिली है इस वजह से सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच यह विवाद का विषय बन गया है। आपको बता दें कि विपक्ष ने अध्यक्ष के चुनाव से पहले सत्तारूढ़ भाजपा नीत एनडीए गठबंधन के अध्यक्ष उम्मीदवार को समर्थन देने के बदले उपसभापति पद की मांग की थी। विपक्ष की इस मांग के बाद दोनों ही खेमों में सहमति नहीं बनी। अध्यक्ष पद के चुनाव हुआ। कोटा ले भाजपा सांसद और पूर्व लोकसभा स्पीकर ओम बिरला और कांग्रेस सांसद कोडिकुन्निल सुरेश के बीच मुकाबला था। ओम बिरला को ध्वनि मत से अध्यक्ष चुना गया। विपक्ष ने मत विभाजन के लिए दबाव नहीं डाला। आपको बता दें कि 17वीं लोकसभा में उपसभापति का पद खाली थी। 16वीं लोकसभा में तत्कालीन भाजपा सहयोगी एआईएडीएमके के एम थंबीदुरई उपसभापति थे। पिछली दो लोकसभाओं के विपरीत भाजपा के पास सदन में बहुमत नहीं है। यही कारण है कि उपसभापति पद की मांग तेज हो गई है। सूत्रों ने कहा कि 18वीं लोकसभा में उपसभापति होगा। अध्यक्ष के साथ-साथ सरकार की भी यही राय है। टीडीपी जैसे भाजपा के किसी सहयोगी दल को यह पद मिल सकता है। विपक्षी खेमे में यह पद नहीं जाने की संभावना है। आपको बता दें कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के दौरान उपसभापति का पद भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के पास था।

भगवान राम ने मनवाया अस्तित्व, लीला समझा नहीं विपक्ष

अयोध्या-चित्रकूट की हार पर सुधांशु त्रिवेदी ने विपक्ष को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव में भगवान राम से जुड़े कई स्थानों वाली लोकसभा सीटों में मिली हार पर बीजेपी के राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा है कि विपक्ष प्रभु की लीला नहीं समझ पाया। बीजेपी सांसद ने कहा कि भगवान राम ने आपको (विपक्ष) अपना अस्तित्व मनवा दिया है। संसद में बीजेपी सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि हमारे विरोधी बता रहे हैं कि आप अयोध्या, बस्ती, प्रयागराज, चित्रकूट, नासिक, रामेश्वरम हार गए। कह रहे हैं कि भगवान राम से जुड़े सारे स्थलों पर बीजेपी हार गई, लेकिन वे प्रभु की लीला नहीं समझ पाए। जो लोग कहते थे कि भगवान राम हुए नहीं, उनका सबूत दो। वे उत्तर से दक्षिण तक भगवान राम का सबूत दे रहे हैं कि अयोध्या, बस्ती, प्रयागराज, रामटेक, रामेश्वरम भी था। आपको लगता है कि भगवान हम लोगों को हरवाने के आए थे, नहीं, भगवान आपको अपना अस्तित्व मनवाने के लिए आए थे।

बीजेपी सांसद ने आगे कहा कि रामचरितमानस और रामायण में भी उल्लेख है कि एक बार नागपाश भगवान राम को भी लगा था और इसकी वजह से मूर्छा आ गई थी और तब राम विरोधी दल में काफी खुशियां छा गई थीं, लेकिन वह प्रभु की लीला का हिस्सा था, ताकि हनुमान जी को अपनी शक्ति याद आए। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। आज से 30 साल पहले यूपी में जब सपा, बसपा और कांग्रेस (आई) ने सरकार बनाई थी, तब नारा लगा था कि मिले मुलायम-कांशीराम, हवा में उड़ गए जय-श्रीराम। हम तब भी नहीं डिगे थे और तीन साल में हमने यूपी और केंद्र में सरकार बनाकर दिखा दी थी। सुधांशु त्रिवेदी ने आगे कहा कि भगवान राम का विषय हमारे लिए हार-जीत का नहीं है। जब हम दो सीट वाले पार्टी थे, तब भी वैसे ही खड़े थे, जैसे अब खड़े हैं। हमारे लिए भगवान राम हार-जीत का विषय नहीं हैं। बता दें कि इस साल की शुरुआत में अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर का उद्घाटन हुआ था।

एमपी में मोहन कैबिनेट का जल्द होगा विस्तार!

- कांग्रेस से आए दो बड़े चेहरों को मिल सकती जगह
- अमरवाड़ा उपचुनाव के बाद विस्तार की है संभावना

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में एक बार फिर से कैबिनेट विस्तार की अटकलें तेज हो गई हैं। अमरवाड़ा उपचुनाव के बाद कैबिनेट विस्तार संभव है। अभी मोहन कैबिनेट में चार जगह खाली है। सीएम समेत अभी कैबिनेट में 30 लोग हैं। एमपी में मंत्रियों की संख्या 34 तक हो सकती है। अभी चार लोगों को कैबिनेट में एडजस्ट करने की संभावना है। ऐसे में चर्चा है कि कांग्रेस से आए दो कद्दावर चेहरों को कैबिनेट में जगह मिल सकती है। ये दोनों चेहरे लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी में शामिल हुए हैं। इनके आने के बाद उनके क्षेत्रों में कांग्रेस को बड़ा नुकसान हुआ था। दरअसल, लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के सीनियर विधायक रामनिवास रावत बीजेपी में शामिल हो गए थे। हालांकि विधायक पद से उन्होंने इस्तीफा अभी तक नहीं दिया है। अब चर्चा है कि विधायक पद से इस्तीफे के पहले उनको कैबिनेट में शामिल किया जा सकता है। कैबिनेट में शामिल होने के बाद रामनिवास रावत विधायकी से इस्तीफा देंगे। इसके बाद वहां उपचुनाव होंगे। वहीं, अमरवाड़ा से कांग्रेस विधायक कमलेश शाह ने लोकसभा चुनाव से पहले इस्तीफा दिया था। शाह बीजेपी में शामिल हो गए थे। उनके बीजेपी में आने के बाद अमरवाड़ा में उपचुनाव की घोषणा हो गई है। बीजेपी ने कमलेश शाह को ही अमरवाड़ा से टिकट दिया है।

चुनावी मोड में महाराष्ट्र की शिंदे सरकार, खोला खजाना

- महाराष्ट्र में अब महिलाओं को हर महीने में मिलेंगे 1500 रुपए
- अजित पवार ने पेश किया बजट, 46 करोड़ का किया प्रावधान

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार ने शुक्रवार को राज्य सरकार की तरफ अंतरिम बजट पेश किया। विधानसभा चुनाव से पहले पेश किए बजट में राज्य सरकार ने बजट में कई लोकलुभावन की घोषणा की है। सरकार ने वारकरियों के लिए मुफ्त चिकित्सा जांच और इलाज के साथ ही समुदाय के विकास के लिए वारकरी विकास निगम का गठन करने का ऐलान किया है। इसके अलावा पंढरपुर डिंडी के लिए 36 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिसमें प्रत्येक डिंडी (तीर्थयात्रियों का समूह) को 20,000 रुपये मिलेंगे। विधान परिषद में यह बजट शिवसेना के मंत्री दीपक केसरकर रखेंगे। बजट सत्र के दौरान शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे मौजूद रहे। अजित पवार ने कहा कि सरकार राज्य को 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का प्रयास कर रही है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर टर्मिनल-1 की छत गिरी, 1 व्यक्ति की मौत

8 घायल, कई कारें दबीं; कांग्रेस बोली-मोदी ने उद्घाटन किया, भाजपा का आरोप- 2009 में बना

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में बारिश की वजह से शुक्रवार सुबह 5 बजे इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पर पार्किंग की छत गिर गई। हादसे में कार में बैठे एक कैब ड्राइवर की मौत हो गई, 8 घायल हैं। घायलों का इलाज मेदांता अस्पताल में चल रहा है। दिल्ली फायर सर्विस, पुलिस, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर राहत-बचाव में जुटी हैं। दिल्ली फायर सर्विस के अधिकारियों ने बताया- टर्मिनल-1 पर डोमेस्टिक फ्लाइट के लिए पार्किंग एरिया में सुबह गाड़ियों की लंबी लाइन लगी थी। इसी दौरान पार्किंग की छत गिर गई। छत का भारी-भरकम हिस्सा और लोहे के तीन सपोर्ट बीम भी गाड़ियों पर गिर गए। इस दौरान यहां खड़ी कारें बीम में दब गईं। आईजीआई एयरपोर्ट की चीफ उषा रंगनानी ने बताया कि डिपार्चर गेट नंबर 1 से से गेट नंबर 2 तक फैले टर्मिनल-1 के बाहर का शेड ढह गया, जिसमें करीब 4 गाड़ियां दब गईं। एजेंसी के असिस्टेंट डिवीजनल ऑफिसर रविंदर सिंह ने बताया कि आठ लोगों को मलबे से बचाया गया। बाहर निकाले गए एक व्यक्ति की मौत पहले ही हो चुकी थी। हादसे को लेकर कांग्रेस ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी ने इसी साल 10 मार्च को टर्मिनल-1 का उद्घाटन किया था, जिसकी छत गिरने से यह हादसा हुआ। 3 महीने पहले मोदी ने जबलपुर एयरपोर्ट का भी उद्घाटन किया था।

एनडीए के घटक सांसदों से मिले प्रधानमंत्री मोदी

चिराग से बोले-आपने खुद को साबित किया है

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को चिराग पासवान की पार्टी लोजपा (रामविलास) के सांसदों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने चिराग पासवान की तारीफ करते हुए कहा कि मुझे खुशी है कि उन्होंने खुद को योग्य साबित किया है और अपने पिता के सपनों को पूरा कर रहे हैं। चिराग पासवान लोजपा (रामविलास) के अध्यक्ष हैं और पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान के बेटे हैं। समाजवादी नेता रामविलास पासवान ने लोजपा का गठन किया था और उनके निधन के बाद पार्टी दो धड़ों में विभाजित हो गई थी। एक धड़े का नेतृत्व पूर्व केंद्रीय मंत्री व रामविलास पासवान के भाई पशुपति कुमार पारस कर रहे हैं, जबकि दूसरे धड़े का नेतृत्व चिराग पासवान के हाथों में है। दोनों ही धड़े राजग के सदस्य हैं। लोकसभा चुनाव के लिए सीट के बंटवारे को लेकर हुए समझौते के तहत भाजपा ने लोजपा (रामविलास) को पांच सीट दी थीं, जबकि पशुपति पारस नीत पार्टी को एक भी सीट नहीं मिल पाई थी। भाजपा पर अपनी पार्टी को नजरअंदाज करने का आरोप लगाते हुए पारस ने इस्तीफा दे दिया था।

कर्नाटक में वैन और लॉरी की टक्कर, 13 लोगों की मौत

- 4 घायल, गाड़ी में 17 लोग सवार थे, ड्राइवर को झपकी आने से हादसा हुआ

हावेरी (एजेंसी)। कर्नाटक के हावेरी जिले में वैन और लॉरी की टक्कर में दो बच्चों सहित 13 लोगों की मौत हो गई। चार घायल हैं। वैन में 17 लोग सवार थे। पुलिस ने बताया, हादसा सुबह 3.45 पर हुआ। जब वैन हावेरी जिले के बयादागी में हाईवे किनारे खड़ी एक लॉरी से टकरा गई। चार घायलों में से दो आईसीयू में एडमिट हैं। हावेरी एसपी अंशु कुमार श्रीवास्तव के मुताबिक, वैन में सवार सभी लोग चिंचोली मयम्मा देवस्थान से आ रहे थे और शिवमोग्गा लौट रहे थे। तभी वैन ने लॉरी को पीछे से टक्कर मार दी। शुरुआती जांच में सामने आया कि ड्राइवर को झपकी आने के कारण यह हादसा हुआ। पुलिस ने कहा कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि, कुछ शव वैन के टूटे हिस्सों में फंस गए थे।

केन्द्र सरकार ने शुरू की जनता को खुश करने की बड़ी तैयारी

अधिकारियों संग जल्द बैठक कर सकते हैं प्रधानमंत्री मोदी

आखिरी व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर फोकस

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस सप्ताह ही अपने आला अफसरों के साथ बड़ी बैठक करके जनहित के कार्यों की समीक्षा कर सकते हैं। लोकसभा चुनाव के परिणाम आने से पहले ही पीएम मोदी ने अधिकारियों को पहले 100 दिन का एजेंडा तैयार करने का काम सौंप दिया था। अब बारी है सरकार को काम करके दिखाने की। अधिकारियों के साथ बैठक में जनहित की योजनाओं और आखिरी व्यक्ति तक योजनाओं को पहुंचाने को लेकर चर्चा हो सकती है। वहीं सूत्रों का कहना है कि प्रधानमंत्री मोदी विभागवार भी 125 दिनों के एजेंडे की समीक्षा कर सकते हैं। इसमें अंत्योदय के सिद्धांत पर विशेष तौर पर ध्यान दिया जा सकता है। मामले से जुड़े एक शख्स ने बताया, अधिकारियों के साथ बैठक में पांच साल के रोडमैप पर भी चर्चा हो सकती है कि इस कार्यकाल में भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए क्या कदम उठाने होंगे। बता दें कि नरेंद्र मोदी के दो कार्यकाल में भारत पांचवीं अर्थव्यवस्था बन गया है। वहीं 2014 से पहले इसका 11वां स्थान था। प्रधानमंत्री मोदी अक्सर अधिकारियों के साथ बैठक करके जानने की कोशिश करते हैं कि प्रमुख योजनाओं को लागू करने में क्या समस्याएं आ रही हैं। 2014 में पहली बार केंद्र की सत्ता संभालने के बाद पीएम मोदी ने 4 जून को अधिकारियों के साथ पहली बैठक की थी।

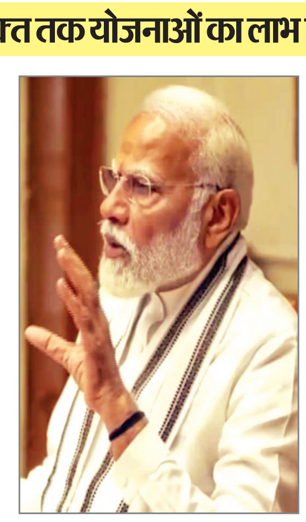

राजभवन में बैठा है शरारती शख्स, लड़कियां वहां जाने से भी डरती हैं; ममता के राज्यपाल पर बिगड़े बोल

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस के दो नवनिर्वाचित विधायकों सायंतिका बनर्जी और रेयात हुसैन के शपथ ग्रहण में देरी से आने और इसपर जारी गतिरोध को लेकर गुरुवार को राज्यपाल डॉ सीवी आनंद बोस पर तीखा हमला बोला। मुख्यमंत्री ने राज्य सचिवालय नवान्न में पत्रकारों से बात करते हुए राज्यपाल का नाम लिए बिना यहां तक कहा कि राजभवन में कैसा शरारती शख्स बैठा है, जिससे लड़कियां वहां जाने से डरती हैं। ममता ने कहा कि दोनों विधायकों को जनता ने चुना है। राज्यपाल को उन्हें शपथ लेने से रोकने का क्या अधिकार है? लगभग एक महीने से इस मुद्दे पर अनिश्चितता बनी हुई है। उन्होंने सायंतिका बनर्जी और रेयात हुसैन की मांग का समर्थन किया कि या तो राज्यपाल शपथ दिलाने के लिए विधानसभा आएं या फिर ऐसा करने के लिए अध्यक्ष या उपाध्यक्ष को नामित करें। इस बीच विधानसभा में शपथ दिलाने की मांग पर दोनों विधायकों ने गुरुवार को दूसरे दिन विधानसभा परिसर में धरना दिया।

विधायक राजभवन क्यों जाएंगे?

ममता ने कहा कि विधायक राजभवन क्यों जाएंगे? वैसे भी, पिछले दिनों राजभवन में जो कुछ हुआ, उसके बाद महिलाएं वहां जाने से डर रही हैं। मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी हाल में राजभवन की एक अस्थाई महिला कर्मचारी द्वारा राज्यपाल पर छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए पुलिस में दर्ज कराई गई शिकायत के संबंध में थी। महिला के आरोप के बाद ममता ने चुनावी सभाओं में सार्वजनिक रूप से कहा था कि उन्हें भी अब राजभवन जाने से डर लगता है। वह राज्यपाल के बुलाने पर भी राजभवन नहीं जाएंगी। जरूरी हुआ तो वह सड़क पर राज्यपाल से बात कर लेंगी, लेकिन बोस के रहते राजभवन नहीं जाएंगी।

राज्यपाल के आमंत्रण पर भी नहीं ली शपथ: इस घटनाक्रम के बीच विधानसभा उपचुनाव में तृणमूल के दोनों नवनिर्वाचित विधायक राजभवन की बजाय विधानसभा में शपथ दिलाने की मांग पर अडिग हैं। राज्यपाल ने दोनों विधायकों को बुधवार दोपहर में शपथ के लिए राजभवन में आमंत्रित किया था, लेकिन दोनों नहीं पहुंचे थे। इसके बाद राज्यपाल दिल्ली के लिए रवाना हो गए थे। सायंतिका कोलकाता के बरानगर और हुसैन मुर्शिदाबाद के भगवानगोला सीट से निर्वाचित हुए हैं।

विधायकों का विधानसभा परिसर में धरना: अपनी मांग के समर्थन में तृणमूल के दोनों नवनिर्वाचित विधायकों ने राज्य विधानसभा परिसर में बुधवार को चार घंटे और गुरुवार को भी तीन घंटे तक धरना दिया। दोनों विधायकों ने बुधवार को धरने के बाद राज्यपाल को फिर पत्र लिखकर विधानसभा में ही आकर शपथ दिलाने का भी अनुरोध किया। सीएम ममता ने कहा कि राज्यपाल को शपथ दिलाने के लिए स्पीकर या डिप्टी स्पीकर को नामित करना चाहिए या फिर उन्हें खुद विधानसभा जाकर शपथ दिलाना चाहिए। दूसरी ओर राज्यपाल पहले ही साफ कर चुके हैं कि शपथ ग्रहण राजभवन में ही होगा।

गतिरोध को लेकर नाराजगी

इस बीच विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी ने कहा कि अगर शपथ पर गतिरोध जारी रहा, तो वे इस मामले में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का ध्यान आकर्षित करेंगे। बनर्जी ने इस गतिरोध को लेकर नाराजगी व्यक्त करते हुए राज्यपाल पर शपथ ग्रहण समारोह को अहंकार की लड़ाई में बदलने और जानबूझकर मुद्दे को जटिल बनाने का आरोप लगाया।

बच्चा चोरी के शक में रेल यात्रियों ने महिला को पीटा

भीड़ से बचाने के लिए GRP को करना पड़ा लाठीचार्ज

कोलकाता, एजेंसी। परगना के बिरती स्टेशन पर एक महिला के साथ लोगों ने मारपीट कर दी. यहां लोकल ट्रेन में सवार यात्रियों ने बच्चा चोर होने के संदेह में महिला को पीटा था. रेलवे पुलिस (जीआरपी) का कहना है कि खबर मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को भीड़ से बचाया. एजेंसी के अनुसार, जीआरपी के अधिकारी ने बताया कि महिला ने दावा किया कि वह बच्चे की मां है और उत्तर 24 परगना जिले के दमदम इलाके में पड़ोसी राज्य की रहने वाली है. बच्चा महिला के साथ सामान्य व्यवहार कर रहा था, लेकिन जीआरपी आरोपों की जांच में जुट गई. अधिकारी महिला को उसे दमदम स्थित उसके घर पर साथ ले गए. स्टेशन पर मौजूद एक व्यक्ति ने कहा कि यात्रियों को बच्चा चोरी होने को लेकर संदेह हुआ. इसके बाद महिला से बच्चे के साथ उसके रिश्ते के बारे में पूछताछ की तो वह सवालों का ठीक से जवाब नहीं दे पाई. महिला द्वारा बच्चा चोरी किए जाने की खबर फैलते ही यात्रियों ने महिला को पकड़ लिया और जमकर पिटाई कर दी. इसके बाद 15 मिनट तक रेलवे ट्रैक जाम रहा. इस बारे में जब रेलवे पुलिस को खबर लगी तो तुरंत टीम मौके पर पहुंची और महिला को भीड़ से बचाया. इस दौरान जीआरपी को लाठीचार्ज करना पड़ा. इस घटना से पहले इसी तरह के तीन मामले और भी सामने आ चुके हैं, जिनमें बच्चा चोर होने के संदेह में भीड़ ने अजनबियों को पीट दिया. पुलिस ने लोगों से ऐसी अफवाहों से बचने के लिए कहा है. वहीं सोशल मीडिया पर बच्चा चोरी की झूठी खबर फैलाने के आरोप में कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया है।

अवैध कब्जे पर ममता बनर्जी ने पुलिस को दिए थे निर्देश, हॉकरों ने हाई कोर्ट में दायर की याचिका

कोलकाता, एजेंसी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्देश पर हॉकरों (फुटपाथों पर बैठने वाले फेरीवाले) को हटाने के लिए पुलिस की ओर से की जा रही कार्रवाई के विरुद्ध कुछ हाकरों ने कलकत्ता हाई कोर्ट में मामला दायर किया है। उनका कहना है कि हाकर हटाने के नाम पर पुलिस अत्याचार कर रही है। नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है। उनके नागरिक अधिकारों को कुचला जा रहा है। न्यायाधीश अमृता सिन्हा ने मामले पर सुनवाई करते हुए कहा कि चूंकि यह स्थान विशेष की घटना नहीं है इसलिए इस मामले को जनहित याचिका के रूप में मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ में दायर किया जाना चाहिए।

हम बंगाल में बुलडोजर संस्कृति नहीं चाहते

हाकरों की ओर से किए गए मामले के बीच मुख्यमंत्री ने गुरुवार को राज्य सचिवालय में प्रशासनिक बैठक करके कहा था-हम बंगाल में बुलडोजर संस्कृति नहीं चाहते, पर सरकारी जमीन पर कब्जा भी स्वीकार्य नहीं है। जगह खाली करने के लिए दुकानदारों ने समय मांगा है। उन्हें एक महीने का समय दिया जाना चाहिए। एक महीने में हमें अतिक्रमण हटाने का कार्य पूरा करना पड़ेगा।

बंगाल में चला BJP कार्यालय पर बुलडोजर, सीएम ममता के निर्देश पर हुई कार्रवाई; ये है मामला

कोलकाता, एजेंसी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्देश पर प्रशासन की ओर से अवैध निर्माण के खिलाफ की जा रही कार्रवाई के तहत कोलकाता के तारातल्ला इलाके में स्थित भाजपा के कार्यालय पर भी बुलडोजर चला है। पुलिस ने स्थानीय कुछ भाजपा नेताओं को भी हिरासत में लिया है। पुलिस का कहना है कि उक्त कार्यालय का अवैध तरीके से निर्माण किया गया है जबकि स्थानीय भाजपा नेताओं का आरोप है कि उनका कार्यालय वर्षों पुराना है। पुलिस ने गलत इरादे से इसे तोड़ा है।

सीएम ने मंत्री और प्रशासनिक अधिकारियों को लगाई थी फटकार: मालूम हो कि मुख्यमंत्री ने गत सोमवार को राज्य सचिवालय में बैठक कर सरकारी भूमि पर कब्जे, अवैध निर्माण, फुटपाथों के अतिक्रमण, जलजमाव, गंदगी इत्यादि को लेकर मंत्री-पार्षद, प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों, नगर निकायों व पंचायतों के प्रमुखों तक सबको उनकी निष्क्रियता पर कड़ी फटकार लगाई थी और कई निर्देश दिए थे।

सरकारी जमीन किसी की निजी संपत्ति नहीं- सीएम ममता: सीएम ममता ने कड़े शब्दों में कहा था कि सरकारी जमीन किसी की निजी संपत्ति नहीं है, जो उनपर कब्जा कर लिया जा रहा है। दूसरी तरफ पुलिस कोलकाता के हाथीबगान, मानिकतल्ला, गरियाहाट, न्यू मार्केट समेत विभिन्न इलाकों में सरकारी जमीन पर कब्जे के मामलों की समीक्षा कर रही है। पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी की जा रही है।

बाइक के धक्के से गिरी महिला ट्रक की चपेट में आई, गंभीर

बोकारो। बेरमो थाना क्षेत्र अंतर्गत सीसीएल ढोरी प्रक्षेत्र के एएडीओसीएम अमलो कांटा के पास नावाडीह-फुसरो मुख्य सड़क पार करते हुए गुरुवार को हादसे में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला जीरा देवी कल्याणी की रहने वाली है, जो अमलो परियोजना में मजदूरी का काम करती है। सुबह में सड़क पार कर रही थी तभी नावाडीह की तरफ से आ रही बाइक संख्या जेएच11एई 7324 ने जोरदार टक्कर मार दी। इससे महिला सड़क की दूसरी तरफ गिरी और फुसरो तरफ से आ रहे ट्रक के चपेट में आ गई। जिससे बुरी तरह घायल हो गई। आनन फानन में स्थानीय व्यक्तियों की मदद से बोकारो स्थित बीजीएच में भर्ती करवाया गया।

बंगाल में नहीं थम रहा TMC का आतंक!

भाजपा महिला मोर्चा सदस्य की निर्वस्त्र कर पिटाई पुलिस ने चार आरोपियों को किया गिरफ्तार

कूचबिहार, एजेंसी। बंगाल के कूचबिहार जिले में 25 जून को भाजपा महिला मोर्चा सदस्य की निर्वस्त्र कर पिटाई की गई। इसका आरोप तृणमूल कांग्रेस समर्थकों पर लगा है। पिटाई से महिला की हालत गंभीर है और वह अभी अस्पताल में भर्ती है। इसकी शिकायत देर से दर्ज कराई गई है।

पुलिस ने चार लोगों को किया गिरफ्तार: आरोप है कि तृणमूल के लोगों ने थाने में शिकायत नहीं दर्ज कराने का दबाव बनाया था। जब महिला की तबीयत बिगड़ी तो स्वजन ने थाने में शिकायत दर्ज करा दी। पुलिस ने बताया कि परिवार की शिकायत के आधार पर चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पीड़ित महिला के स्वजन ने इसकी शिकायत राज्य पुलिस के डीजी से भी की है। गुरुवार को चारों आरोपितों को कोर्ट में

पेश किया गया।

14 दिनों की न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया मुख्य आरोपी: मुख्य आरोपित शफीकुल मियां और मोहम्मद अली को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। दो अन्य आरोपित को जमानत दे दी गई। पुलिस बाकियों की तलाश कर रही है। लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद से ही कूचबिहार में हिंसा की घटनाएं लगातार हो रही है।

भाजपा ने टीएमसी को ठहराया जिम्मेदार

बताया जा रहा है कि 25 जून को जब महिला खेत में काम करने जा रही थी तो तृणमूल के लोगों ने उसे रोका। भाजपा में रहने के कारण उसकी जमकर पिटाई की और निर्वस्त्र कर दिया। उसके साथ बर्बरता के भी आरोप हैं। महिला को निर्वस्त्र अवस्था में घसीटकर उसके घर तक लाया गया। भाजपा ने इस घटना के लिए तृणमूल को जिम्मेदार ठहराया है। दूसरी ओर तृणमूल कांग्रेस ने इन आरोपों से इंकार किया है। पार्टी के जिला अध्यक्ष गिरींद्रनाथ बर्मन ने कहा कि यह घटना पारिवारिक विवाद के कारण हुई है। तृणमूल का कोई भी व्यक्ति इससे जुड़ा नहीं है।

हावड़ा के प्राथमिल स्कूल में लगी आग

दो महिला शिक्षिका झुलसी; LPG सिलेंडर से हुआ गैस रिसाव

हावड़ा,एजेंसी। पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले के एक प्राथमिक विद्यालय में गुरुवार सुबह मध्याह्न भोजन पकाते समय आग लग जाने से दो महिला शिक्षिकाएं झुलस गईं। लिलुआ क्षेत्र के भट्टनगर स्थित स्कूल में कुछ छात्र मौजूद थे, लेकिन वे परिसर के दूसरे हिस्से में थे। पुलिस ने बताया कि दो दमकल गाड़ियों ने एक घंटे के भीतर आग पर काबू पा लिया। प्रधानाध्यापिका तापसी गोस्वामी समेत घायल शिक्षकों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सुबह करीब साढ़े छह बजे जब आग लगी तो स्कूल में केवल कुछ ही छात्र पहुंचे थे। आग लगने का कारण एलपीजी सिलेंडर से गैस रिसाव माना जा रहा है। मामले की जांच की जा रही है।

मनिंदर प्रताप सिंह पवार बने बीएसएफ दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के नए महानिरीक्षक, संभाला पदभार

कोलकाता, एजेंसी। वरिष्ठ आइपीएस अधिकारी मनिंदर प्रताप सिंह पवार ने कोलकाता में बीएसएफ के दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के नए महानिरीक्षक (आइजी) के रूप में बुधवार को पदभार संभाला। उन्होंने आइपीएस आयुष मणि तिवारी का स्थान लिया है, जिन्हें बीएसएफ मुख्यालय, नई दिल्ली में स्थानांतरित किया गया है। दक्षिण बंगाल फ्रंटियर पर यहां भारत-बांग्लादेश की 913 किलोमीटर अंतरराष्ट्रीय सीमा की रखवाली का दायित्व है, जिसकी बागडोर अब पवार के हाथ में है।

पवार 2005 में भारतीय पुलिस सेवा में हुए थे शामिल

बीएसएफ ने एक बयान में बताया कि गुजरात कैडर के 2005 बैच के आइपीएस अधिकारी पवार 22 अगस्त 2005 को भारतीय पुलिस सेवा में शामिल हुए थे। उन्हें प्रधानमंत्री द्वारा अपने बैच के दूसरे सर्वश्रेष्ठ परिवीक्षाधीन के रूप में सम्मानित किया गया था। पवार ने गंभीर मामलों को संभालने, अपराध की रोकथाम और कानून व्यवस्था बनाए रखने में अपनी विशेषज्ञता का प्रदर्शन करते हुए गुजरात के पांच जिलों में एसपी और जूनागढ़ के रेंज हेड के रूप में कार्य किया है। गुजरात में, उन्होंने सीआइडी की आर्थिक अपराध शाखा का भी नेतृत्व किया। उन्होंने साइबर अपराधों, वन्यजीव अपराधों की भी निगरानी की और आपदा प्रबंधन और घटना कमांड सिस्टम पर विशेषज्ञता हासिल की। इसके अतिरिक्त उन्होंने एटीएस में एसपी के रूप में कार्य किया और जिलों और शहर में सभी विशेष अभियान समूहों को संभालने का अनुभव है।

ये खतरनाक बांग्लादेशी आतंकी संगठन बंगाल में फिर बढ़ा रहा पैठ, सात सदस्यों की गिरफ्तारी से सुरक्षा एजेंसियां चिंतित

कोलकाता। बांग्लादेश के प्रतिबंधित आतंकी संगठन शहादत-ए-अल-हिकमा से जुड़े सात लोगों की गिरफ्तारी के बाद सुरक्षा एजेंसियां चिंतित हैं। एक बड़ा सवाल ये खड़ा हो गया है कि क्या राज्य में आतंकी संगठन फिर से जाल फैला रहा है। बंगाल पुलिस के एसटीएफ ने सबसे पहले इस संगठन से जुड़े होने के आरोप में कंप्यूटर साइंस के छात्र मोहम्मद हबीबुल्लाह को शनिवार देर शाम पश्चिम बर्द्धमान जिले में उसके घर से गिरफ्तार किया था। हबीबुल्लाह बंगाल में संगठन का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। उससे पूछताछ के बाद ही बाकी छह सदस्यों को पकड़ा गया।

शहादत-ए-अल-हिकमा बांग्लादेश में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन: मालूम हो कि शहादत-ए-अल-हिकमा बांग्लादेश में एक प्रतिबंधित इस्लामी आतंकवादी संगठन है। हबीबुल्लाह व उसका अन्य साथी फिलहाल 14 दिनों की पुलिस हिरासत में हैं। उन सभी से पूछताछ कर एसटीएफ इस

संगठन से जुड़े अन्य सदस्यों के बारे में भी पता लगाने में जुटी है।

अलकायदा के सदस्यों की भी बंगाल से गिरफ्तारी होती रही है: बता दें कि अलकायदा सहित अन्य आतंकी संगठनों के सदस्यों की भी बंगाल से लगातार गिरफ्तारी होती रही है। बांग्लादेश की सीमा से सटे मुर्शिदाबाद जिले से चार साल पहले एनआईए ने नौ अलकायदा आतंकियों को गिरफ्तार किया था। एसटीएफ का दावा है कि हबीबुल्लाह पश्चिम और पूर्व ब?र्द्धमान जिले के युवाओं को आतंकी संगठन में भर्ती कराने का प्रयास कर रहा था। अन्य जिलों में भी इसके लिंक की जांच की जा रही है।

युवाओं का ब्रेन वाश कर संगठन में भर्ती कराने का प्रयास: गौरतलब है कि इससे पहले 2014 में बर्द्धमान के खागरागढ़ में बम विस्फोट की घटना के बाद बंगाल में बांग्लादेशी आतंकी संगठन जमात-उल-मुजाहिदीन (जेएमबी) के बड़े नेटवर्क का राजफाश हुआ था। इस संगठन के सदस्य विशेषकर मुस्लिम युवाओं का ब्रेन वाश कर संगठन में भर्ती कराने का प्रयास कर रहा था।

हिंसा पीड़ितों के साथ राजभवन के सामने धरना देना चाहती है भाजपा, ममता सरकार ने HC से कहा- हमें नहीं है कोई आपत्ति

कोलकाता, एजेंसी। राज्य सरकार की ओर से गुरुवार को कलकत्ता हाई कोर्ट को सूचित किया गया कि भाजपा के राजभवन के सामने धरना देने पर उसे कोई आपत्ति नहीं है। राज्य के महाधिवक्ता किशोर दत्ता ने न्यायाधीश अमृता सिन्हा की अदालत को बताया कि भाजपा की ओर से राजभवन के सामने धरने के लिए जो आवेदन किया गया है, उसपर राज्य सरकार को कोई आपत्ति नहीं है। आगामी रविवार को वहां चार घंटा धरना दिया जा सकता है।

हिंसा पीड़ितों के साथ धरना देना चाहते हैं सुवेंदु: मालूम हो कि भाजपा विधायक व बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी लोकसभा चुनाव के बाद हुई हिंसा के पीड़ितों के साथ राजभवन के पास धरना देना चाहते हैं। इस बात उन्होंने कोलकाता पुलिस के साथ आवेदन किया था। पुलिस ने राजभवन के सामने धारा 144 लागू होने का हवाला देते हुए अनुमति देने से इनकार कर दिया था। सुवेंदु ने इसके बाद

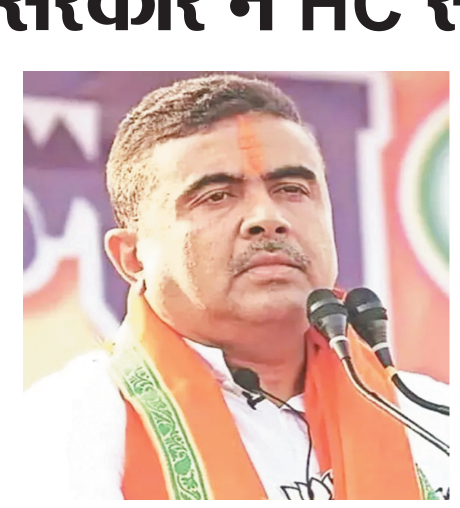

हाई कोर्ट का रुख किया था।

अधिकारी ने खटखटाया था कोर्ट का दरवाजा: उन्होंने दलील देते हुए कहा था कि पिछले साल पांच से 10 अक्टूबर तक तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी धारा 144 का उल्लंघन कर केंद्र के खिलाफ राजभवन के सामने धरने पर बैठे थे। पुलिस ने सत्ताधारी दल को इसकी अनुमति दे दी थी, लेकिन उन्हें नहीं मिली।

न्यायाधीश सिन्हा ने किया था सवाल

न्यायाधीश सिन्हा ने पिछली सुनवाई में महाधिवक्ता से सवाल किया था कि जब राजभवन के सामने तृणमूल का धरना हुआ था तो पुलिस ने कार्रवाई क्यों नहीं की थी? इसके साथ ही उन्हें वादी पक्ष को राजभवन के बदले वैकल्पिक जगह का नाम बताने को कहा था। इसपर सुवेंदु के अधिवक्ता की ओर से राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के कार्यालय के सामने धरने की अनुमति मांगी थी, हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया था कि वे डीजीपी के राज्य सचिवालय स्थित कार्यालय के सामने धरना देना चाहते हैं अथवा भवानी भवन स्थित कार्यालय के सामने।

राज्य सरकार को नहीं है कोई आपत्ति

गुरुवार को हुई सुनवाई में महाधिवक्ता ने कह दिया कि राज्य सरकार को भाजपा के राजभवन के सामने धरना देने पर कोई आपत्ति नहीं है। वह आगामी रविवार को वहां ऐसा कर सकती है। इस पर सुवेंदु के अधिवक्ता ने कहा कि आगामी रविवार को यह संभव नहीं हो पाएगा क्योंकि भाजपा का पूर्व निर्धारित कार्यक्रम है। उसके बाद वाले रविवार को धरना दिया जा सकता है। इसपर महाधिवक्ता ने कहा कि परिवर्तित तिथि के लिए उन्हें फिर से राज्य सरकार से बात करनी होगी। इसपर न्यायाधीश सिन्हा ने नाराजगी जताते हुए कहा कि इस तरह बार-बार मामले पर सुनवाई आगे नहीं बढ़ाई जा सकती। इससे कई मामलों पर सुनवाई प्रभावित हो रही है।

सड़क हादसे में रिटायर्ड आर्मी मैन की पत्नी की मौत

बेटी-नतिनी के साथ कैंटीन गई थी, रोड क्रॉस करने के दौरान पिकअप ने रौंदा

आरा(भोजपुर), एजेंसी। आरा-सासाराम स्टेट हाईवे पर उदवंतनगर थाना क्षेत्र के जीरो माइल पर गुरुवार की देर शाम बेलगाम पिकअप ने सड़क पार कर रही रिटायर्ड आर्मी मैन की पत्नी को रौंद दिया। हादसे में उनकी मौत हो गई। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उन्होंने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा। वही घटना के बाद चालक पिकअप लेकर फरार हो गया। मृतक की पहचान नवादा थाना क्षेत्र के विष्णु नगर बैंक कॉलोनी निवासी सह रिटायर्ड आर्मी मैन राधा मोहन सिंह की 65 वर्षीय पत्नी रामरतो देवी के रूप में हुई है। बेटी ममता सिंह ने बताया कि वह अपनी मां एवं बच्चों के साथ जीरो माइल स्थित सैनिक कैंटीन गए थे। इसके बाद बगल के ही दुकान से चीनी खरीदने चली गई। चीनी खरीदने के बाद वे सभी कैंटीन से बाहर निकली तो बच्चों ने आइसक्रीम खाने के लिए कहा। तभी वह बच्चों को आइसक्रीम खरीदाने लगी। उसी उनकी मां सड़क पार कर रही थी। विपरीत दिशा से आ रहे बेलगाम पिकअप ने उन्हें रौंद दिया। वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई। इसके बाद परिजन द्वारा उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। चिकित्सक ने देख उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसकी सूचना इसकी सूचना सदर अस्पताल में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारी को दी गई। सूचना पाकर पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और शव का पोस्टमार्टम करवाया। बताया जाता है कि महिला की एक पुत्री ममता सिंह एवं एक पुत्र अरविंद सिंह है। घटना के बाद मृतक महिला के घर में कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बहन की आंख का इलाज कराकर लौटा भाई, मौत

नालंदा, एजेंसी। नालंदा में गुरुवार को सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। घटना राजगीर थाना क्षेत्र अंतर्गत आयुध निर्माण फैक्ट्री के गेट नंबर 2 के पास की है। मृतक की पहचान नवादा के सिरदला थाना क्षेत्र अंतर्गत परनपुरा गांव निवासी स्व. रामनाथ राजवंशी के (23) बेटे सूरज कुमार के रूप में की गई है। देर शाम परिजन शव के पोस्टमार्टम को लेकर बिहार शरीफ़ सदर अस्पताल पहुँचे। परिजन ने बताया कि सूरज अपनी बहन के इलाज को लेकर राजगीर के वीरायतन आया हुआ था। वह अपनी बहन की आंख दिखाकर उसे राजगीर के नई पोखर छोड़ते हुए वापस घर लौट रहा था। इसी बीच आयुध निर्माणी कारखाना के गेट न-2 के समीप साइकिल सवार को बचाने के चक्कर में अनियंत्रित अज्ञात वाहन कुचलते हुए फरार हो गया। आनन-फानन में स्थानीय लोगों के मदद से पुलिस ने घायल को इलाज के लिए राजगीर अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। युवक दूसरे प्रदेश में रहकर मजदूरी का राजगीर थाना अध्यक्ष चंद्रभानु ने बताया कि जख्मी हालत में युवक को इलाज के लिए राजगीर अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया।

संक्षिप्त समाचार

मामूली विवाद में युवक को पीटा, गंभीर, सहरसा सदर अस्पताल में भर्ती

सहरसा, एजेंसी। सहरसा में गुरुवार की देर शाम मंदिर पर बैठे एक युवक को कुछ युवकों ने मारपीट कर घायल कर दिया। जिसके बाद उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना सदर थाना क्षेत्र के पंचमुखी मंदिर वार्ड नं 31 के पास की बतायी जा रही है। वहीं पुलिस मामले की जांच में जुटी। जख्मी युवक की पहचान सदर थाना क्षेत्र निवासी राहुल कुमार सिंह के रूप में हुई है। जख्मी युवक ने बताया कि मैं मंदिर पर बैठा था। जहां कुछ युवक मंदिर पर गेदरिंग कर रहे थे। जिसे मना करने पर उन लोगों ने मेरे साथ मारपीट की। उसने इस मामले में राजन कुमार सिंह, शंभु कुमार सिंह,संतोष कुमार सिंह एवं उनका पुत्र सहित 10 लोगों को आरोपी बनाया है। घटना के बाद से सभी आरोपी फरार है। सदर थानाध्यक्ष सुबोध कुमार ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है ,आवेदन अप्राप्त है आवेदन मिलने के उपरांत जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

बाबा अमरनाथ के लिए श्रद्धालुओं का जत्था रवाना

पीरपैंती , एजेंसी। प्रखंड के बाराहाट ईशीपुर एवं झारखंड के संयुक्त बाबा बर्फानी यात्रा भक्त मंडल का जत्था बाबा अमरनाथ के लिए रवाना हो गया।25 श्रद्धालुओं के जत्थे का श्रद्धालुओं ने पीरपैंती स्टेशन पर भव्य स्वागत किया। इनमें कई श्रद्धालु महिलाएं भी शामिल हैं।जत्थे में पीरपैंती के पूर्व विधायक अमन कुमार, मोती पंडित, अशोक भगत, सचिन पांडे, ललन सिंहा,वरुण गोस्वामी, आदि भी शामिल हैं।श्रद्धालुओं ने बताया कि यात्रा 1 जुलाई को शुरू होगी।तथा 3 जुलाई को बाबा का दर्शन करेंगे।वहां से फिर माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए हम रवाना होंगे।जबकि स्टेशन परिसर जय बाबा अमरनाथ, जय बर्फानी बाबा, जय मां वैष्णो देवी के जयघोष से गूंज उठा।

जान मारने की नीयत से किया हमला

दरभंगा/बहेड़ी, एजेंसी। सुसारी गांव के सुरेंद्र मंडल के बेंता ओपी को दिए बयान के आधार पर गुरुवार को बहेड़ी थाने में केस दर्ज किया गया। इसमें उनके पड़ोसी रामवीर मंडल व परमानंद मंडल को नामजद सहित पांच अज्ञात को आरोपित किया गया है। उन्होंने कहा है कि उनके साथ-साथ उनके पुत्र, पत्नी व अन्य सदस्यों को 20 जुलाई को लोहे के रॉड, टेंगारी आदि से जान मारने की नीयत से हमला करते हुए मारपीट कर बुरी तरह घायल कर दिया गया। उनके पुत्र सुमन कुमार की रीढ़ की हड्डी भी फ्रैक्चर हो गयी है। सभी का इलाज पहले बहेड़ी पीएचसी में हुआ फिर रेफर होने के बाद डीएमसीएच में किया गया। थानाध्यक्ष वरुण कुमार गोस्वामी ने बताया कि कांड दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी है।

सर्पदंश से घर मे सो रही युवती की मौत

छपरा/दिघवारा, एजेंसी। थाना क्षेत्र के बस्ती जलाल गांव मे बुधवार की रात्रि में सोने के दौरान एक युवती को जहरीले सांप ने डंस लिया जिससे युवती की मौत हो गई।

नेपाल में बारिश से बिहार की नदियों में बाढ़ का खतरा, मधुबनी में कमला लाल निशान पार

मोतिहारी में बह गया डायवर्सन

मधुबनी, एजेंसी। नेपाल में हो रही बारिश के कारण सीमावर्ती क्षेत्र की नदियों का जलस्तर बढ़ा है। मधुबनी के झंझारपुर में एक सप्ताह में दूसरी बार कमला बलान नदी खतरे के निशान को पार कर गई है। बुधवार देर शाम नदी का जलस्तर खतरे के निशान से 75 सेंटीमीटर ऊपर चला गया। इससे पहले 20 जून को जलस्तर खतरे के निशान से 70 सेंटीमीटर ऊपर हो गया था। गुरुवार सुबह आठ बजे के बाद पानी घटने लगा। 11 बजे तक जलस्तर में 30 सेंमी की कमी दर्ज की गई। पूर्वी चंपारण की लालबकेया नदी के फुलवरिया घाट पर बना डायवर्सन गुरुवार दोपहर नदी के जलस्तर में वृद्धि से बह गया। डायवर्सन बहने से पूर्वी चम्पारण जिले का सीतामढ़ी जिले से घाट होकर सड़क सम्पर्क भंग हो गया है। पश्चिम चंपारण के गौनाहा में बहनेवाली पहाड़ी नदी हड़बोड़ा में जलस्तर बढ़ गया है। सीतामढ़ी जिले में बागमती और लालबकेया नदी का जलस्तर स्थिर है। सुप्पी के जमला में बागमती कटाव कर रही है।

सुपौल में कोसी के जलस्तर में उतार-चढ़ाव से कटाव तेज : कोसी नदी के जलस्तर में गुरुवार को कमी हुई। नदी के घटते-बढ़ते जलस्तर के कारण कटाव होने लगा है। वहीं कटिहार में महानंदा और खगड़िया में बागमती नदी के जलस्तर में वृद्धि दर्ज की गई है। अररिया में परमान, नूना और बकरा नदी के जलस्तर में कमी से लोगों को राहत मिली है। सुपौल जिले में कोसी नदी के जलस्तर में गुरुवार की सुबह से घटने की रफ्तार जारी रहा। नेपाल के जलग्रहण क्षेत्र में बारिश थमने के बाद दोनों जगहों पर पानी में कमी हो रही है। मुख्य अभियंता कोसी ई वरुण कुमार ने बताया कि कोसी नदी के जलस्तर में कमी हो रही है। वहीं किशनपुर प्रखंड की मौजहा-दुबियाही मुख्य सड़क पर कई जगह पानी का दबाव हो गया है।

कटरा में पीपा पुल पर चढ़ा पानी: कटरा में बागमती नदी के जलस्तर में वृद्धि से बकुची स्थित नदी पर बने पीपा पुल पर करीब 20 फीट पानी चढ़ गया, जिस कारण घंटों आवागमन बाधित रहा। हालांकि पीपा पुल संचालक द्वारा शीघ्र ही आवागमन चालू कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि बागमती के जलस्तर में वृद्धि होने के बाद 14 पंचायतों का प्रखंड मुख्यालय से संपर्क भंग हो जाता है।

बागमती का जलस्तर बढ़ा, दो जगहों पर बहे चचरी पुल

बागमती नदी का जलस्तर बढ़ने से मुजफ्फरपुर के मधुबन प्रताप घाट स्थित चचरी पुल व अतरार घाट स्थित चचरी पुल बह गये। बागमती नदी की दक्षिणी उपधारा पर बने चचरी पुल से प्रखंड मुख्यालय जाने में लोगों को पांच किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती थी। अब कटौंझा या रून्नीसैदपुर होकर जाने में 20 से 25 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ेगी। वहीं, औराई उत्तरी क्षेत्र के लोगों को जिला मुख्यालय जाने में 55 किलोमीटर दूरी तय करनी पड़ेगी। चचरी पुल के बहने से बभनगामा पश्चिमी, हरणी, मधुबन प्रताप, बाड़ा बुजुर्ग, बाड़ा खुर्द, राघोपुर, तरवन्ना, चैनपुर समेत एक दर्जन गांव व कस्बे के लोगों के लिए नाव ही सहारा है। सीओ गौतम कुमार सिंह ने बताया कि जलस्तर मे आंशिक वृद्धि हुई थी। पानी कम होने लगा है। दोनों घाटों पर सरकारी नाव का परिचालन शुरू करा दिया गया है। बागमती की मुख्य धारा आज भी सूखी हुई है, जबकि दक्षिणी उपधारा कटरा और गायघाट की ओर बह रही है। 17 साल से विस्थापित परिवार हर साल जून के अंतिम हफ्ते में बाढ़ के खतरे को भांपते हुए ऊंचे स्थान पर रिश्तेदारों के यहां या किराए का मकान लेकर रहने की व्यवस्था में लगे रहते हैं। आश्वासन के सहारे जी रहे विस्थापित परिवारों को अब तक पुनर्वास की जमीन नहीं मिली है।

सारण में उद्योग स्थापित कर उद्यमी अपनी तरक्की की लिख सकते हैं इबारत : डीएम

छपरा, एजेंसी। उद्योग विभाग द्वारा प्रायोजित प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना व प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना से उद्योग स्थापित कर उद्यमी अपनी तरक्की की इबारत लिख सकते हैं। डीएम अमन समीर ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित लोन शिविर में स्वीकृति पत्र वितरण के बाद यह बातें कही। उन्होंने कहा कि इस योजना से उनके परिवार ही नहीं वल्कि रोजगार का भी अवसर मिलेगा। जिले के विभिन्न जगहों से पहुंचे उद्यमियों को हौसले को बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि उद्योग स्थापित होने के बाद सारण की पहचान भी देश स्तर तक बढ़ेगी। मालूम हो कि यह लोन सोया पनीर, लकड़ी फर्नीचर, डेयरी प्रोडक्ट, रेडीमेड गारमेंट समेत कई अन्य परियोजनाओं पर उधोग स्थापित करने के लिए दिया जा रहा है।जानकारी के मुताबिक 31 लाभुकों को 3.04 करोड़ का लोन स्वीकृति पत्र व पीएम विश्वकर्मा योजना के 10 लाभुकों के बीच 9 लाख रुपए का स्वीकृति पत्र वितरण किया गया। कैंप में उद्योग विभाग से सहायक उद्योग निदेशक आशीष कुमार, जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक ज्योति कुमारी ,उधोग विस्तार पदाधिकारी नीरज कुमार गुप्ता,जूली कुमारी, अलका कुमारी, प्रियंका कुमारी,शिवांकर कंठ, अग्रणी बैंक के प्रबंधक प्रदीप कुमार समेत कई बैंकों के जिला समन्वयक,प्रबंधक समेत उधोग विभाग के कर्मी मौजूद थे।

पटना में रोड एक्सीडेंट, एक की मौत,2 घायल

पटना, एजेंसी। पटना के फतुहा में दो अलग-अलग सड़क दुर्घटना में तीन युवक घायल हो गया, जिसमें से दो युवक को बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान एक की मौत हो गई। फतुहा फोरलेन आरओबी से उतर भोला राइस मिल के पास ट्रैक्टर और बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर लगते ही बाइक सवार काफी दूर जा गिरा। जिससे बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने आनन फानन में बाइक सवार दोनों घायल को फतुहा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। वहां से एक युवक की स्थिति गंभीर रहने की वजह से चिकित्सकों ने उसे पटना पीएमसीएच के लिए रेफर कर दिया। दुसरे घायल युवक को प्राथमिक उपचार कर घर भेज दिया। सूचना मिलते ही परिजन भी फतुहा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंच गए। उनका रो-रो कर बुरा हाल था। घायल युवक नगर नालंदा के नगरनौसा निवासी 21 वर्षीय रवि कुमार है जो फतुहा स्टेशन रोड में एक किराए के मकान में रहता है। उसके साथ उसका दोस्त फतुहा के हाजीपुर गांव निवासी चौकीदार हिटलर पासवान का पुत्र गौतम कुमार है। दोनों बाइक के पर सवार होकर फोरलेन से होते हुए फतुहा बाजार की ओर आ रहे थे। वहीं दुसरी ओर से ट्रैक्टर आ रहा था। मौके पर फतुहा थाने की पुलिस पहुंच गई और दोनों गाड़ी को जब्त कर आगे की कार्रवाई में जुट गई।

वहीं, एक दूसरी घटना में फतुहा के महारानी चौक रेलवे ओवरब्रिज के पास एक बाइक सवार ने स्कूटी सवार को धक्का मार दिया। धक्का मारने के बाद स्कूटी पर सवार तीन लड़कों ने बाइक सवार युवक को पास के एक गड्ढे में फेंक दिया और वहां से फरार हो गए। ग्रामीणों द्वारा इसकी सूचना फतुहा थाना को दिया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक को गड्ढे से निकालकर फतुहा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। वहां से चिकित्सकों द्वारा प्राथमिक उपचार कर गंभीर हालात को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए उसे पटना रेफर कर दिया गया। घायल फतुहा थाना क्षेत्र के गोविंदपुर निवासी 40 वर्षीय विजय चौधरी के रूप में हुई है।वही इस मामले में फतुहा थाना प्रभारी रूपक कुमार अंबुज ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और गड्ढे से युवक को निकालकर पहले अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल स्कूटी सवार की पहचान नहीं हो पाई है आसपास के सीसीटीवी कैमरे को खंगाला जा रहा है।

पानी पी रहा था परचून दुकानदार, मारी गई गोली मुजफ्फरपुर में बाइक से आए थे 2 अपराधी

पुलिस बोली-पैसे लेनदेन के विवाद में अटैक

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर के कांटी थाना क्षेत्र के नगर परिषद वार्ड-3 के पास गुरुवार की देर रात बाइक सवार दो अपराधियों ने एक दुकानदार को गोली मारी और फरार हो गया। घटना में दुकानदार गंभीर रूप से जख्मी हो गया। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने जख्मी को आनन-फानन में शहर के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया है। घटना की जांच में जुटी हुई है। जख्मी दुकानदार गुड्डू सिंह ने बताया कि एक दुकान पर ठंडा पी रहा था तभी अचानक बाइक सवार अपराधियों ने उसपर गोली चला दी। बताया कि कुछ महीने पहले एक व्यक्ति से कुछ जमीन खरीदी थी। उसी का भाई उसे जान से मरवाने की धमकी दे रहा था। उसने आशंका जताई है कि इस वजह से अपराधियों ने उस पर गोली चलाई है। घटना की वजह से आस पास के लोगों में दहशत का माहौल है ।पुलिस लगातार मामले की जांच कर रही है। डीएसपी वेस्ट अभिषेक आनंद ने बताया कि घटना की सूचना मिली है, जिससे बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंच कर घायल व्यक्ति को इलाज के अस्पताल में भर्ती करवाया है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि पैसे की लेने देने को लेकर घटना हुई है। पुलिस घटना की सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है।

बदमाशों ने वृद्ध को मारी गोली, गंभीर

लखीसराय, एजेंसी। लखीसराय के सूर्यगढ़ा थाना क्षेत्र के सुंदरपुर बिंद टोली गांव में गुरुवार देर शाम वृद्ध को गोली मारकर जख्मी करने का मामला सामने आया है। जिन्हें सूर्यगढ़ा सीएचसी से प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल रेफर किया गया है। पीड़ित की पहचान सुंदरपुर बिंद टोली निवासी गुदरी बिंद के पुत्र देवनंदन बिंद(55) के रूप में हुई है। घटना की जानकारी देते हुए पीड़ित की पत्नी ने बताया कि वह अपने घर के दरवाजे पर बैठा था। जहां चार की संख्या में आए अपराधी ने पहले उनके साथ वाद-विवाद किया। फिर उसे गोली मारकर फरार हो गए। गोली पीड़ित के पेट में नाभि के नीचे लगा जो फिलहाल अंदर ही बताया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार के बांस गीत पर्चा वाली जमीन के विवाद में अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया है।

गंभीर स्थिति में चल रहा इलाज : सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में तैनात चिकित्सक डॉ संजय कुमार यादव ने बताया कि पीड़ित का एक्स-रे कराया जा रहा है। रिपोर्ट से पेट में गोली लगने की पुष्टि होगी। फिलहाल गंभीर स्थिति में पीड़ित का इलाज इमरजेंसी वार्ड में चल रहा है।

मानपुर में पति ने पत्नी को जहर देकर की थी हत्या

गया/मानपुर, एजेंसी। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के जनकपुर मुहल्ले में विवाहिता की संदिग्ध मौत मामले में खुलासा हुआ है। पुलिस ने विवाहिता के पति, उसकी प्रेमिका व दवा देने वाली ग्रामीण चिकित्सक को गिरफ्तार कर लिया है। गुरुवार को डीएसपी सुनील कुमार पांडेय और एसएचओ रघुनाथ प्रसाद ने बताया कि मृतका पूजा कुमारी कईया पंचायत की गोगा गांव के निवासी थीं। वह वर्तमान में जनकपुर मुहल्ले में अजीत सिंहा के भाड़े के मकान में सास, देवर और पति के साथ रहती थीं। बता दें कि विवाहिता पूजा कुमारी की संदिग्ध स्थिति में मौत बुधवार को हो गई थी। मामले में विवाहिता के भाई राजा कुमार ने ससुराल वालों पर जहर देकर हत्या करने की आरोप लगाया था।

पति का दूसरी महिला से था प्रेम प्रसंग : डीएसपी ने बताया कि विवाहिता के पति विक्की कुमार और बुनियादगंज थाना के खानजहांपुर के पूनम कुमारी के साथ प्रेम प्रसंग कई वर्षो से चल रहा था। विक्की ने नोटरी के माध्यम से पूनम के साथ शादी भी कर ली थी। पूनम जनकपुर मुहल्ले पूजा के साथ रहना चाह रही थी। इस मामले को लेकर विवाद चल रहा था। इस विवाद को खत्म करने के लिए साजिश के तहत पूजा को जहर देकर मार दिया गया। पुलिस ने इस मामले में पहले पूजा के पति विक्की को गिरफ्तार किया। पति की निशानदेही पर पूनम और ग्रामीण चिकित्सक ओम प्रकाश कुमार को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान सभी ने अपराध को कबूल किया है। छापेमारी में एडिशनल एस एच ओ अरविंद कुमार, एस आई संदीप चौहान, महिला पुलिस प्रीति कुमारी आदि शामिल थे।

युवक को अगवा कर 85 हजार छीने, दिल्ली से जमुई लौटा था

रेलवे स्टेशन से उठाकर एटीएम से निकाले पैसे

जमुई, एजेंसी। जमुई के मलयपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 2 के बाहरी परिसर से एक युवक से 89 हजार रुपया छिनतई कर लिए जाने का मामला प्रकाश में आया है। इस घटना के पीड़ित ने लिखित आवेदन देकर मामले की जानकारी बरहट पुलिस को दी है। घटना की जानकारी के बाद बरहट पुलिस मौके पर पहुंचकर जमुई प्लेटफार्म दो के परिसर के बाहर दुकानों में लगे कई सीसीटीवी फुटेज को चेक कर रहे है।

एटीएम से निकाले 85 हजार रुपए

पीड़ित युवक की पहचान बरहट थाना क्षेत्र के भालुका गांव निवासी दिवाकर पंडित पिता अयोध्या पंडित के रूप में हुई है। घटना के शिकार हुए पीड़ित युवक दिवाकर पंडित ने बताया की हम न्यू दिल्ली से मजदूरी कर पूर्वा एक्सप्रेस ट्रेन से जमुई स्टेशन पहुंचे थे। तभी घर जाने के दौरान दो युवक मेरे पास पहुंचे और पहले मेरा थैला छीन लिया फिर चार हजार नगद भी छीन लिया। जिसका विरोध करने पर जान मारने की धमकी देने लगा। इसी दौरान दोनों युवक ने एक गाड़ी पर जबरदस्ती बिठाकर लिया और जमुई लेकर चला गया। जहां जबरदस्ती मेरे एटीएम कार्ड से 85 हजार रुपए की निकासी कर लिया। इसके बाद किसी तरह उन लोगों के गिरफ्त से भाग कर अपने घर पहुँच और सारी जानकारी अपने परिजनों को दिया। इसके बाद बरहट थाने पुलिस को जानकारी देते हुए कार्रवाई करने की गुहार लगाई है।

जांच में जुटी पुलिस

बरहट थानाध्यक्ष कुमार संजीव ने बताया कि युवक के साथ छिंतई का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस मामले की छानबीन जांच में जुटी है।

पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को न्यायालय के द्वारा बेल दिए जाने पर सभी कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दीपक विश्वकर्मा

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

झुमरी तिलैया झारखण्ड मुक्ति मोर्चा नगर अध्यक्ष सह सोसल मिडिया सदस्य कोडरमा दीपक विश्वकर्मा ने प्रेस बयान जारी कर कहा है कि आज सत्य की जीत हुई और असत्य की हार हुई है। आज पूरे छह महीनों की कड़ी मुशक्कत के बाद पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बेल दिया गया है। जिस पर समस्त झामुमों कार्यकता में खुशी की लहर है। सभी कार्यकर्ताओं ने न्यायालय को धन्यवाद दिया है ,दीपक विश्वकर्मा ने कहा कि ठीक लोकसभा चुनाव के पहले बिजेपी के इशारे पर सरकारी एजेंशिओ के जरिए हेमंत सोरेन को जेल में डालने का काम किया गया था और बीजेपी वाले यह सोच रहें थे कि अब झारखंड सें छ्व्रूपार्टी का सफाया हो गया लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी ने पूरा मोर्चा को शम्भाला और पूरे झारखंड में अकेले ही आयरन लेडी बन सभी कार्यकर्ताओं का मनोबल को बढ़ाने का काम किया साथ ही सभी 14 लोकसभा सीट पर प्रचार भी किया आज उसी का देन है कि कल्पना सोरेन ने 5 सीट इंडिया गठबंधन से जिताने का काम किया साथ ही गांडे से वे खुद जीती है इस पर सभी कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है।

विधानसभा दावेदार के रूप में कुमकुम देवी विभिन्न गांव का दौरा कर लोगों से मांग रही आशीर्वाद

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

जयनगर प्रखंड के विभिन्न गांव का दौरा कर जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी से टिकट मिलने का मुझे प्रबल संभावना है, निश्चित तौर पर मैं तन मन धन से पार्टी के हित में काम किया है। जिसका लाभ मुझे मिल सकता है। इस दौरान उन्होंने लोगों से संपर्क अभियान चलाते हुए कहा कि यदि भारतीय जनता पार्टी से मुझे टिकट नहीं भी मिले तभी मैं चुनाव लडूंगी। बता दें कि खगेंद्र प्रसाद यादव पूर्व विधायक बरकट्ठा से संबंध रखने वाली कुमकुम देवी जन्म मुद्दों को लेकर लोगों के बीच में हमेशा रहती है। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के कई लोगों की समस्याओं को सुना तथा समाधान करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि समस्याओं से संबंधित विभाग से संपर्क कर इसे दूर करने की कोशिश किया जाएगा फिलहाल जिला परिषद सदस्य कुमकुम देवी लोगों के बीच अपनी पहचान बनाने में लगी हुई है ।इस दौरान उन्होंने जयनगर के परसाबाद, कटिया, तेतरौन, मकतपुर, पांडू,भुवालडीह, गोहाल, रूपायडीह, पिपचो, तिलोकरी, डंडाडीह, जयनगरबाजार सहित दर्जनों गांवों का दौरा किया जहां लोगों ने उन्हें सहयोग करने का आश्वासन दिया।

छात्रा ने सतगावां थाना में साइकिल चोरी होने का दिया आवेदन।

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

सतगावां थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मोहनपुर निवासी छात्रा प्रियांशु कुमारी पिता पवन कुमार यादव ने सतगावां थाना में साइकिल खोज बीन के लिए आवेदन दी है । आवेदन में कहा गया कि प्रतिदिन की भांति दिनांक 27 जून 2024 को अपने हरे रंग की साइकिल से अपने विद्यालय राज्य सम्पोषित+2 उच्च विद्यालय बासोडीह गई और विद्यालय कैम्पस में साइकिल खड़ी कर अपने क्लास में पढ़ने चली गई। इसी बीच किसी ने मेरी साइकिल गायब कर दिया। काफी खोजबीन के बाद साइकिल नहीं मिलने पर सतगावां पुलिस से साइकिल खोजने की गुहार लगाई है।

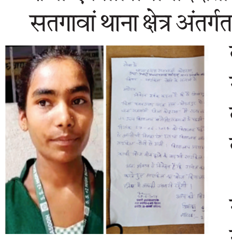

विधायक की धर्मपत्नी ने सामुदायिक भवन का शिलान्यास

कसमार । विधायक प्रतिनिधि कौशल्या देवी ने कसमार प्रखण्ड अन्तर्गत कोचागोड़ा में सामुदायिक भवन का शुभ शिलान्यास नारियाल फोड़ कर किया, इस अवसर पर विधायक कि धर्मपत्नी कौशल्या देवी ने कहा गोमिया विधानसभा क्षेत्र कम समय में काफ़ी विकास हुआ है, विकास कि प्रति विधायक हमेशा तत्पर रहते है, विधायक का सोच हमेशा विकास के प्रति रहा है और रहेगा ,पेयजल क़ि समस्या का निदान जल्द करा दिया जाएगा ,काम युद्ध स्तर पर हो रहे है, डेम का पानी हर घर तक पहुंचे यह भी विधायक के प्रयास से हो रहा है, इस मोके पर जिला परिषद सदस्य अमरदीप महाराज, पूर्व पंचायत समिति सदस्य मंटू रजवार ,समाज सेवी अनिता देवी , किरण देवी, झूनर देवी, चांदनी देवी पूनम देवी, सालो देवी ,जयंती देवी पनको देवी, नमिता देवी,दिखानी देवी, शीला देवी , उषा देवी, सोनिका देवी ,कृति चंद महतो सहित कई गणमान्य लोगों शामिल थे।

क्रिटिकल्स एन्ड स्ट्रेटेजिक मिनिरल्स अंश वाले माइका ढिबरा का निष्पादन पर खान मंत्रालय को देना है अनुमति/मार्गदर्शन

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

कोडरमा। गिरिडीह-कोडरमा में ढिबरा कारोबार शुरू होने को लेकर लाखो मजदूर केंद्र सरकार की खान मंत्रालय पर अब टकटकी लगाए बैठे है। ढिबरा व्यापार से कोडरमा-गिरिडीह के लाखों गरीब परिवारों का जीवनयापन जुड़ा है। फिलहाल ढिबरा कारोबार तकनीकी कारणों से अवैध व्यापार घोषित है। हेमन्त सरकार ने ढिबरा मजदूरों के पक्ष में 2021-22 में ढिबरा नीति लाई थी। वहीं ढिबरा व्यापार को कानूनी हक़ अधिकार दिलाने को लेकर ढिबरा मजदूरों ने बड़ी आंदोलन खड़ी की थी। ढिबरा मजदूरों की गूंज फरवरी 2024 में भी गूंजी थी। ढिबरा मजदूरों की आवाज विधानसभा में बगोदर के माले विधायक विनोद कुमार सिंह ने विधानसभा में जोर शोर से उठाया था। बतादें की पूर्व मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने झारखण्ड लघु खनिज समनुदान(संशोधन) 2021 में जीएसएमडीसी के जरिये सहकारी समितियों के सहयोग से ढिबरा कारोबार शुरू कराने को लेकर पॉलिसी लाई थी। नीति को लागू करने को लेकर प्रतिमात्मक रूप से सीएम ने ढिबरा लदी वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना की थी। वहीं भूतत्व निदेशालय ने ढिबरा की मात्रा और गुणवत्ता की जांच भी की थी।

भूतत्व विभाग ने अपने जांच में लिथियम मिलने की पुष्टि की थी, जिसके बाद झारखण्ड सरकार की ढिबरा नीति केंद्र सरकार से रिपोर्ट आने का इंतज़ार करते रही। कोडरमा-गिरिडीह जिलान्तर्गत जांच में प्राप्त ढिबरा के नमूनों को एटॉमिक मिनरल डिवीजन हैदराबाद भेजा गया था।जिसमे ऋEEs के लिथियम <1.29 PPM एवं लिथियम के 68.137 PPM के अंश मिलने की रिपोर्ट आई थी। 9 अगस्त 2023 को अधिसूचित एमएमडीआर (संशोधन) 2023 के तहत क्रिटिकल्स एन्ड स्ट्रेटेजिक मिनिरल्स की नीलामी के माध्यम से भारत सरकार के द्वारा किये जाने का प्रावधान है।क्रिटिकल्स एन्ड स्ट्रेटेजिक मिनिरल्स के अंश वाले माइका/ढिबरा के निष्पादन के संदर्भ में झारखण्ड सरकार ने विभागीय पत्रांक 859/एम 16 मई 2024 को खान मंत्रालय भारत सरकार से अनुमति/मार्गदर्शन के लिए भेजा है। झारखण्ड सरकार को खान मंत्रालय से अनुरोध प्राप्त हो जाता,तो तीन महीने के भीतर ढिबरा कारोबार का द्वार खुल जाता। लेकिन जानकारी के अनुसार खान मंत्रालय ने अबतक झारखण्ड सरकार को अनुमति या मार्गदर्शन नही भेजा है।जिसके कारण ढिबरा नीति अबतक अधर में लटकी है।जबकि कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी हाल ही में केंद्र में दूसरी बार मोदी मंत्रिमंडल में शामिल हुई है। केंद्र की सत्ता में काबिज़ अन्नपूर्णा देवी ने कोडरमा में ढिबरा नीति को लागू कराने में सकारात्मक पहल करती तो शायद अब तक ढिबरा नीति लागू हो जाती और लाखों ढिबरा मजदूरों के चेहरे पर खुशी होती। लेकिन फिलहाल ढिबरा को लेकर केंद्र सरकार के खान मंत्रालय के पाले में गेंद है। सबसे बड़ी बात है कि कोडरमा क्षेत्र से दूसरी बार केंद्र सरकार में अन्नपूर्णा देवी को जिम्मेवारी मिली है।पिछ्ली बार वे मोदी सरकार में केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री थी, जबकि इसबार महिला बाल विकास विभाग की कैबिनेट मंत्री है। ढिबरा कोडरमा से जुड़ा बड़ा मुद्दा है और खान मंत्रालय के पास फ़ाइल पड़ी है।

केंद्र सरकार लाखो ढिबरा मजदूरों के हित मे अविलम्ब अनुमति दे- रमेश प्रजापतिः माइका वर्कर्स यूनियन(सीटू) के जिला संयोजक रमेश प्रजापति ने कहा कि ढिबरा से लाखों मजदूरों का जीविकोपार्जन चलता है। संयुक्त बिहार सरकार में माइका खदान बंद होने के बाद खदान के बाहर स्क्रैप पर कोई अधिकार नही जताया था। माइका का स्क्रैप चुनकर लोग जीवनयापन चलाते है।उन्होंने कहा कि लाखों ढिबरा मजदूरों के हित मे झारखड सरकार ने ढिबरा नीति लाकर सराहनीय कदम उठाया था।लेकिन केंद्र सरकार ने लिथियम के नाम पर ढिबरा नीति को ठंढे बस्ते में डालने का प्रयास किया। माइका और ढिबरा दोनो अलग अलग है। माइका जमीन के अंदर से खनन कर निकाला जाता है, जबकि ढिबरा माइका का अवशेष या कचरा होता है,जिसे स्क्रैप कहा जाता है। झारखण्ड सरकार ने ढिबरा को लेकर जेएसएमडीसी के जरिये को-ऑपरेटिव के सहयोग से ढिबरा चुनने बेचने का नीति लाई है। झारखण्ड सरकार ने प्रकिया का पालन करते हुए नीतिगत कार्य को आगे बढ़ाया है।अब केंद्र सरकार लाखो ढिबरा मजदूरों के हित मे अविलम्ब अनुमति दे, ताकि ढिबरा कारोबार पर वैधानिक मुहर लग पाए। वहीं उन्होंने कहा कि ढिबरा की आवाज उठाने के लिए माले विधायक विनोद सिंह का पहल सराहनीय है।

अदाणी फॉउंडेशन ने टीबी के गोद लिए 80 नए मरीजों को प्रदान किया पोषण किट

- अगले छह महीने तक मिलेता रहेगा पोषक आहार
- इससे पहले दो चरणों में गोद लिए हुए 130 मरीज हो चुके हैं स्वस्थ

बड़कागांव। बड़कागांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में गोंदलपुरा खनन परियोजना के तहत अदाणी फॉउंडेशन ने तीसरे चरण के तहत गोद लिए 80 टीबी मरीजों के बीच शुक्रवार को निःशुल्क पोषण किट का वितरण किया। प्रत्येक किट में च्वयनप्राश, अरहर दाल, चना, गुड़, हरा मूंग, सरसों तेल और हॉर्लिक्स जैसी आहार सामग्रियां शामिल हैं। 'प्रधानमंत्री निक्षय पोषण योजना' के तहत अगले छः महीने के ईलाज के दौरान रोगियों को हर माह पोषक आहार प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान मौजूद लोगों ने देश को टीबी मुक्त बनाने की भी शपथ ली। सबने एक स्वर में कहा कि अपने मोहल्ले, गांव और शहर को टीबी मुक्त बनाना है। इस अवसर पर बड़कागांव के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अविनाश कुमार ने कहा, ÷अदाणी फॉउंडेशन टीबी उन्मूलन के क्षेत्र में लगातार उत्कृष्ठ कार्य कर रहा है जो प्रशंसनीय और प्रेरक है। अदाणी फॉउंडेशन द्वारा निशुल्क एम्बुलेंस भी प्रदान किया गया है, जिससे ग्रामीणों को काफी लाभ मिल रहा है। हजारीबाग क्षेत्र के मरीजों के लिए आपात परिस्थिति में यह एम्बुलेंस सुविधा त्वरित रूप में उपलब्ध है। यह तीसरा चरण है, जिससे बहुत सहायता मिली है। ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर नवीन कुमार ने बताया, अदाणी फॉउंडेशन की ओर से अब तक 130 टीबी के मरीजों को गोद लिया जा चुका है, जो अब स्वस्थ हो चुके हैं। वहीं, तीसरे दूसरे चरण के तहत अब 80 मरीजों को लगातार छह महीने तक पोषण आहार प्रदान किए जाएंगे। टीबी के ईलाज में अदाणी फॉउंडेशन द्वारा किए जा रहे प्रयासों से मरीजों को निःशुल्क पोषण आहार का लाभ मिल रहा है। यह नेक पहल प्रशंसनीय है।

लाइलाज नहीं है टीबी की बीमारी, समय पर करवाएं उपचार

कार्यक्रम के दौरान चिकित्सा अधिकारियों ने मरीजों को बताया कि पोषण किट के आहारों की गुणवत्ता और मात्रा बढ़ाई गयी है। मरीजों से कहा गया कि दवा के अतिरिक्त जो पोषण आहार उन्हें मिल रहे हैं उनका नियमित रूप से सेवन किया जाना चाहिए ताकि जल्द से जल्द टीबी को ठीक किया जा सके। अदाणी फॉउंडेशन के इस प्रयास से टीबी के मरीजों की संख्या में कमी आएगी और टीबी लाइलाज बीमारी नहीं है। इसका समय पर उपचार करवा लिया जाए तो इससे हमेशा के लिए इससे छुटकारा मिल सकता है।

स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार के लिए सार्थक कोशिश

अदाणी फॉउंडेशन की ओर से बड़कागांव प्रखंड के विभिन्न इलाकों में गुणवत्ता युक्त स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार के लिए सार्थक कोशिश हो रही है। जिसमें अच्छे चिकित्सकीय लाभ के के लिए क्षेत्र में लगातार निःशुल्क मेडिकल कैम्प और नेत्र जांच शिविर लगाए जाए रहे हैं, जहां ग्रामीणों के इलाज के साथ-साथ उन्हें आवश्यक दवाईयां और चश्मे तक प्रदान किए जा रहे हैं। इसके अलावा हरली हाई स्कूल में विज्ञान और गणित विषय के शिक्षक भी नियुक्त किए गए हैं, ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके और उन्हें पढ़ाई के लिए बाहर नहीं जाना पड़े। स्वास्थ्य और शिक्षा के साथ-साथ प्रखंड के युवाओं के रोजगार के लिए भी अदाणी फॉउंडेशन ने सार्थक पहल शुरू की है, जिसके तहत युवाओं को सेना, पैरामिलिट्री, अग्निवीर और पुलिस बहाली के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस अवसर पर टीबी विभाग के ट्रेनिंग सुपरवाइजर दीपक कुमार, सीएसआर विभाग के उप प्रबंधक मोहित गुप्ता, एग्जीक्यूटिव अधिकारी शरद मिश्रा और तारकेश्वर कुमार शर्मा आदि मौजूद थे।

दुष्कर्म के आरोपी को 14 वर्ष सश्रम कारावास , 20000 जुर्माना भी लगाया

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

कोडरमा- सतगामा थाना कांड संख्या 88/ 2020 एसटी 51/ 2020, लकड़ी चुने गई एक नाबालिक लड़की के साथ जबरन दुष्कर्म किए जाने के एक मामले की सुनवाई करते हुए अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वितीय अजय कुमार सिंह की अदालत ने शुक्रवार को आरोपी सुजीत कुमार , उम्र 22 वर्ष, पिता जगदीश भोक्ता, ग्राम -करचैता, थाना- सतगामा, जिला कोडरमा,, निवासी को आईपीसी की धारा 376 का दोषी पाते हुए 14 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 20000 जुर्माना लगाया । जुर्माना की राशि नहीं देने पर 6 माह अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। क्या है मामला कोडरमा- मुक्तभोगी ने थाना को दिए आवेदन में कहा था कि 8-8-2020 को समय करीब 09÷00 बजे मैं अपने दो अन्य सहेलियों के साथ जंगल में लकड़ी लाने गई थी। जब हम लोग घर वापस आ रहे थे इसी दौरान मेरा मुंह सुजीत कुमार ने दबा दिया। मुझे पटक कर दुपट्टा से मेरा मुंह बांध दिया और जबरदस्ती मेरे साथ बलात्कार किया। विरोध करने पर टंगी के बेट से मुझे पीटा। सहेलियों के हल्ला करने पर कुछ लोगों द्वारा मुझे बचाया गया। मुक्त भोगी ने पुलिस से उचित कार्रवाई करने का अनुरोध किया था। अभियोजन का संचालक लोक अभियोजक पीपी एंजेलिना वारला ने किया। इस दौरान सभी 6 गवाहों का परीक्षण कराया गया । लोक अभियोजक पीपी ने कार्रवाई के दौरान न्यायालय से अभियुक्त को अधिक से अधिक सजा देने का आग्रह किया। वहीं बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता दीपक गुप्ता ने दलीलें पेश करते हुए बचाव किया। अदालत ने सभी गवाहों और साक्ष्यो का अवलोकन करने के उपरांत अभियुक्त को दोषी पाते हुए सजा मुकर्रर की और जुर्माना लगाया।

23- 24 का अंतिम साप्ताहिक मीटिंग बड़े ही धूमधाम फैलोशिप के साथ संपन्न

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

झुमरी तिलैया रोटरी क्लब कोडरमा सत्र 23- 24 का अंतिम साप्ताहिक मीटिंग बड़े ही धूमधाम फैलोशिप के साथ संपन्न हुआ अध्यक्ष विकास सेठ और सचिव नवीन जैन के नेतृत्व में पिछले 1 वर्ष में समाज सेवा के क्षेत्र में विशिष्ट कार्य किए गए इसकी सराहना सभागार में आए सभी रोटरी के पूर्व अध्यक्ष पदाधिकारी सदस्यों ने की जमशेदपुर डिस्ट्रिक्ट अवार्ड सेरेमनी मे अवार्ड मिलने पर सभी रोटेरियन ने हर्ष जताया । रोटरी क्लब कोडरमा में सदस्य बनने की स्वीकृति पर डॉक्टर संतोष कुमार अल्ट्रासाउंड एवं वीरेंद्र यादव वीरू फर्नीचर को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया, कार्यक्रम प्रारंभ राष्ट्रगान से किया गया अध्यक्ष विकास सेठ ने स्वागत भाषण दिया। सचिव नवीन जैन ने एजेंडा एवं पिछले मीटिंग्स के मिनट्स को पढ़कर सुनाया ट्रेजरर नवीन आर्य ने आय ब्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया । रोटेरियन कैलाश चौधरी राजेंद्र मोदी अजय अग्रवाल अमित कुमार ने अपना संबोधन दिया धन्यवाद ज्ञापन संतोष सिन्हा ने किया। मौके पर रोटेरियन महेश दारूका कमल सेठी सुरेश सेठी सुशील छाबड़ा माला दारूका आरती आर्य आदि लोग उपस्थित थे।

सुब्रतो कप अंडर 15में खिलाड़ियों ने मचाया धूम

जिला स्तर पर फाइनल में खेलेंगे डाडी एवं कटकमसांडी

हज़ारीबाग़ – जिला स्तरीय 63वीं सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता 2024द्ध25 का आज दूसरा दिन भी रोमांच से भरा रहा। खेल को अनुशासित ढंग से रोमांचकारी बनाने में शारीरिक शिक्षा शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण रही। अंडर 15 आयु वर्ग में बालक खिलाड़ियों का धूम रहा।

उमस भरी मौसम में भी बच्चों का उत्साह देखने लायक था। शुरुआती मैच विष्णुगढ़ एवं कटकमसांडी के साथ हुआ जिसमें पेनाल्टी शूटआउट द्वारा कटकमसांडी 2-3 से विजयी रहा। दारू एवं टाटीझरिया में दारू 2-0 से,तीसरा मैच बरही एवं इचाक से था। जिसमे बरही के अनुपस्थिति के कारण इचाक को अगले राउंड के लिए क्वालीफाई किया। पदमा एवं चौपारण की टीम ओवर एज के कारण डिसक्वालिफाई कर दिया गया। बड़कागांव एवं केरेडारी में बड़कागांव 3-0 से, चुरचू एवं कटकमदाग में चुरचू 4-0 से, डाडी बरकट्ठा में डाडी 2-0 से, सदर चालकुशा में सदर 2-0 से विजयी होकर क्वार्टरफाइनल हेतु क्वालीफाई किया। दूसरे राउंड के खेल में बड़कागांव चुरचू में बड़कागांव 2-0 से, डाडी सदर में डाडी 2-1 से एवं ,कटकमसांडी एवं दारू में पेनाल्टी शूटआउट द्वारा कटकमसांडी 1 -0 विजयी होकर फाइनल हेतु स्थान बनाया। बड़कागांव एवं दारू तीसरे स्थान हेतु खेलेंगे।

भारत विकास परिषद का उद्देश्य निस्वार्थ राष्ट्र सेवा- रामप्रवेश

- 10 जुलाई तक पखवाड़ा सप्ताह मनाने का लिया निर्णय

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

झुमरी तिलैया- भारत विकास परिषद झूठा लिया शाखा के तत्वाधान में डॉक्टर सूरज प्रकाश की जयंती मनाई गई। भारत माता, स्वामी विवेकानंद और सूरज प्रकाश जी के चित्रों पर माल्यार्पण कर और दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। मौके पर सेवा पखवाड़ा के रूप में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम जैसे एनीमिया कार्यशाला, स्कूली बच्चों के बीच कॉपी, किताब, कलम, बांटना तथा अन्य सेवा कार्य 10 जुलाई तक किए जाने का निर्णय लिया गया। मौके मुख रूप से उपस्थित प्रांतीय अध्यक्ष राम प्रवेश पांडे ने कहा कि भारत विकास परिषद का स्थापना का उद्देश्य निस्वार्थ भाव से राष्ट्र की सेवा करना है।

उन्होंने कहा कि परिषद का मुख्य कार्य सेवा और संस्कार के कार्यों को बढ़ाना है और इस कार्य को डॉक्टर सूरज प्रकाश ने बहुत ही विस्तृत तौर पर किया । भारत चीन युद्ध के समय उन्होंने सैनिकों को मदद की इस कारण से इन्हें पुरस्कृत भी किया गया । आज भारत विकास परिषद की स्थापना एवं उनके आदर्शों पर चलने के लिए प्रेरित करने वाले डॉक्टर सूरज प्रकाश जी की आज जयंती है। जो प्रति वर्ष 27 जून को मनाई जाती है। इतना ही नहीं आज से लेकर 10 जुलाई जो परिषद का स्थापना दिवस है, इस दौरान विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाऐंगे। जिसे सेवा पखवाड़ा के नाम से जाना जाता है। वही प्रांतीय कोषाध्यक्ष अश्वनी तिवारी ने परिषद के उद्देश्य और कार्यों की चर्चा की तथा संगठन विस्तार पर जोर दिया।

मौके पर शाखा अध्यक्ष कैलाश राणा ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। इसके अलावा प्रांतीय महिला संयोजिका जूही दास गुप्ता ने परिषद के पांचो प्रकल्प को समझाया । हम सबों को डॉक्टर सूरज प्रकाश के बताएं मार्ग पर चलने की जरूरत है तभी हमारा यह पहल सार्थक होगा । वहीं मीडिया प्रभारी श्री अरुण ओझा ने भी परिषद के संगठन एवं उनके कार्यो को समझाया । कार्यक्रम का संचालन शाखा सचिव छोटेलाल पांडे ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन राजेश कुमार सिंह ने किया तथा उन्होंने घोषणा भी की मेरे शरीर का वैसा अंग जो हमारे बाद काम आवे उनको मैं समर्पित करना चाहता हूं और इसी उद्देश्य के साथ मैं परिषद की सेवा प्रकल्प को और मजबूत बनाना चाहता हूं।

हेमंत सोरेन को जमानत मिलने से जिलाध्यक्ष समेत अन्य ने बांटी मिठाइयां, लगाएं नारे

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

कोडरमा पूर्व मुख्यमंत्री सह झारखंड मुक्ति मोर्चा केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष माननीय हेमंत सोरेन जी का जमानत मिलने से झारखंड मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष बीरेंद्र पाण्डेय के नेतृत्व में जमकर मिठाई बंटी गई व पटाखे फोड़े गए। इस दौरान जिलाध्यक्ष बधाई दी ओर आपने समर्थको के साथ झुमरी तिलैया झंडा चौक पर मिठाई बांट कर खुशी का इजहार किया । साथ ही झारखंड हाई कोर्ट के प्रति भी आभार जताया है। वही श्री पाण्डेय ने कहा माननीय हेमंत सोरेन को जमानत मिलने से कार्यकर्ता में नई ऊर्जा मिलेगा ओर राज्य में फिर हेमंत सोरेन कि सरकार बनेगी. बधाई देने वाले में पूर्व विधायक जानकी यादव, झामुमो केंद्रीय समिति सदस्य गंगा यादव, गोपाल यादव, बैजनाथ मेहता , जिला सचिव श्यामदेव यादव, जिला प्रवक्ता संजय साजन पूर्व प्रत्याशी कोडरमा विधानसभा क्षेत्र के रवींद्र शांडिल्य, जिला उपाध्यक्ष अशोक कुमार, सेशंक सिंह, बब्लू, मो खुदुश, मो सदाम, मो असरफ अंसारी, संतोष कुमार, बिट्टू राम, उमा शंकर वर्नावाल, रंजीत कुमार, मो सहनावाज, महिला जिलाध्यक्ष निर्मला तिवारी, मंजू देवी,नगर अध्यक्ष दीपक विश्वकर्मा, मुकेश यादव, सुरेंद्र यादव, महेश यादव, सुधाकर यादव, चन्द्रदेव यादव, महेश वर्मा, इत्यादि सैकड़ो लोग शामिल थे।

सुबह-दोपहर दो बार लगानी होगी हाजिरी

15 जुलाई से टैबलेट में दर्ज होगी बेसिक शिक्षकों की उपस्थिति

लखनऊ , एजेंसी। योगी सरकार प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों को डिजिटली एक्टिव करने को लेकर अपनी मुहिम को आगे बढ़ाने जा रही है। इस क्रम में प्रदेश भर के परिषदीय स्कूलों के सभी 12 तरह के रजिस्टर्स को डिजिटल किए जाने के साथ ही शिक्षकों और छात्रों की उपस्थिति भी डिजिटल मार्क किए जाने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। इसके अंतर्गत छात्रों के साथ-साथ शिक्षकों को भी टैबलेट पर फेस रिकग्निशन सिस्टम (चेहरा दिखाकर) से उपस्थिति दर्ज करानी होगी। 15 जुलाई से यह प्रक्रिया पूरे प्रदेश में लागू हो जाएगी। उल्लेखनीय है कि योगी सरकार बीते काफी समय से परिषदीय स्कूलों में सभी तरह के कार्यों को डिजिटली किए जाने पर जोर दे रही है। इसी के तहत इन स्कूलों के सभी 12 तरह के रजिस्टर को डिजिटल किए जाने के लिए प्रेरणा पोर्टल पर डिजिटल मॉड्यूल तैयार किया गया है। यही नहीं, डिजिटल अटेंडेंस के लिए भी स्कूलों को टैबलेट और सिम प्रदान किए गए हैं।

प्रेरणा पोर्टल पर विकसित किया गया %डिजिटल रजिस्टर्स% मॉड्यूल -महानिदेशक, स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा की ओर से सभी जिलों के बेसिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वह परिषदीय स्कूलों के सभी रजिस्टर डिजिटल माध्यम से ही भरवाएं। स्कूलों में उपस्थिति, प्रवेश, कक्षावार छात्र उपस्थिति, मिड डे मील, समेकित निशुल्क सामग्री वितरण, स्टाक, आय-व्यस्क एवं चेक इश्यू, बैठक, निरीक्षण, पत्र व्यवहार, बाल गणना और पुस्तकालय एवं खेलकूद रजिस्टर को डिजिटल किया गया है। पंजिकाओं के सरलीकरण तथा टेक्नोलॉजी आधारित डिजिटल माध्यम से उपयोग के लिए प्रेरणा पोर्टल पर डिजिटल रजिस्टर्स नाम से नया मॉड्यूल विकसित किया गया है। वर्तमान में उपयोग की जा रही भौतिक पंजिकाओं के अनुरूप ही पंजिकाओं का डिजिटल फॉर्मेट तैयार किया गया है। इसके अनुरूप अब सभी एंट्री डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ही अंकित की जाएंगी।

12 डिजिटल रजिस्टर्स में टीचर अटेंडेंस रजिस्टर भी शामिल है। ऐसे में विद्यालय में कार्यरत समस्त अध्यापकों एवं कार्मिकों को प्रतिदिन अपनी उपस्थिति डिजिटली दर्ज करानी होगी। इसमें विद्यालय आगमन से लेकर जाने तक का समय अंकित किया जाएगा। निर्देशों के अनुसार समस्त अध्यापक 1 अप्रैल से 30 सितंबर तक आगमन उपस्थिति प्रातः 7.45 से 8 बजे तक और प्रस्थान दोपहर 2.15 से 2.30 बजे तक लगाएंगे। वहीं एक अक्टूबर से 31 मार्च तक आगमन उपस्थिति सुबह 8.45 बजे से सुबह नौ बजे तक और प्रस्थान उपस्थिति 3.15 बजे से 3.30 बजे तक दर्ज कर सकेंगे। हालांकि फिलहाल, अग्रिम आदेश तक शिक्षक सुबह 7.15 बजे से 7.30 बजे तक उपस्थिति लगाएंगे और प्रस्थान उपस्थिति दोपहर 1.30 बजे से 1.45 बजे तक लगा सकेंगे।

निर्धारित समय के बाद उपस्थिति मान्य नहीं होगी। विभाग द्वारा परिषदीय प्राथमिक/कंपोजिट विद्यालयों के शिक्षकों के उपयोग के लिए 2,09,863 टेबलेट्स उपलब्ध कराए गए हैं। वहीं परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों के लिए टेबलेट उपलब्ध कराए जाने की प्रक्रिया जारी है। इन विद्यालयों में समस्त अध्यापकों एवं कार्मिकों द्वारा प्रेरणा पोर्टल पर दर्ज कराए गए अपने मोबाइल नंबर/स्मार्टफोन से अपनी उपस्थिति प्रतिदिन अंकित की जाएगी। इसके बाद प्रधानाध्यापक द्वारा उपस्थिति प्रमाणित की जाएगी। टैबलेट व स्मार्टफोन को जियोफेंसिंग के माध्यम से पहचाना जाएगा तथा पोर्टल पर उपस्थिति दर्ज करते समय अध्यापक और प्रधानाध्यापक को विद्यालय परिसर में उपस्थित रहना अनिवार्य होगा।

पराग डेयरी का नया प्लांट 160 करोड़ से बना, 18 करोड़ के इंतजार में शुरू न हो सका

कानपुर , एजेंसी। कभी सूबे की साख रही साकेतनगर स्थित पराग दुग्ध डेयरी (प्रदेश सरकार से अनुदानित) का वजूद वर्तमान में संकट में है। कभी डेढ़ लाख लीटर दूध की रोजाना आपूर्ति करने वाली यह डेयरी सरकारी अनदेखी की वजह से लगातार पिछड़ती गई। हालांकि इसे दोबारा खड़ा करने के लिए सपा सरकार में 160 करोड़ रुपये से नया प्लांट तैयार किया गया। प्लांट चार साल से बनकर तैयार है, लेकिन महज 18 करोड़ रुपये की

वजह से शुरू नहीं हो पा रहा है। ये रुपये दूध की खरीद, मशीनों के रखरखाव और नए स्टाफ के मद में चाहिए। बता दें साकेतनगर में 1962 में पराग डेयरी की स्थापना हुई थी। जल्द ही दूध के अलावा पेड़ा, दही, घी, मक्खन आदि उत्पाद शहरियों की पसंद बन चुके थे। हालांकि सरकार और प्रबंधन की अनदेखी के चलते हालत ऐसी हुई कि 2013 में प्लांट का उत्पादन न के बराबर रह गया। डेयरी को ऑक्सीजन देने के लिए 2016 में सपा सरकार ने नए प्लांट का शिलान्यास किया। करीब साढ़े चार लाख लीटर दूध व पाउडर उत्पादन की क्षमता वाला प्लांट 2020 में बनकर तैयार भी हो गया। हालांकि इससे पहले 2016-17 में आई वॉलंट्री रिटायर स्कीम (वीआरएस) की वजह से कर्मचारियों की संख्या 500 से घटकर 21 रह गई। वर्तमान में दूध का उत्पादन भी महज एक हजार लीटर ही रह गया।

चार करोड़ रुपये की मांग भी बढ़ गई है

इससे पराग की गिरती साख ने न शासन का भरोसा खोया, बल्कि अब इसे चालू करने के लिए चार करोड़ रुपये की मांग भी बढ़ गई है। 2020 में ही इसे चालू कर दिया जाता तो 14 करोड़ रुपये की ही जरूरत होती। प्रबंधन की ओर से एक माह पूर्व आधुनिक मशीनों से लैस नए प्लांट के ट्रॉयल के लिए प्रस्ताव भेजा गया है, इसके लिए कम से कम सात से आठ करोड़ की आवश्यकता है।

अस्पताल व कारागार तक सीमित रह गई बिक्री- पराग दूध की खपत आज मात्र 1000 लीटर रह गई है। वह भी सरकारी संस्थानों, कारागार, अस्पताल व रक्षा प्रतिष्ठानों को ही भेजा जाता है। इसके लिए डेयरी को दूध लखनऊ भेजकर वहां से पैकिंग कराई जा रही है।

प्रदेश में बनेंगे चार नए लिंक एक्सप्रेसवे

दिसंबर से पहले शुरू हो जाएगा गंगा एक्सप्रेसवे

लखनऊ , एजेंसी। योगी सरकार प्रदेश में चार नए लिंक एक्सप्रेसवे बनाएगी। इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को शीघ्र प्रस्ताव उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी ने बेहतर कनेक्टिविटी के लिए एक्सप्रेस-वे को और विस्तार देने की जरूरत पर भी बल दिया है।

मुख्यमंत्री बृहस्पतिवार को निर्माणाधीन एवं नए एक्सप्रेसवे की परियोजनाओं, औद्योगिक कॉरीडोर और डिफेंस कॉरीडोर की प्रगति की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि मेरठ से प्रयागराज को जोड़ने वाले गंगा एक्सप्रेसवे को हर हाल में दिसम्बर तक आम जनता के लिए खोल दें ताकि प्रयागराज कुम्भ-2025 में श्रद्धालु इसका लाभ उठा सकें। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे के निर्माण की प्रगति पर संतोष जताते हुए कहा कि गोरखपुर, संतकबीर नगर, आजमगढ़ और अम्बेडकर नगर के लिए यह शानदार कनेक्टिविटी का माध्यम बनेगा। बुदेलखंड एक्सप्रेस-वे को चित्रकूट से जोड़ने की दिशा में तेज काम के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को निर्माणाधीन एवं नए एक्सप्रेसवे की परियोजनाओं, औद्योगिक कॉरीडोर और डिफेंस कॉरीडोर की प्रगति की समीक्षा की। डिफेंस कारीडोर की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि लखनऊ नोड में ब्रम्होस एयरोस्पेस, एरोलॉय टेक्नोलॉजी, झांसी नोड में भारत डायनमिक्स लिमिटेड, कानपुर नोड में अडानी डिफेंस सिस्टम्स एण्ड टेक्नोलॉजिज, अलीगढ़ में एमिटेक इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और एंकर रिसर्च लैब्स एलएलपी जैसी बड़ी कम्पनियां अपनी इकाई लगा रही हैं। नए प्रस्तावों में कोई भी प्रस्ताव लम्बित न रखा जाए।

वैश्विक निवेशक सम्मेलन के निवेश प्रस्तावों की लगातार समीक्षा और निवेशक को जमीन आवंटन व इंसेंटिव तत्काल देने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बदलती परिस्थितियों के बीच प्राधिकरणों के बाइलॉज को अपडेट करने की आवश्यकता है। नियमों को और अधिक निवेश अनुकूल बनाया जाना चाहिए। नवगठित बुन्देलखण्ड औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीडा) में भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही तेज करने के निर्देश दिए।

गबन : निवर्तमान प्रधान सहित दो सचिव के खिलाफ गबन का मुकदमा दर्ज, 29 लाख की हेराफेरी का मामला

प्रयागराज , एजेंसी। मांडा क्षेत्र के सैबसा व ढेढरा गांव में वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान पंचायत भवन निर्माण के नाम पर करीब 29 लाख 26 हजार रुपये की धनराशि निकाल लेने और निर्माण पूर्ण नही कराने के मामले में निवर्तमान दोनों प्रधान व सचिव के खिलाफ गबन का मुकदमा दर्ज कर लिया गया। डीपीआरओ के निर्देश पर एडीओ पंचायत ने थाने में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया। आरोप है कि मांडा ब्लॉक क्षेत्र के सैबसा गांव में तैनात रहे सचिव बृजेश द्विवेदी और निवर्तमान ग्राम प्रधान कलावती देवी ने पंचायत भवन निर्माण के नाम पर 29 लाख 26 हजार की धनराशि निकाल ली और निर्माण कार्य पूर्ण नही कराया गया। इसी तरह ढेढरा गांव में तैनात रहे ग्राम पंचायत अधिकारी राजीव सक्सेना व पूर्व प्रधान रीता देवी ने भी पंचायत भवन निर्माण के नाम 29 लाख 26 हजार की धनराशि निकाल ली और कार्य पूर्ण नही कराया। मामले में जब जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा जांच कराई गई तो ज्ञात हुआ कि दोनों गांवों में पंचायत भवन का निर्माण नहीं कराया गया है। कई बार नोटिस देने के बाद भी उक्त चार आरोपियों ने कोई जवाब नहीं दिया। आरोपी सचिव ने कोई अभिलेख भी प्रस्तुत नही किया।

भाजपा की चुनावी हार के बाद प्रदेश में हरकत में आया संघ, एकसाथ बदले गए कई वरिष्ठ प्रचारकों के केंद्र

लखनऊ, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मनाए जाने वाले शताब्दी वर्ष में संघ ने अपने पंच परिवर्तन पर आधारित विषयों को लेकर समाज के बीच में उतरने का फैसला किया है। वहीं, शताब्दी वर्ष मनाने से पहले अपने जमीनी प्रचारकों की टीम को मजबूत करने का काम भी शुरू कर दिया है। इसके तहत उप्र में संघ के कई वरिष्ठ प्रचारकों के केंद्र में बदलाव किया गया है। निरालानगर स्थित सरस्वती कुंज में आयोजित संघ की चार दिवसीय बैठक के दूसरे दिन बृहस्पतिवार को सरकार्यवाह दत्रात्रेय होसबाले की मौजूदगी में शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों पर चर्चा हुई। वहीं, वरिष्ठ प्रचारकों के कार्यक्षेत्र में बदलाव भी किए गए। सूत्रों के मुताबिक संघ की ओर से मंडल स्तर तक शाखा विस्तार का लक्ष्य पूरा नहीं होने के मद्देनजर यह बदलाव किया गया है। पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के सह क्षेत्र संपर्क प्रमुख मनोज कुमार का केंद्र अयोध्या से हटाकर गोरखपुर किया गया है। मनोज अवध और काशी प्रांत में भी सह प्रांत प्रचारक रह चुके हैं। इसी तरह अखिल भारतीय सह गो सेवा प्रमुख नवल किशोर का केंद्र प्रकृति भारती मोहनलालगंज लखनऊ में किया गया है। वह अभी गोरखपुर में थे। पूर्वी क्षेत्र के सेवा प्रमुख युद्धवीर को सुल्तानपुर से हटाकर सेवा भारती कार्यालय काशी, मुख्य मार्ग संपर्क प्रमुख राजेन्द्र सक्सेना का केंद्र काशी से लखनऊ और पर्यावरण प्रमुख अजय कुमार का केंद्र काशी किया गया है। पूर्वी क्षेत्र के प्रचारक प्रमुख राजेन्द्र सिंह का केंद्र कानपुर से हटाकर भारती भवन लखनऊ किया गया है। लंबे समय से उनका केंद्र कानपुर था।

- **इन पंच परिवर्तन पर रहेगा खास फोकस-** बैठक में तय किया गया शताब्दी वर्ष में पूरे साल जमीन पर पंच परिवर्तन पर खास फोकस किया जाएगा। संघ के इन पांच आयामों में सामाजिक समरसता, परिवार प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी व नागरिक कर्तव्य शामिल हैं। संघ कार्यकर्ता इन्हीं पांच विषयों को लेकर समाज के बीच जाएंगे और इसके तहत कार्य भी करेंगे।
- **वसुधैव कुटुम्बकम का ध्येय भी रहेगा ध्यान-** शताब्दी वर्ष के लिए तय कार्यक्रमों में वसुधैव कुटुम्बकम पर भी खास ध्यान रखने पर चर्चा हुई है। बैठक में इस बात पर चिंता व्यक्त की गई कि गई समाज में परिवार की व्यवस्था बिखरती जा रही है। बदलते माहौल में संयुक्त परिवार अब एकल परिवार बनते जा रहे हैं, इसलिए सपरिवार सामूहिक भोजन, भजन, उत्सवों और तीर्थाटन का आयोजन, स्वदेशी का आग्रह, पारिवारिक व सामाजिक परंपराओं का संवर्धन व संरक्षण के प्रति लोगों जागरूक करने के कार्यक्रमों पर अधिक फोकस किया जाना चाहिए।

पत्नी की हत्या

प्यार, निकाह और फिर तीन तलाक तक पहुंची बात, विवाद बढ़ा तो बीवी के कर दिए चार टुकड़े

मुजफ्फरनगर , एजेंसी। मुजफ्फरनगर जनपद में श्रद्धा हत्याकांड जैसा मामला सामने आया है। यहां एक शख्स ने अपनी पत्नी की हत्या कर उसके चार टुकड़े किए और फिर उन्हें बारी बारी से ठिकाने लगा रहा था। टुकड़ों में लाश को ठिकाने लगाने के ही दौरान आरोपी पति पकड़ा गया। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। सात माह पहले प्रेम विवाह में खर्चे का विवाद इतना बढ़ गया कि डेयरी संचालक अरबाज ने अपने साथी के साथ मिलकर बीवी चाहत के चाकू से चार टुकड़े कर दिए। सात दिन पहले हत्या के बाद किराए के कमरे में गर्दन और दोनों हाथों के पंजे काटकर फेंक दिए। मृतका का धड़ काली नदी में ठिकाने लगाने के दौरान आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ गया। जबकि उसका दूसरा साथी फरार हो गया। एसपी सिटी सत्यनारायण प्रजापत ने बताया कि 26 जून की रात न्याजूपुरा के पास काली नदी में दो युवक एक बोरे को पानी में बहाने की कोशिश कर रहे थे। दोनों एक बोरे को नदी में फैली जलकुंभी से निकालकर नदी के अंदर बहाने का प्रयास कर रहे थे। इस दौरान मौके पर पहुंची पुलिस ने मौके से अरबाज को पकड़ लिया, जबकि उसका साथी शाहरुख फरार हो गया।

पुलिस ने बोरे को खोल कर देखा तो उसमें गर्दन और दोनों हाथ के पंजे कटा एक महिला का शव मिला। पकड़े गए अरबाज ने पुलिस को बताया कि शव उसकी पत्नी चाहत का है। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि एक सप्ताह पहले अपने साथी के साथ मिलकर बीवी की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी थी। शव को बोरे में भरकर जलकुंभी में फेंका, लेकिन शव पानी नहीं डूब सका। जिसके चलते वह शव को पानी में बहाने आए थे। आरोपी का कहना है कि सात माह पहले ही दोनों ने परिजनों को बिना बताए प्रेम विवाह किया था।

कार्डियोलॉजी में बनेगी 160 बेड की कार्डियक इमरजेंसी

प्रबंधन को 10 करोड़ की पहली किस्त मिली

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में एलपीएस कार्डियोलॉजी इंस्टीट्यूट में हृदय रोगियों के लिए और सुविधाएं बढ़ेंगी। इंस्टीट्यूट में 160 बेड की नई कार्डियक इमरजेंसी बनेगी। इससे इमरजेंसी में बेड की संख्या बढ़ जाएगी। अभी इमरजेंसी और सीसीयू मिलाकर सिर्फ 30 बेड हैं। शासन ने कार्डियक इमरजेंसी के लिए 10 करोड़ की पहली किस्त जारी कर दी है। इसके साथ ही दो सौ बेड के नए कार्डियोलॉजी ब्लॉक हॉस्पिटल को भी मंजूरी मिल गई और इसे कार्ययोजना में शामिल कर लिया गया है।

कार्डियक इमरजेंसी और कार्डियोलॉजी ब्लॉक मिलाकर 360 बेड बढ़ जाएंगे। इस वक्त कार्डियोलॉजी में कुल दो सौ बेड हैं। कार्डियोलॉजी इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रोफेसर राकेश कुमार वर्मा ने बताया कि कार्डियक इमरजेंसी, कार्डियोलॉजी ब्लॉक के बढ़ने पर कुल बेड की संख्या 560 हो जाएगी। इसके साथ ही इंस्टीट्यूट में इमरजेंसी सेवाएं उच्चीकृत हो जाएंगी। उन्होंने बताया कि कार्डियक इमरजेंसी का नाम डेयर केयर इमरजेंसी वार्ड रखा गया है। पहली 10 करोड़ रुपये की किस्त मिल गई है। अब जल्दी ही इसका कार्य शुरू हो जाएगा। कार्डियक इमरजेंसी वार्ड तीन तल का होगा। इसमें एक आईसीयू भी होगा। इसके साथ ही दो कैथ लैब और ऑपरेशन थिएटर होगा। इमरजेंसी में आने वाले रोगी को सारा इलाज यहीं मिल जाएगा। रोगी को कहीं और शिफ्ट करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। प्रोफेसर वर्मा ने बताया कि कार्य की शुरुआत जल्द हो जाएगी, लेकिन पूरा भवन बनकर तैयार होने में दो-ढाई साल का समय लग सकता है।

नए कार्डियोलॉजी ब्लॉक हॉस्पिटल की पांच मंजिल होंगी- कैथ लैब में स्टेंट डालने और दूसरे उपचार हो सकेंगे। प्रोफेसर वर्मा ने बताया कि दो सौ बेड के न्यू कार्डियोलॉजी ब्लॉक को भी मंजूरी मिल गई। इसे महानिदेशालय चिकित्सा शिक्षा की कार्ययोजना में शामिल कर लिया गया है। नए कार्डियोलॉजी ब्लॉक हॉस्पिटल की पांच मंजिल होंगी। दो मंजिलों में प्राइवेट वार्ड होंगे। इसकी एक मंजिल पर सर्जिकल आईसीयू होगा। इसके अलावा दो मंजिलों में जनरल वार्ड होंगे।

हाईब्रिड लैब का नया प्रस्ताव, कैथ लैब की संख्या अब तीन- कार्डियोलॉजी इंस्टीट्यूट प्रबंधन ने हाईब्रिड लैब के लिए नए सिरे से प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा है। नए प्रस्ताव में कैथ लैब की संख्या बढ़ाकर तीन कर दी गई है। पुराने प्रस्ताव में एक कैथ लैब थी। निदेशक प्रोफेसर राकेश वर्मा ने बताया कि हाईब्रिड लैब से इलाज की सुविधाएं और बढ़ जाएंगी। इस लैब के बन जाने से हृदय प्रत्यारोपण की योजना को गति मिलेगी। हृदय प्रत्यारोपण के लिए हाईब्रिड लैब जरूरी होती है।

बालू-मोरम की जगह एम-सैंड को प्रोत्साहित करेगी सरकार

शीघ्र घोषित की जाएगी नीति

लखनऊ , एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नदी रेत और मोरम के स्थान पर %एम-सैंड% (मैन्युफैक्चर्ड सैंड) को प्रोत्साहित करने पर बल दिया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर राज्य सरकार अतिशीघ्र एम-सैंड नीति लागू करने जा रही है, जिससे प्राकृतिक रेत और मोरम के एक नए विकल्प की उपलब्धता होगी। शुक्रवार को खनन विभाग के साथ प्रस्तावित नीति पर विमर्श करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा प्रयास होना चाहिए कि पर्यावरण एवं नदियों के इकोसिस्टम को बिना नुकसान पहुंचाए सस्टनेबल विकास को गति दिया जाए। इस दृष्टि से %एम-सैंड% एक बेहतर माध्यम है। उन्होंने कहा कि नदी तल से प्राप्त होने वाली बालू की सीमित मात्रा और इसकी बढ़ती मांग के दृष्टिगत एम- सैण्ड को नदी तल से प्राप्त होने वाली बालू के विकल्प के रूप में बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इससे रोजगार के भी नए अवसर सृजित होंगे। नई नीति पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि %एम-सैंड% के गुणवत्ता मानकों को बनाये रखना अत्यन्त महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें जीवन और सम्पत्ति की सुरक्षा शामिल है। यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी %एम-सैंड% निर्माता अपने उत्पाद के लिये बीआईएस प्रमाणीकरण अनिवार्य रूप से प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि नोडल विभाग के रूप में खनन विभाग %एम-सैंड% के शीघ्र उत्पादन हेतु राज्य, जिला स्तर पर अनुज्ञप्तिधारकों और हितधारकों से समन्वय स्थापित कराये। आम जनता को %एम-सैंड% सुविधाजनक रूप से उपलब्ध हो सके तथा %एम-सैंड% की कीमत प्राकृतिक मोरम और बालू के सापेक्ष कम हो। इसके लिए प्रयास किया जाना चाहिए। इससे जुड़ी इकाइयों में पर्यावरणीय मानकों का कड़ाई से अनुपालन कराया जाना चाहिए। खनन पट्टा धारकों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए मुख्यमंत्री ने ई-अभिवहन प्रपत्र (ईएमएम-11) जारी करने की व्यवस्था को और सरल बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि प्रपत्र जारी करने की प्रक्रिया जनपद स्तर से ही होनी चाहिए। इसके लिए एक समय सीमा तय होनी चाहिए। निदेशालय से इसकी मॉनीटरिंग की जाए। वर्तमान में खनिज परिवहन से जुड़े वाहनों की ओवरलोडिंग को सफलतापूर्वक रोकने के लिए मुख्यमंत्री ने जनपदों में टास्क फोर्स को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ओवरलोडिंग रोकने के लिए सबसे बेहतर है जीरो पॉइंट, पर कार्रवाई की जाए।

व्हीकल ट्रैकिंग सिस्टम का उपयोग किया जाये

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि उपखनिजों के परिवहन करने वाले वाहनों की रियल टाइम ट्रैकिंग के लिए व्हीकल ट्रैकिंग सिस्टम का उपयोग किया जाये। यह सुनिश्चित किया जाए कि वाहन पर ई-अभिवहन प्रपत्र तब ही निर्गत हो जब वह वाहन खनन क्षेत्र के जियो फेंस एरिया में प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ईंट भट्ठे लगाए जाने के लिए उर्वर भूमि के स्थान पर बंजर भूमि का ही उपयोग किया जाना चाहिए। इसके लिए इस क्षेत्र के उद्यमियों से संवाद करें। उन्हें उर्वर भूमि का उपयोग न करने के लिए जागरूक करें। बरसात के मौसम में बालू/मोरम की कीमतों को नियंत्रित रखने पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने इनके भंडारण व्यवस्था की भी समीक्षा की। मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि वर्ष 2023-24 में जहां 533 भंडारण स्थल थे वहीं इस सत्र में 645 भंडारण स्थल हैं। पिछले वर्ष के सापेक्ष भंडारण की मात्रा में भी वृद्धि हुई है।

कांग्रेस की हालत सुधरी, लेकिन इतिहास रचने से रह गई

संपादकीय

चार महा देशों का तपना

धरती के चार महादेश इतना तप रहे हैं कि लगता है, इस बार गर्मी तमाम कीर्तिमान तोड़ डालेगी। धूप या ताप से होने वाली मौतों को बहुत स्पष्टता से नहीं नापा जा सकता, फिर भी दुनिया में इस साल गर्मी की वजह से हजारों मौतें हुई हैं, इसके अलावा बड़ी संख्या में लोग बीमार पड़े हैं। सऊदी अरब में इतनी ज्यादा गर्मी पड़ रही है कि वहां 900 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है, जिनमें 70 से ज्यादा तो अकेले भारतीय हैं। वहां 51 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच जा रहा पारा हाजियों के लिए काल बन जा रहा है। मिस्र में 530 से ज्यादा लोग मारे गए हैं, तो भारत में 1 मार्च से 18 जून के बीच 40,000 से अधिक हीटस्ट्रोक के मामले आए हैं और 100 से ज्यादा लोग काल के गाल में समा गए हैं। लू से मौत केवल एशिया और अफ्रीका तक सीमित नहीं है, यूरोपीय देशों में भी मौत हो रही है और अमेरिका में भी। यूएस नेशनल ओशनिक ऐंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन के अर्थ ऑब्जर्वेटरी के मुताबिक, भूमध्य सागर के पास के देशों को भी प्रचंड उच्च तापमान का सामना करना पड़ रहा है, पुर्तगाल से ग्रीस और अल्जीरिया तक में जंगलों में आग लगी हुई है। वैज्ञानिक इस बात का एहसास करने लगे हैं कि दुनिया में बड़े पैमाने पर प्रयास करने पड़ेंगे, तभी अत्यधिक ताप से जीवन बचाया जा सकेगा। अपनी ठंड के लिए विख्यात न्यूयॉर्क का तपना तो और भी चिंताजनक है। जिन शहरों को कभी गर्मियों में खुशनुमा माना जाता था, वैसे शहर भारत से लेकर अमेरिका तक, अपनी पहचान खोते दिख रहे हैं। न्यूयॉर्क शहर में अनेक संस्थानों में शीतलन की व्यवस्था करनी पड़ी है, अनेक स्कूलों में बच्चों को दोपहर से पहले ही घर भेज दिया जा रहा है। अनेक अमेरिकी राज्यों में पारा 45 के पार पहुंच जा रहा है। न्यू मैक्सिको में भीषण गर्मी के चलते 23,000 एकड़ से अधिक भूमि जल गई और 500 से ज्यादा घर नष्ट हुए हैं। दुनिया के अनेक देशों में जंगल जल रहे हैं, जिनकी आग केवल भारी बारिश से ही बुझ सकती है। बढ़ता तापमान संकेत है कि दुनिया धीरे-धीरे असहनीय हो रही है। ऐसा क्यों हो रहा है? गर्मी आज बड़ा सवाल है, पर उसका हमारे पास क्या जवाब है? हमें गंभीरता से सोचना होगा? ऐसी गर्मी के लिए नेपाल जैसा देश जिम्मेदार है या अमेरिका जैसा सुपरपावर? जलवायु परिवर्तन का मुद्दा जब छिड़ता है।

(उमेश चतुर्वेदी)

पांच साल पहले के आम चुनावों की तुलना में 2024 में कांग्रेस को 99 सीटें मिली हैं। दिलचस्प यह है कि इनमें पिछली बार जीती गईं, 13 सीटें शामिल नहीं हैं। क्योंकि तेरह सीटें कांग्रेस हार चुकी है। फिर भी पार्टी ऐसे उछल रही है, मानो उसने तीन सौ सीटें जीत ली हो। सोलहवीं और सत्रहवीं लोकसभा के चुनाव नतीजों की तुलना में देखें तो अठारहवीं लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की 99 सीटों पर जीत बड़ी कही जा सकती है। इस पर कांग्रेस नेताओं का इतराना स्वाभाविक भी है। स्वाधीनता आंदोलन की प्रतिनिधि माने जाते रहे राजनीतिक दल का शीर्ष नेतृत्व इस तरह खुश हो रहा है, मानो उसने बड़ा तमगा हासिल कर लिया हो। लेकिन क्या यह कामयाबी इतनी बड़ी है कि पार्टी को इसकी खुशी में झूमना चाहिए? देश पर सबसे ज्यादा और तकरीबन सभी राज्यों में सबसे अधिक वक्त तक जिस पार्टी की सरकार रही हो, क्या उसके लिए यह जीत बड़ी मानी जा सकती है? 1885 में एओ ह्यूम ने कांग्रेस की स्थापना यह सोचकर नहीं की थी कि आने वाले दिनों में वह उनकी ही नस्ल के शासन के खिलाफ उठ खड़ी होगी, बल्कि भारतीय आजादी की मांग के साथ हुंकार भरने लगेगी। ह्यूम ने यह भी शायद ही सोचा होगा कि अंग्रेजी सरकार के खिलाफ भारतीयों के गुस्से के तार्किक इजहार के लक्ष्य से स्थापित कांग्रेस उन्हीं की प्रतिनिधि पार्टी बन जाएगी। पहले तिलक और बाद में गांधी का स्पर्श पाकर कांग्रेस ने जैसे अपना चोला बदल लिया। इसका फल उसे आजादी के बाद मिला और तीस सालों तक लगातार वह शासन में रही। उसे पहली बार 1977 में झटका लगा। लेकिन वह जल्द ही वापसी करने में कामयाब रही। ऐसे ही अल्पकालिक झटके उसे, 1989 और 1996 में भी लगे। 1998 में लगे झटके के ठीक अगले साल वह वापसी करती दिखी, लेकिन उसी साल हुए चुनावों के बाद पांच साल के लिए बाहर हो गई। कांग्रेस के इतिहास में यह पहला मौका रहा, जब उसे लगातार पांच साल के लिए सत्ता से बाहर रहना पड़ा। 2004 में अल्पमत से ही सही उसने वापसी की और दस साल तक गठबंधन

> *तकरीबन समूचे विपक्ष का रवैया भी ऐसा ही रहा। विपक्ष की चुनावी रणनीति और अभियान देखकर ऐसा लगता रहा कि विपक्ष मोदी को हराने नहीं, उनकी ताकत घटाने की लड़ाई लड़ रहा है। सबकी कोशिश यही लग रही थी कि किसी भी तरह से बीजेपी को बहुमत के आंकड़े तक पहुंचने से रोका जाए। कहना न होगा कि विपक्ष अपने इस उद्देश्य में सफल रहा। अगर कांग्रेस का चुनावी लक्ष्य यही था तो उसका खुश होना स्वाभाविक है।*

का सरकार चलाया। लेकिन 2014 के चुनावों में उसकी ऐतिहासिक हार हुई और वह महज 44 सीटों पर सिमट गई। देश पर सबसे ज्यादा वक्त शासन करने वाली पार्टी को नेता प्रतिपक्ष तक का पद नहीं मिला और यही स्थिति 2019 में भी रही, बेशक आठ सीटें बढ़ गईं। दिलचस्प यह है कि गांधी-नेहरू परिवार के चश्म-ए-चिराग के हाथों में पूरी कमान थी। इससे पार्टी में निराशा फैलना स्वाभाविक था, जिसे कांग्रेस अध्यक्ष पद से राहुल गांधी के इस्तीफे से चरम अभिव्यक्ति मिली। पांच साल पहले के आम चुनावों की तुलना में 2024 में कांग्रेस को 99 सीटें मिली हैं। दिलचस्प यह है कि इनमें पिछली बार जीती गईं, 13 सीटें शामिल नहीं हैं। क्योंकि तेरह सीटें कांग्रेस हार चुकी है। फिर भी पार्टी ऐसे उछल रही है, मानो उसने तीन सौ सीटें जीत ली हो। पार्टी कुछ वैसे ही खुश नजर आ रही है, जैसे चार दशक पहले के चुनाव में मिली जीत से प्रसन्न थी। इंदिरा की हत्या की पृष्ठभूमि में हुए 1984 के आम चुनावों में पार्टी को 415 सीटें मिली थीं। 99 सीटों की जीत वाली यह उस कांग्रेस की खुशी है, जिसे आपातकाल के गुस्से के बावजूद 1977 40 प्रतिशत से कुछ ज्यादा वोट और 189 सीटें मिली थीं। जबकि 2024 के चुनावों की तुलना 1977 से हो भी नहीं सकती। कांग्रेस के ही आला नेता राजीव गांधी ने देश को इक्कीसवीं सदी में तरक्की के साथ आगे बढ़ाने का संदेश दिया था। इक्कीसवीं सदी में कूटनीतिक, आर्थिक और सामरिक मोर्चे पर देश काफी आगे बढ़ गया है। लेकिन कांग्रेस सौ सीटों का भी आंकड़ा नहीं छू पाई और उछल रही है। कांग्रेस से जुड़े आंकड़ों पर गौर करें तो पता चलेगा कि बुरे से बुरे दिनों में भी पार्टी सौ से ज्यादा संसदीय सीटें कब्जाती रही। 1996, 1998, 1999 और 2004 के चुनाव ऐसे रहे, जिनमें कांग्रेस दो सौ का आंकड़ा नहीं छू पाई, लेकिन सौ से नीचे भी नहीं गई। 1996 में 140 और 1998 में 141 सीटों पर ही सिमट गया था। पार्टी 1999 और 2004 के आम चुनावों में भी दो सौ की सीट संख्या को पार नहीं कर पाई। उसे क्रमशः 114 और 145 सीटें मिलीं। यह बात और है कि 2004 में बीजेपी उससे छह सीटें कम जीत सकी, इसलिए पार्टी को सरकार बनाने का मौका मिल गया। लेकिन अगले आम चुनाव में पार्टी ने ठीकठाक उछाल मारा और 206 सीटों पर पहुंच गई। तब से तीन चुनाव हो चुके हैं और वह सौ का आंकड़ा तक नहीं छू पाई है। चुनावी अभियान में जुबानी जंग होती रही है। लेकिन चुनाव बीतते ही उसे भुला दिया जाता है। लेकिन कांग्रेस की अकड़ देखिए। पार्टी अपने से करीब ढाई गुनी ज्यादा सीट जीतने वाली बीजेपी को नैतिक रूप से हारी हुई पार्टी बता रही है। जयराम रमेश कह चुके हैं कि पार्टी नैतिक और राजनीतिक रूप से चुनाव हार चुकी है। पार्टी की जुबानी खराश चुनाव बाद भी दूर होती नजर नहीं आ रही। नई सरकारें बनने के बाद विपक्ष की ओर से भी औपचारिक शुभकामना संदेश देने का चलन रहा है। लेकिन कांग्रेस की ओर से शुभकामनाएं तक नहीं भेजी गई हैं। विपक्षी दलों की ओर से शपथ समारोह में शामिल होने की परंपरा रही है। लेकिन कांग्रेस का आला नेतृत्व इससे दूर रहा। इससे संदेश यह गया कि पार्टी नेतृत्व अकड़ में है। सोशल मीडिया के दौर ने सामाजिक परिदृश्य को दो हिस्सों में साफ बांट दिया है। तटस्थता की अवधारणा कमजोर हुई है। सोशल मीडिया मंच पर वही सफल है, जो या तो पक्ष में है या विपक्ष में। दोनों पक्ष अपने-अपने तरीके से अपने लिए तर्क और कुतर्क गढ़ते रहते हैं। उनके समर्थकों को इससे लेना-देना नहीं कि तर्क है या कुतर्क है। इसी तरह राजनीति भी साफ खांचे में बंट गई है। राजनीति भी कुतर्क को तर्क के मुलम्मे में लपेटकर अपने उन्मादी समर्थकों को और ज्यादा उन्मादी बना रही है। कांग्रेस की ओर से सत्ता पक्ष के लिए कड़वापन इसी प्रवृत्ति का विस्तार लगता है। यह बात और है कि लोकतंत्र में उन्मादी वैचारिकता और सोच की कोई जगह नहीं होती। कांग्रेस के पूरे चुनाव अभियान में भाषायी स्तर नीचे उतरता ही दिखा। प्रधानमंत्री मोदी ने मंगल सूत्र और सांप्रदायिकता की बात की तो उसकी खूब आलोचना हुई। मीडिया के एक हिस्से और विपक्ष ने उस पर खूब सवाल उठाया। लेकिन उसी दौरान राहुल गांधी की भाषा मर्यादा के दायरे से लगातार बाहर जाती दिखी। लेकिन उस पर सवाल नहीं उठा। तब राहुल कहा करते थे कि लिख कर रख लो, मोदी इस बार गया। राहुल यह भी कहते थे कि बीजेपी 180 से आगे नहीं बढ़ेगी।

आरपार के मूड में विपक्ष, स्पीकर ही नहीं डेप्युटी पर भी है रस्साकशी

हालात इतने असहज नहीं होते अगर एनडीए सरकार ने अपने पिछले कार्यकाल में विपक्ष के किसी सांसद को डेप्युटी स्पीकर बनाने पर सहमति दे दी होती। 17वीं लोकसभा देश की पहली और अकेली लोकसभा थी, जिसमें कोई डेप्युटी स्पीकर नहीं रहा। 2019 के चुनावी नतीजों से विपक्ष इतना हताश था कि भाजपा के सांसद, ओम बिरला बिना किसी शोर-शराबे के आसानी से लोकसभा स्पीकर चुन लिए गए। मगर डेप्युटी स्पीकर का पद खाली रहा। इस बार हालात और विपक्ष के तेवर बदले हुए हैं। उसने शर्त रख दी है कि अगर सरकार किसी विपक्षी नेता को डेप्युटी स्पीकर बनाने पर सहमत नहीं होती है तो विपक्ष लोकसभा स्पीकर पद के लिए चुनाव लड़ सकता है। यह स्थिति सरकार के लिए असहज होगी क्योंकि अगर विपक्ष ने लोकसभा स्पीकर पद के लिए अपना कोई उम्मीदवार मैदान में उतारा तो यह आजाद भारत के संसदीय इतिहास में अनोखी और दुर्लभ घटना होगी। यहां स्पीकर का चयन आम सहमति से होता रहा है। भारत में लोकतांत्रिक संसदीय प्रणाली वेस्टमिंस्टर मॉडल पर चलती है। इस प्रणाली में लोकसभा स्पीकर को सबसे महत्वपूर्ण दर्जा दिया गया है। सदन में स्पीकर के पास अभूतपूर्व अधिकार हैं। वह संसद का मुखिया होता है। सभी संसदीय मामलों में उसका फैसला आखिरी होता है। देश में संवैधानिक पदों की प्रोटोकॉल लिस्ट में स्पीकर को भारत के मुख्य न्यायाधीश के साथ यानी छठे रैंक पर रखा गया है। स्पीकर चुनने के लिए सदन का साधारण बहुमत काफी है। इसलिए किसी सरकार को पसंद का स्पीकर चुनने में कोई मुश्किल नहीं होती। लेकिन संसद के सुचारू संचालन के लिहाज से यह बात अच्छी मानी जाती है कि स्पीकर को पक्ष और विपक्ष दोनों का विश्वास हासिल रहे। यही वजह है कि भारत में सत्तारूढ़ और विपक्षी पार्टियां, इस मसले पर टकराव के बजाय मेलजोल से रास्ता निकालना बेहतर समझती रही हैं।

आपातकाल-आज भी डराती है वो काली रात

(सुरेश हिंदुस्तानी)

वैसे देखा जाए तो कांग्रेस शासन का यही चरित्र रहा है कि उनके खिलाफ उठने वाली आवाज को किसी भी प्रकार से शांत किया जाए। आज भी कांग्रेस ठीक इसी पद्धति से काम करती हुई दिखाई दे रही है। कांग्रेस में लोकतांत्रिक सिद्धांतों की बलि दी जाती रही है। सत्ता की ताकत का दुरुपयोग कैसे किया जाता है, इसका उदाहरण कांग्रेस सरकार द्वारा 1975 में देश पर तानाशाही पूर्वक लगाया गया आपातकाल है। जिसमें अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार ही समाप्त कर दिया था। इंदिरा शासन द्वारा देश पर थोपे गए आपातकाल में सरकार के विरोध में आवाज उठाने को पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया था। यहां तक कि सरकार ने विपक्ष की राजनीति करने वालों के साथ ही उन समाजसेवियों और राष्ट्रीय विचार के प्रति समर्पित उन संस्थाओं के व्यक्तियों को जेल में ठूंस दिया था, जो सरकार की कमियों के विरोध में लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठा रहे थे। सरकार के इस कदम को पूरी तरह से अलोकतांत्रिक कहा जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। इंदिरा गांधी की सरकार ने अपनी सरकार के खिलाफ उठने वाली हर उस आवाज को दबाने का प्रयास किया, जो लोकतांत्रिक रूप से भी सही थी। वैसे देखा जाए तो कांग्रेस शासन का यही चरित्र रहा है कि उनके खिलाफ उठने वाली आवाज को किसी भी प्रकार से शांत किया जाए। आज भी कांग्रेस ठीक इसी पद्धति से काम करती हुई दिखाई दे रही है। कांग्रेस में लोकतांत्रिक सिद्धांतों की बलि दी जाती रही है। वर्तमान में कांग्रेस पार्टी ने कई बार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर राष्ट्र विरोधी ताकतों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन देने काम किया है, लेकिन जो कांग्रेस आज अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की वकालत कर रही है, उसने ही 25 और 26 जून 1975 की रात को आपातकाल लगाने के बाद अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का पूरी तरह गला घोंट दिया था। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर किस प्रकार कुठाराघात किया जाता है, इस तथ्य को जानने के लिए कांग्रेस के नेताओं को आपातकाल के काले अध्याय का अध्ययन करना चाहिए। आपातकाल के नाम पर कांग्रेस ने अंग्रेजों से भी भयंकर यातनाएं देते हुए देश भक्तों पर कहर बरपाया। जिसके स्मरण मात्र से दिल में सिरहन दौड़ जाती है। जिन लोगों ने इस काली रात का साक्षात्कार किया, उनके अनुभव सुनने मात्र से ही लगता है कि इन्होंने आपातकाल को किस कदर भोगा होगा। आपातकाल लगाने के पीछे के कारणों पर दृष्टिपात किया जाए तो यही तथ्य सामने आते हैं कि उस समय की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पूरी तरह से तानाशाह शासक की भूमिका में दिखाई दीं। उन्होंने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश को ठेंगा बताते हुए अपना प्रभुत्व स्थापित करने का प्रयास किया, यह प्रकार से सत्ता का दुरुपयोग ही था। वह निर्णय क्या था? इसकी जड़ में 1971 में हुए लोकसभा चुनाव था, जिसमें उन्होंने अपने मुख्य प्रतिद्वंद्वी राजनारायण को पराजित किया था, लेकिन चुनाव परिणाम आने के चार साल बाद राज नारायण ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में चुनाव परिणाम को चुनौती दी। 12 जून 1975 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जगमोहन लाल सिन्हा ने इंदिरा गांधी का चुनाव निरस्त कर उन पर छह साल तक चुनाव न लड़ने का प्रतिबंध लगा दिया और उनके मुकाबले हारे और श्रीमती गांधी के चिर प्रतिद्वंद्वी राजनारायण सिंह को चुनाव में विजयी घोषित कर दिया था। राजनारायण सिंह की दलील थी कि इंदिरा गांधी ने चुनाव में सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किया, तय सीमा से अधिक पैसा खर्च किया और मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए गलत तरीकों का इस्तेमाल किया। न्यायालय ने इन आरोपों को सही ठहराया था। इसके बावजूद श्रीमती गांधी ने प्रधानमंत्री पद से त्यागपत्र देने से इनकार कर दिया और देश में आपातकाल घोषित कर दिया। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के निर्णय के साथ ही गुजरात में चिमनभाई पटेल के विरुद्ध विपक्षी जनता मोर्चे को भारी विजय मिली। इस दोहरी चोट से इंदिरा गांधी बौखला गई।

सुडोकू पहेली — क्रमांक-5415

2	9			7	4			
	1					4		
6	7		9		5			
	8		2		6			
	6		8	4	7		2	
			5		1		8	
			7		8		9	2
		6					1	
			4	1			5	8

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5414

1	8	5	7	4	9	2	3	6
7	9	4	2	6	3	8	5	1
3	6	2	8	1	5	7	4	9
9	4	7	1	3	8	5	6	2
5	2	1	9	7	6	3	8	4
8	3	6	5	2	4	1	9	7
6	1	3	4	5	2	9	7	8
2	5	8	6	9	7	4	1	3
4	7	9	3	8	1	6	2	5

आज का राशिफल

मेष
आज काफी व्यस्त रहेंगे। आपको अधिक भागदौड़ करनी पड़ सकती है, सावधानी बरतें। पैर में चोट लग सकती है। आपकी निर्णय लेने की क्षमताओं का आपको आज लाभ मिल सकता है। आज आपको रुके हुए कार्य में सफलमा प्राप्त होगी। किसी मामले में आपको निवेश करना हो तो तो दिल खोलकर करें। आगे चलकर आपको लाभ होगा और आपका मन काफी प्रसन्न रहेगा।

वृष
आज का दिन काफी भाग्यशाली रहेगा और आज आप जो भी काम करना चाहेंगे वह आराम से पूरा होगा। यदि आप काम को आगे बढ़ाने के लिए किसी बैंक से लोन लेने के बारे में सोच रहे हैं तो आपको सफलता मिलेगी और लाभ भी होगा। आपको शासन द्वारा सम्मानित किए जाने से मन प्रसन्न होगा। पुराने मित्रों का सहयोग मिलेगा और नए मित्र आपका साथ देंगे।

कर्क
आज जो भी कार्य करेंगे उसमें आपको लाभ होगा। सीमित और आवश्यकतानुसार व्यय करें तो कुछ पैसे बचा पाएंगे। सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी और नौकर चाकरों का सुख पूर्ण रूप से मिलेगा। शाम से लेकर रात तक आपको किसी यात्रा पर जाने का सुख मिलेगा और परिवार के साथ समय अच्छा बीतेगा।

सिंह
आज किसी पुराने विवाद का हल निकल आएगा। खुशमिजाज व्यक्तित्व होने के कारण आपको ऑफिस में सभी लोगों का सहयोग मिलेगा। सामाजिक सम्मान मिलने से आपका मनोबल बढ़ा रहेगा। रात्रि में प्रियजनों व परिजनों से हास्य विनोद रहेगा। आपको कारोबार में अच्छा मुनाफा होने से आपका उत्साह बढ़ेगा और धन सम्मान में वृद्धि होने से मन प्रसन्न रहेगा।

मिथुन
आज का दिन मिश्रित फलकारक है। आपका दिन शांति और सुख में बीतेगा। माता-पिता के सहयोग और आशीर्वाद से राहत मिलेगी। ससुराल पक्ष से किसी मामले में विवाद होने की वजह से थोड़ी सी नाराजगी बढ़ सकती है। मधुर वाणी का प्रयोग करें और किसी कारण से आपके संबंधों में कड़वाहट आ सकती है।

कन्या
आज आपको हर कार्य में सफलता प्राप्त होगी। आपको बहुमूल्य वस्तुओं की प्राप्ति के साथ ऐसे अनावश्यक खर्चे भी सामने आ सकते हैं जो कि आपको न चाहते हुए भी मजबूरी में करने पड़ेंगे। ससुराल पक्ष से मान सम्मान मिलेगा और आपको कारोबार में लाभ होगा।

तुला
आज हर मामले में सावधान रहने की सलाह है। आज आप फिजूल के खर्चे से बचें तो दिन अच्छी बीतेगा। यदि आप किसी शारीरिक रोग से पीड़ित हैं तो आज आपके कष्ट में वृद्धि हो सकती है। सामाजिक क्रिया कलाप में परेशानी और बाधा आ सकती है। अकस्मात् लाभ होने से आपका मन काफी प्रसन्न रहेगा और धर्म, आध्यात्म के प्रति आपका झुकाव बढ़ेगा। संतान पक्ष से हर्षवर्धक समाचार मिलेगा।

वृश्चिक
आज लाभ का दिन है और आपके सम्मान में वृद्धि होगी। आप अपने कठिन कार्यों को सम्पन्न करने में सक्षम रहेंगे। आपको अपने माता-पिता से हर प्रकार का सहयोग प्राप्त होगा। व्यर्थ व्यय का योग भी है। आप मन से लोगों का भला सोचेंगे, किन्तु लोग इसको आपकी मजबूरी या स्वार्थ ही समझेंगे। व्यापार में धन लाभ होगा और आपके धन में वृद्धि होगी।

मकर
आज मन काफी परेशान रहेगा और आपको परेशानी हो सकती है। व्यापार में वृद्धि के लिए किए गए प्रयास निष्फल हो सकते हैं। शाम तक आपको कारोबार में लाभ होगा और सफलता प्राप्त होगी। अपने धैर्य तथा प्रतिभा से शत्रु पक्ष पर विजय प्राप्त करने में सफल रहेंगे। यदि कोई विवाद लंबित है तो आपको उसमें सफलता मिल सकती है। प्रयास करने से आपको लाभ होगा।

कुंभ
आज दिन भाग्यशाली है और आज आपके आज अंदर विद्या, बुद्धि और ज्ञान की वृद्धि होगी। आपके अन्दर दान पुण्य और परोपकार की भावना विकसित होगी। आप आज दूसरों की आर्थिक मदद कर सकते हैं। भाग्य की ओर से भी आपको पूर्ण सहयोग मिलेगा, आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होगी। शाम से लेकर रात तक आपका मन प्रसन्न होगा। बाहर का खाने से बचें। पेट का विकार होने की आशंका है। सावधान रहें तथा खानपान पर संयम बरतें।

धनु
आज कारोबार के लिए दिन उत्तम रहेगा। आपको परिश्रम का फल अच्छा मिलेगा। संतान के प्रति आपका विश्वास और अधिक मजबूत होगा और आपको ननिहाल पक्ष के लोगों से लाभ होगा। आप अपनी शान शौकत के लिए धन खर्च करेंगे जिससे आपके शत्रु परेशान होंगे। माता-पिता का विशेष ध्यान रखें तो आपको आशीर्वाद मिलेगा।

मीन
आज दिन सफलता से भरा होगा और आपको शुभ लाभ होगा। आपके अधिकार और संपत्ति में वृद्धि होगी। आप आज दूसरों के लिए अच्छा सोचेंगे और उनकी मदद भी करेंगे। आय भाव में वृद्धि होगी और आपको सफलता प्राप्त होगी। अपने गुरु के प्रति पूर्ण भक्ति भाव और निष्ठा रखें। आज नये कार्यों में इनवेस्ट करना पड़े तो शुभ रहेगा।

वर्ग पहेली 5415

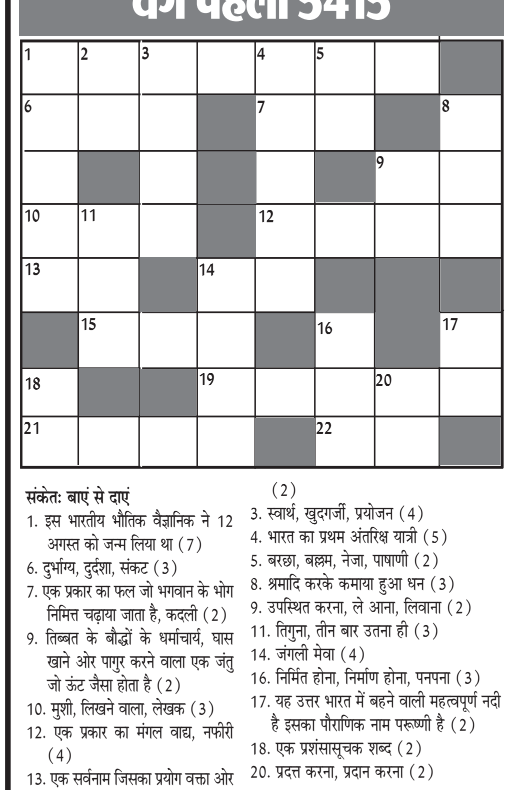

संकेतः बाएं से दाएं

1. इस भारतीय भौतिक वैज्ञानिक ने 12 अगस्त को जन्म लिया था (7)
6. दुर्भाग्य, दुर्दशा, संकट (3)
7. एक प्रकार का फल जो भगवान के भोग निमित्त चढ़ाया जाता है, कदली (2)
9. तिब्बत के बौद्धों के धर्माचार्य, घास खाने ओर पागुर करने वाला एक जंतु जो ऊंट जैसा होता है (2)
10. मुशी, लिखने वाला, लेखक (3)
12. एक प्रकार का मंगल वाद्य, नफीरी (4)
13. एक सर्वनाम जिसका प्रयोग वक्ता ओर श्रोता के अतिरिक्त निकटवर्ती सभी संज्ञाओं या बातों के लिए होता है (2)
14. इस देश को म्यांमार कहा जाता है (2)
15. राजा के लिए प्रयुक्त शब्द (3)
19. यह एक दिवंगत पूर्व में दस्यु रह चुकी थीं (5)
21. उथल-पुथल, भागदौड़, संचलन (4)
22. विविध, एक रिश्ता, मातामह (2)

ऊपर से नीचे

1. महाकाय, भीम, गजकाय (5)
2. तारतम्य, रूटीन, विन्यास, करीना (2)
3. स्वार्थ, खुदगर्जी, प्रयोजन (4)
4. भारत का प्रथम अंतरिक्ष यात्री (5)
5. बरछा, बल्लम, नेजा, पाषाणी (2)
8. श्रमादि करके कमाया हुआ धन (3)
9. उपस्थित करना, ले आना, लिवाना (2)
11. तिगुना, तीन बार उतना ही (3)
14. जंगली मेवा (4)
16. निर्मित होना, निर्माण होना, पनपना (3)
17. यह उत्तर भारत में बहने वाली महत्वपूर्ण नदी है इसका पौराणिक नाम परूष्णी है (2)
18. एक प्रशंसासूचक शब्द (2)
20. प्रदत्त करना, प्रदान करना (2)

वर्ग पहेली 5414 का हल

खु	दी	रा	म	बो	स		रा
द	म	न	शी	ल		व्यो	म
	क		न	चा	ना		च
ता		ब	ग	ल		वा	रि
क	न्या	दा	न		आ	द	त
त	य			मा	शा		मा
	क	मा	ल		ती	ज	न
क	र्ता		ब	हु	त		स

रोगमुक्त करती हैं मां शीतला

वर्ष 2024 में शीतला अष्टमी का पर्व 29 जून, शनिवार को मनाया जा रहा है। आपाढ़ कृष्ण अष्टमी के दिन मनाया जाने वाला यह पर्व माता शीतला को समर्पित है। शास्त्रीय मान्यता के अनुसार चैत्र, वैशाख, जेष्ठ और आषाढ़ महीने के कृष्ण पक्ष की अष्टमी को शीतला अष्टमी पूजन करने का प्रावधान है। इन चारों महीने के चार दिन का व्रत करने से शीतला जनित बीमारियों से छुटकारा मिलता है। इस पूजन में शीतल जल और बासी भोजन का भोग लगाने का विधान है। शीतला अष्टमी के दिन श्रद्धालु व्रत रखकर माता की भक्ति करके अपने परिवार की रक्षा करने के लिए माता से प्रार्थना करते हैं।

पूजा विधि

- शीतला अष्टमी के दिन अलसुबह जल्दी उठकर माता शीतला का ध्यान करें।
- इस दिन व्रती को प्रातः कर्मों से निवृत्त होकर स्वच्छ व शीतल जल से स्नान करना चाहिए।
- स्नान के पश्चात निम्न मंत्र से संकल्प लेना चाहिए–
  मम गेहे शीतलारोगजनितोपद्रव प्रशमन पूर्वकायुरारोग्यैश्वर्याभिवृद्धिये शीतलाष्टमी व्रतं करिष्ये
- संकल्प के पश्चात विधि–विधान तथा सुगंधयुक्त गंध व पुष्प आदि से माता शीतला का पूजन करें।
- इस दिन महिलाएं मीठे चावल, हल्दी, चने की दाल और लोटे में पानी लेकर पूजा करती हैं।
- पूजन का मंत्र– हृं श्रीं शीतलायै नमः का निरंतर उच्चारण करें।
- माता शीतला को जल अर्पित करें और उसकी कुछ बूंदे अपने ऊपर भी डालें।
- इसके पश्चात ठंडे भोजन का भोग मां शीतला को अर्पित करें।
- तत्पश्चात शीतला स्तोत्र का पाठ करें और कथा सुनें।
- रोगों को दूर करने वाली मां शीतला का वास वट वृक्ष में माना जाता है, अतः इस दिन वट पूजन भी भी करना चाहिए।
- शीतला माता की कथा पढ़ें तथा मंत्र– ऊँ ह्रीं श्रीं शीतलायै नमः का जाप करें।
- जो जल चढ़ाएं और चढ़ाने के बाद जो जल बहता है, उसमें से थोड़ा जल लोटे में डाल लें। यह जल पवित्र होता है। इसे घर के सभी सदस्य आंखों पर लगाएं।
- पूजन के पश्चात थोड़ा जल घर लाकर हर हिस्से में छिड़कने से घर की शुद्धि होती है।
- शीतला सप्तमी या अष्टमी व्रत का पालन जिस घर में किया जाता है, वहां सुख, शांति हमेशा बनी रहती है तथा रोगों से निजात भी मिलती है।

क्यों रखा जाता है योगिनी एकादशी का व्रत

योगिनी एकादशी व्रत आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष में रखा जाता है। इस दिन व्रत और भगवान विष्णु की पूजा करने से घर में सुख, समृद्धि और समृद्धि आती है। योगिनी एकदशी निर्जला एकदशी के बाद और देवशयनी एकदशी से पहले की जाती है।

पूरे साल में 24 एकादशी और अधिकमास होने पर 26 एकादशी व्रत रखे जाते हैं। एकादशी व्रत और आषाढ़ का महीना दोनों भगवान विष्णु को अतिप्रिय है। इसीलिए आषाढ़ माह की एकादशी का विशेष महत्व हो जाता है। योगिनी एकादशी व्रत आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष में रखा जाता है। इस दिन व्रत और भगवान विष्णु की पूजा करने से घर में सुख, समृद्धि और समृद्धि आती है। योगिनी एकदशी निर्जला एकदशी के बाद और देवशयनी एकदशी से पहले की जाती है। तो आइए जानते हैं कि इस साल योगिनी एकादशी का व्रत किस दिन रखा जाएगा और पूजा और पारण का शुभ समय कब होगा।

व्रत तिथि, शुभ समय और पारण समय

हिंदू पंचांग के अनुसार, आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 1 जुलाई को प्रातः 10.26 बजे से आरंभ हो रही है और एकादशी तिथि 2 जुलाई को सुबह 8 बजकर 34 मिनट पर समाप्त हो रही है। उदयातिथि के अनुसार योगिनी एकादशी व्रत 2 जुलाई 2024 को रखा जाएगा। वहीं, योगिनी एकादशी व्रत का पारण 3 जुलाई को सुबह 5.28 बजे से सुबह 7.10 बजे तक किया जाएगा। द्वादशी तिथि 3 जुलाई को सुबह 7 बजकर 10 मिनट पर समाप्त होगी।

2 शुभ योग में रखा जाएगा योगिनी एकादशी व्रत

योगिनी एकादशी का व्रत 2 शुभ योग में पड़ रहा है। योगिनी एकादशी के दिन त्रिपुष्कर योग और सर्वार्थ सिद्धि योग का निर्माण हो रहा है। सर्वार्थ सिद्धि योग 2 जुलाई को प्रातः 5.27 बजे से अगले दिन 3 जुलाई को सुबह 4.40 बजे तक रहेगा। वहीं त्रिपुष्कर योग 2 जुलाई को सुबह 8.42 से 3 जुलाई को 4.40 तक मान्य है।
ज्योतिष मान्यता के अनुसार सर्वार्थ सिद्धि योग में किया गया कोई भी कार्य सफल होता है। इसके साथ ही त्रिपुष्कर योग में पूजा–पाठ, दान, यज्ञ या कोई और शुभ कार्य करने से उसका तीन गुना फल मिलता है। त्रिपुष्कर योग में योगिनी एकादशी व्रत की पूजा करना बेहद फलदायी रहेगा।

योगिनी एकादशी की पूजा विधि

- योगिनी एकादशी के दिन सुबह उठकर स्नान पश्चात स्वच्छ वस्त्र धारण करें।
- श्री हरि विष्णु को पीला रंग प्रिय होता है, इसीलिए इस दिन पीला रंग धारण करें।
- भगवान विष्णु की पूजा करने के लिए चौकी सजाएं और विष्णु भगवान की प्रतिमा रखें।
- इसके अतिरिक्त, भगवान विष्णु पर पीले फूलों की माला अर्पित की जाती है।
- भगवान विष्णु को तिलक लगाएं।
- पूजा सामग्री में तुलसी दल, फल, मिठाइयां और फूल आदि सम्मिलित किए जाते हैं।
- इस दिन योगिनी एकादशी की कथा सुनें और अगले दिन व्रत का पारण करें।

आषाढ़ माह में इन वस्तुओं का करना चाहिए दान, प्राप्त होगी भगवान विष्णु की कृपा

आषाढ़ माह भगवान विष्णु को समर्पित है। यही वह माह है, जब भगवान विष्णु चार माह के लिए योग निद्रा में चले जाते हैं। इस दौरान कोई मांगलिक कार्य नहीं होते, लेकिन दान-पुण्य करना शुभ माना गया है।

हिंदू धर्म में प्रत्येक माह का विशेष महत्व है। इसी कड़ी में आषाढ़ माह भी धार्मिक दृष्टिकोण से शुभ फलदायी माना गया है। यह माह भगवान विष्णु को समर्पित है। मान्यता है कि आषाढ़ माह में भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा करने से उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है, साथ ही आर्थिक समस्याओं से छुटकारा भी मिलता है। इसके साथ ही इस माह में दान का भी विशेष महत्व है, जिससे परिवार में सुख–समृद्धि आती है। आपको यहां बताते हैं, आषाढ़ माह में किन वस्तुओं का दान करना चाहिए।
आषाढ़ माह में वस्त्र का दान करना शुभ माना गया है। मान्यता है कि वस्त्रों के दान से पुण्य फल में वृद्धि होती है और दरिद्रता का नाश होता है। हालांकि वस्त्र दान करते समय इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि ये कहीं से कटे–फटे न हों। आषाढ़ मास में अन्न का दान करने से यश की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि अन्न दान से व्यक्ति के घर में अन्न का भंडार भरा रहता है और पैसों की भी कमी नहीं होती। साथ ही भगवान विष्णु का आशीर्वाद भी मिलता है।

काले तिल

आषाढ़ माह में काले तिल के दान से पितरों का आशीर्वाद मिलता है। साथ ही सभी मनोकामना भी पूर्ण होती है।

समस्त पापों का नाश करती है योगिनी एकादशी

आषाढ़ मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी को योगिनी एकादशी कहा जाता है. इस दिन भगवान विष्णु की पूजा–आराधना की जाती है. माना जाता है कि इस एकादशी का व्रत करने से समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं. इस बार योगिनी एकादशी का व्रत 2 जुलाई, मंगलवार के दिन रखा जाएगा. इस व्रत को करने से किसी के दिये हुए श्राप का निवारण भी हो जाता है. योगिनी एकादशी का व्रत करने से सुंदर रुप, गुण और यश का वरदान मिलता है. जानते हैं कि यह एकादशी क्यों मनाई जाती है.

योगिनी एकादशी का पौराणिक महत्व

योगिनी एकादशी का व्रत तीनों लोकों में प्रसिद्ध है. माना जाता है कि इस व्रत को करने से जीवन में समृद्धि और आनन्द की प्राप्ति होती है. इस एकादशी का व्रत करने से 88 हजार ब्राह्मणों को भोजन कराने के बराबर पुण्य मिलता है. इस एकादशी का व्रत करने से सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती है. योगिनी एकादशी को सभी एकादशियों में सबसे महत्वपूर्ण एकादशियों में से एक माना जाता है. इस दिन भगवान विष्णु की पूजा करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है. इस व्रत को रखने से पापों का नाश होता है और ग्रहों के दोष दूर होते हैं. इस व्रत को करने से वैवाहिक जीवन में सुख–समृद्धि आती है और संतान प्राप्ति के योग बनते हैं.
योगिनी एकादशी के दिन सुबह ब्रह्ममुहूर्त में उठकर स्नान करना चाहिए. इसके बाद स्वच्छ वस्त्र धारण करें. घर में भगवान विष्णु की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें और पूरे विधि–विधानपूर्वक से उनकी पूजा करें. भगवान विष्णु को फूल,फल और मीठा भोग अर्पित करें. इस दिन निर्जला व्रत रखकर भगवान विष्णु का ध्यान करना चाहिए. दूसरे दिन सुबह ब्राह्मणों को भोजन करवाकर और दक्षिणा देकर व्रत तोड़ना चाहिए.

....तो शनि कभी नहीं करेंगे आपको परेशान

शनिदेव न्याय के देवता हैं। अगर आपमें यह आदतें हैं तो मान कर चलिए कि शनिदेव आपको कभी परेशान नहीं करेंगे उल्टे आप पर उनकी कृपा दृष्टि सदैव रहने वाली है। हर संकट में वे आपके साथी बनकर राह दिखाएंगे।

नाखून काटते रहें

जो लोग रोज अपने नाखून काटते हैं और उन्हें साफ भी रखते हैं, शनि ऐसा करने वालों का हमेशा खयाल रखते हैं। इसलिए अचानक अगर आप अपने नाखून काटने में आलस करने लगें या आपके नाखून गंदे रहने लगे तो समझें कि आपको शनि दशा सुधारने के लिए उपाय करने चाहिए। नाखून काटने की आदत को कभी ना बदलें।

दान करते रहें

अगर आपका दिल गरीबों, जरूरतमंदों को देखकर पसीज जाता है और हर तीज–त्योहार पर गरीब जरूरतमंद की आप मदद करते हैं तो समझें शनिदेव की आप पर विशेष कृपा है। अगर आप गरीबों को काले चने, काले तिल, उड़द दाल और कपड़े सच्चे मन से दान करते हैं, तो आश्वस्त रहिए कि शनिदेव आपका हमेशा कल्याण ही करेंगे।

छाते की भेंट देगी शनिदेव की छत्र–छाया

धूप व बारिश से बचने के लिए छाते दान करने वालों पर शनिदेव की छत्र–छाया हमेशा बनी रहती है। अगर अब तक यह आदत नहीं थी तो इसे तुरंत अपनी अच्छी आदतों में शामिल कर लीजिए। आखिर शनिदेव की छत्र–छाया किसे नहीं चाहिए?

कुत्तों की सेवा

कुत्तों की सेवा करने वालों से भगवान शनि हमेशा प्रसन्न होते हैं। कुत्तों को खाना देने वालों और उनको कभी ना सताने वालों के शनिदेव सभी कष्ट दूर करते हैं। इसलिए अगर आप भी कुत्तों को प्यार करते हैं तो जीवन में शनि कोप से सदा बचे रहेंगे।

नेत्रहीन को राह दिखाएं

किसी भी नेत्रहीन व्यक्ति को राह दिखाना, उनकी मदद करना शनि को खुश करने में सहायक सिद्ध होता है। जो लोग भी नेत्रहीन लोगों की अनदेखी नहीं करते, उनकी निःस्वार्थ मदद करते हैं, शनिदेव उनसे हमेशा प्रसन्न रहते हैं और उनकी सफलता–उन्नति का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

शनिवार का उपवास

शनिवार का उपवास रखकर अपने हिस्से का भोजन गरीबों को देने की आदत है तो समझें शनि की कृपा से अन्न के भंडार आपके लिए हमेशा खुले रहेंगे। ऐसे व्यक्ति अगर जीवन भर इस नियम का पालन करते हैं तो उन्हें कभी धन–संपदा की कमी नहीं होती।

मछलियों को आहार

जो मछली खाते नहीं है बल्कि मछलियों को खाना खिलाते हैं उनसे शनि हमेशा प्रसन्न रहते हैं। इसलिए अगर आपको भी मछलियों को दाना खिलाने की आदत है तो खुशकिस्मत हैं आप, अपनी इस आदत को छूटने ना दें।

हर दिन स्नान, साफ स्वच्छ रहने की आदत

प्रतिदिन स्नान कर खुद को साफ रखने वालों पर शनि की कृपा होती है। पवित्र रहने वालों की शनि हमेशा मदद करते हैं।

सफाई–कर्मियों की मदद

जो सफाई–कर्मियों का सम्मान करते हैं और उनकी आर्थिक मदद भी करते हैं, शनिदेव उनका साथ कभी नहीं छोड़ते। यह आदत कभी न बदलें, भाग्यशाली बनने की राह यही आदत खोलेगी। शनिदेव इस आदत से अत्यंत प्रसन्न रहते हैं।

साथी हाथ बढ़ाना

जो लोग जरूरतमंद, परेशान और मेहनतकश लोगों की यथासंभव मदद करते हैं, वे शनिदेव को बेहद पसंद होते हैं। शविदेव उनके सारे कष्ट हर लेते हैं। इसलिए मदद करने की अपनी आदत को सदा बने रहने दें।

पौधारोपण और पीपल बरगद का पूजन

पौधारोपण व पेड़ों का पूजन शनि भगवान को खुश करने के लिए बहुत जरूरी है। जो लोग पीपल और बरगद की पूजा करते हैं उनपर शनि अपनी कृपा अक्षुण्ण बनाए रखते हैं।

ईमानदारी से आजीविका

ऐसे लोग जो बिना किसी को नुकसान पहुंचाए, सही और धर्म की राह पर चलकर धन अर्जित करते हैं उन्हें शनि अपार लक्ष्मी का वर देते हैं। जो लोग ब्याजखोरी करते हैं, उनसे शनि रुष्ट हो जाते हैं। ब्याजखोरी से बचने वालों की शनि हमेशा सहायता करते हैं।

सम्मान करने की आदत

वृद्ध माता–पिता तथा स्त्रियों को मां समान मानकर उनका सम्मान करने वालों की शनिदेव हमेशा सहायता करते हैं।

दिव्यांगों की मदद

दिव्यांगों की सहायता करना शनिदेव को प्रसन्न करता है। ऐसे लोगों का शनि सदैव कल्याण करते हैं। शनि स्वयं एक पैर से शनैः शनैः चलते हैं अतः यथासंभव दिव्यांगों की मदद की आदत डालें।

शराब से दूरी

शराब का सेवन शनिदेव को नाराज करता है। जो लोग मदिरापान से दूर रहते हैं शनिदेव की कृपा उनपर बनी रहती है।

शाकाहार की आदत

जो लोग शाकाहार का सेवन करते हैं और मांस, मछली, मीट से दूर रहते हैं उनसे शनिदेव प्रसन्न होकर उनके परिवार समेत उनका भला करते हैं।

कुष्ठ रोगियों की मदद

कुष्ठ रोगियों की सेवा करना पुण्य का काम माना गया है। शनि भी ऐसे लोगों से प्रसन्न होते हैं जो कुष्ठ रोगियों की सेवा करते हैं। ऐसे लोगों को सारे कष्टों, परेशानियों से शनिदेव बचाते हैं।

आमिर ने मुंबई के पॉश इलाके में खरीदा नया अपार्टमेंट

बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में कई हिट फिल्मों में योगदान देने के लिए जाने जाते हैं। अभिनेता ने अब मुंबई के पाली हिल के आलीशान इलाके में एक नया अपार्टमेंट खरीदा है। स्कायर यार्ड्स द्वारा पोस्ट किए गए संपत्ति पंजीकरण दस्तावेजों के अनुसार, उन्होंने 9.75 करोड़ रुपये में यह संपत्ति खरीदी है। उनका नया घर लगभग 1,027 स्कायर फीट का है और अभिनेता इसमें रहने के लिए पूरी तरह से तैयार है। 25 जून को, इसकी प्रक्रिया शुरू हुई, जिसके लिए आमिर ने 30 हजार रुपये की रजिस्ट्रेशन फीस और 58.5 लाख रुपये की स्टाम्प ड्यूटी का पंजीकरण शुल्क दिया है। आमिर का यह नया अपार्टमेंट पाली हिल एरिया की बेला विस्ता अपार्टमेंट्स नाम की अप-स्केल बिल्डिंग में है।

आमिर के हैं और भी अपार्टमेंट

आमिर के पास बेला विस्टा और पाली हिल्स में मरीना में भी कई अपार्टमेंट हैं और दोनों जगहों को नया रूप दिया जा रहे है। नेट वर्थ की बात करें तो मुंबई के पॉश इलाके में आमिर का एक आलीशान घर है। साल 2009 में उन्होंने इसे खरीदा था। उस वक्त इस घर की कीमत लगभग 18 करोड़ रुपये थी। इसमें दो फ्लोर हैं। घर में एक बड़ा सा ओपन एरिया है, जहां आराम से पार्टियां और इवेंट्स हो सकते हैं।

इस फिल्म को लेकर चर्चा में हैं अभिनेता

आमिर खान के वर्कफ्रंट की बात करें, तो एक्टर की अपकमिंग फिल्म में सितारे जमीन पर में नजर आएंगे। इस मूवी में उनकी को-स्टार जेनेलिया डिसूजा होंगी। फिल्म इसी साल दिसंबर में रिलीज होगी। फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इससे पहले आमिर की फिल्म लापता लेडीज ने भी ओटीटी र खूब धमाल मचाया था और इसे दर्शकों की खूब सराहमा मिली थी। अब फैंस को अभिनेता की आगामी फिल्मों का बेसब्री से इंतजार है।

ऋचा ने साइन की कॉमेडी फिल्म, कहा- लंबे ब्रेक पर नहीं जाऊंगी

एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा जल्द ही अपने पहले बच्चे का स्वागत करने वाली हैं। वह प्रेग्नेंसी के 9वें महीने को एन्जॉय कर रही हैं। लेकिन इन दिनों वह अपनी अगली कॉमेडी फिल्म साइन करने को लेकर सुर्खियों में हैं। इस पर काम अक्टूबर में शुरू होने वाला है। बताया जा रहा है कि कॉमेडी फिल्म की स्क्रिप्ट पहले से ही तैयार है, जिसे अमितोष नागपाल ने लिखा है। फिल्म नॉर्थ इंडिया पर सेट है। मैटरनिटी ब्रेक के दौरान काम करने को लेकर ऋचा ने कहा, मैं सभी महिलाओं की ओर से बात नहीं कर सकती। हर किसी का सफर अलग होता है। लेकिन मैं लंबे ब्रेक पर नहीं रहूंगी। मैं जल्द से जल्द काम पर वापस लौटने की कोशिश करूंगी। मेरे पास कई प्रोजेक्ट्स पेंडिंग पड़े हुए हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि वह अपनी मां से प्रेरित हैं, उन्होंने दोनों भूमिकाओं को कुशलता से निभाया है।

उन्होंने कहा, मुझे पूरा भरोसा है कि मैं दोनों जिम्मेदारियों को अच्छे से निभा सकती हूं। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपके आस-पास किस तरह का सपोर्ट सिस्टम है और आपका साथी कितना मददगार है। इन मामलों में, मैं दोनों ही चीजों में भाग्यशाली हूं। उन्होंने कहा, मैंने मुंबई की महिलाओं को 9वें महीने में भी लोकल ट्रेन से काम पर जाते हुए देखा है, वे अपने गजरे के साथ पूरी तरह सजी-धजी दिखती हैं। मैं औसत भारतीय महिला से बहुत प्रेरित हूं और नहीं चाहती कि इसे मेडिकल कंडीशन के रूप में देखा जाए। यह जिंदगी का एक स्वाभाविक हिस्सा है।

फिल्म के निर्माण से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि ऋचा को स्क्रिप्ट काफी पसंद आई है। प्री-प्रोडक्शन का काम अगस्त में होने वाला है। फिल्म की शूटिंग सर्दियों में की जाएगी। ऋचा चड्ढा ने साल 2022 में परिवार और दोस्तों के मौजूदगी में अली फजल के साथ शादी की। दोनों की मुलाकात साल 2012 में फिल्म फुकरे के सेट पर हुई थी। इस दौरान दोनों की दोस्ती हुई, जो गहरी होती-होती प्यार में बदल गई। एक इंटरव्यू में ऋचा ने बताया कि दोनों में से सबसे पहले प्यार का इजहार उन्होंने ही किया था और अली ने 3 महीने के बाद हां में जवाब दिया था। दोनों ने लंबे वक्त तक अपने रिश्ते को सीक्रेट रखा था। मालदीव ट्रिप के दौरान अली ने ऋचा को शादी के लिए प्रपोज किया था। दोनों ने 2020 में कोरोना लॉकडाउन के दौरान स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत शादी की, और 4 अक्टूबर 2022 को कपल ने रीति-रिवाजों के अनुसार धूमधाम से लखनऊ में शादी की। इसी साल फरवरी में ऋचा और अली ने अपने फैंस के साथ गुड न्यूज शेयर की कि वे पहली बार पेरेंट्स बनने वाले हैं।

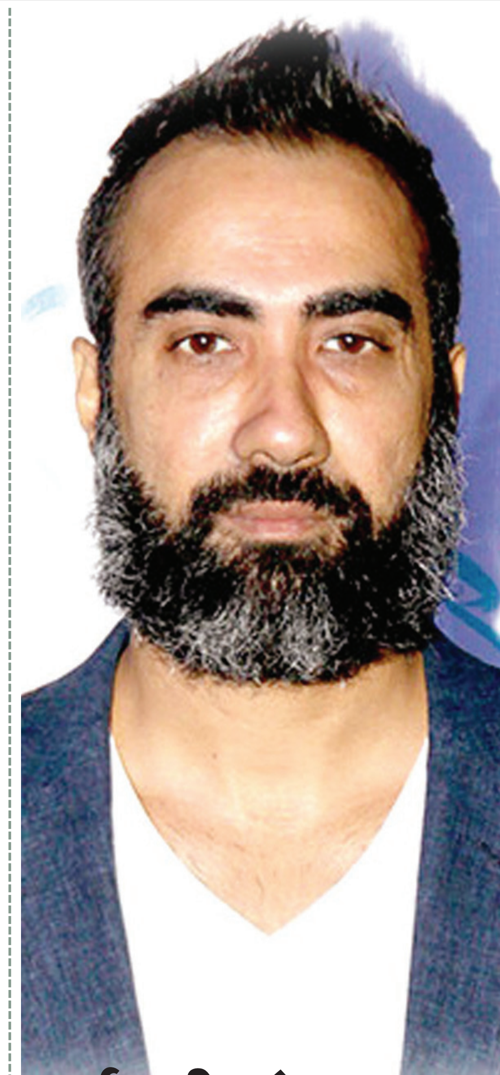

पूर्व पत्नी कोंकणा संग मिलकर पाल रहे हैं बेटे को रणवीर, बोले अपनी जिंदगी में खुश हूं

अभिनेता रणवीर शौरी इन दिनों बिग बॉस ओटीटी 3 में सुर्खियां बटोर रहे हैं। वे बिग बॉस के घर में बेबाक अंदाज में नजर आ रहे हैं। रणवीर धीरे-धीरे अरमान मलिक के संग खुलने लगे हैं। शो के नए एपिसोड में वे अपनी पूर्व पत्नी कोंकणा सेन शर्मा और अपने बेटे के बारे में बातें करते नजर आए। उन्होंने अरमान को बताया कि वे किस तरह की जिंदगी बिग बॉस के घर से बाहर जीते हैं।

मैं अकेला ही रहता हूं

बिग बॉस ओटीटी 3 शुरू हो चुका है और हर दिन इस शो से जुड़ी बातें सुर्खियां बटोर रही है। बिग बॉस ओटीटी 3 के नए एपिसोड में प्रतियोगी अरमान मलिक और रणवीर शौरी आपस बातें करते नजर आते हैं। रणवीर कहते हैं, घर पर तो अकेला मैं हूं। मेरा मतलब मेरा बेटा आधा टाइम मेरे साथ होता है और आधा टाइम अपनी मां के साथ और बचे हुए समय में वह आता-जाता रहता है। बच्चे के लिए जो जरुरी है वह हमदोनों ही करते हैं।

रोमांटिक रिश्ते के लिए समय नहीं

रणवीर शौरी से जब अरमान मालिक पूछते हैं कि क्या वे किसी और को अपनी जिंदगी में आने देने को तैयार हैं। इस सवाल के जवाब में अभिनेता कहते हैं, मैं अपनी जिंदगी में काफी खुश हूं और उससे भी ज्यादा मैं संतुष्ट हूं। मुझे नहीं लगता है कि मैं अभी किसी रोमांटिक रिश्ते में बंधने के लिए तैयार हूं। मैं अपने काम में ही इतना खोया रहता हूं कि किसी और चीज के लिए समय नहीं मिलता है।

कोंकणा के साथ किया था कई फिल्मों में काम

रणवीर शौरी और कोंकणा सेन शर्मा ने कई फिल्मों में एक साथ काम किया था। दोनों ने सितंबर 2010 में की थी। शादी के कुछ ही समय बाद रणवीर और कोंकणा एक प्यारे से बेटे के माता-पिता बने थे। हालांकि बेटे के जन्म के कुछ समय बाद ही दोनों अलग हो गए थे और अब दोनों मिलकर बेटे को को-पैरेंटिंग कर रहे हैं। कोंकणा और रणवीर ने रजत कपूर द्वारा निर्देशित मिक्स्ड डबल्स और आजा नचले जैसी फिल्मों में एक साथ काम किया है।

ऐसे किरदार चाहती हूं जो घर से निकलने पर मजबूर करें

प्रतिष्ठित कपूर खानदान की बड़ी बेटी करिश्मा कपूर ने बॉलीवुड में अच्छी पहचान बनाई है। 25 जून को 50 वर्ष की हुईं करिश्मा ने कई शानदार फिल्मों में काम किया है। अब वह ओटटी पर भी कदम रख चुकी हैं। करिश्मा कपूर का कहना है कि वे ऐसे किरदार चुनना पसंद करती हैं, जो उन्हें घर से बाहर निकलने और सेट पर पहुंचने के लिए मजबूर कर दें। करिश्मा का कहना है कि वह चुनिंदा काम करना पसंद करती हैं, जो उन्हें सहज रखे और उनके पास ऐसा करने का विकल्प है वे इसके लिए शुक्रगुजार हैं। करिश्मा के मुताबिक, मैं अपनी पसंद से चुनिंदा काम करती हूं, मैं लकी हूं कि मैं ऐसी स्थिति में हूं जहां मैं किसी प्रोजेक्ट के लिए हां या ना कह सकती हूं। करिश्मा ने कहा, मैं दिलचस्प किरदार करना चाहती हूं, ऐसे रोल जो मुझे घर से बाहर निकलने पर मजबूर कर दें।

विवेक अग्निहोत्री ने उठाया वास्तविक दर्द का फायदा

विवेक रंजन अग्निहोत्री की फिल्म द कश्मीर फाइल्स साल 2022 में रिलीज हुई थी। तमाम विवादों के बाद भी फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर सफलता का परचम लहरा दिया था। दर्शकों और समीक्षकों समेत कई फिल्मी हस्तियों ने भी इसे सराहा था। हालांकि, अब इसके आलोचकों में एक और नया नाम जुड़ गया है। अभिनेता गुलशन देवैया ने लोगों के पुराने दर्द को कुरेदने के लिए फिल्म निर्माता विवेक अग्निहोत्री की आलोचना की है। गुलशन देवैया हेट स्टोरी पर फिल्म निर्माता के साथ काम कर चुके हैं। हालांकि, उन्हें निर्माता की मार्केटिंग करने का तरीका पसंद नहीं आया। एक इंटरव्यू में अभिनेता ने कहा, वह एक मार्केटिंग आदमी हैं और उनके बहुत सारे अनुयायी हैं। एक फिल्म निर्माता और एक लेखक के रूप में वह अब बेहद सफल हैं। लेकिन हां, कुछ चीजें हैं जिनकी मैं आलोचना करता हूं। गुलशन देवैया ने अपनी बात में आगे जोड़ा, मैं द कश्मीर फाइल्स के बारे में जो उदाहरण लिख रहा था, उसमें उन लोगों के बहुत सारे फुटेज का उपयोग किया गया है जो उस दर्द से गुजरे हैं। जिन लोगों ने फिल्म देखी, उन्हें कश्मीरी पंडितों के पलायन का समय और उनके साथ क्या-क्या हुआ, याद आ गया। इसलिए वे उसे प्रचार के तौर पर सोशल मीडिया पर प्रसारित कर रहे थे। मुझे लगता है कि यह शोषण है। उन्होंने आगे कहा, आप किसी के वास्तविक दर्द और आघात का फायदा उठा रहे हैं। मुझे लगता है कि आप अपनी फिल्म का प्रचार करने के लिए पलायन का दर्द झेल चुके कश्मीरी पंडितों की वास्तविक भावनाओं का शोषण कर रहे हैं। इस एक बात पर मैं उस फिल्म को लेकर क्रिटिकल हूं। अन्यथा, यह एक अच्छी फिल्म थी और मुझे लगता है कि वह एक अच्छे निर्देशक हैं।

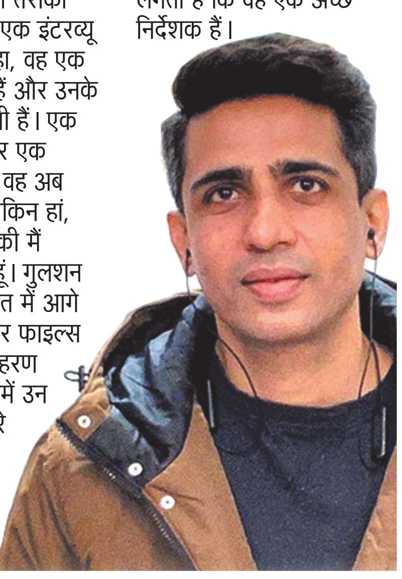

अपनी फिटनेस से कोई समझौता नहीं करती हैं शरवरी वाघ

शरवरी वाघ इन दिनों अपनी फिल्म मुंजा को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। बॉक्स ऑफिस पर शरवरी वाघ की फिल्म अच्छा प्रदर्शन कर रही है। वहीं शरवरी वाघ को आज जिम से निकलते हुए स्पॉट किया गया। शरवरी वाघ कैजुअल लुक में काफी प्यारी लग रही थीं। शरवरी वाघ ने अपने लुक को पूरा करने के लिए बालों को हाई पोनी अंदाज में बांधा था।

वरुण धवन ने बेबी जॉन में खुद ही किए खतरनाक स्टंट

बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन अपनी आगामी फिल्म बेबी जॉन को लेकर चर्चा में है। यह फिल्म इस साल की बहुचर्चित फिल्मों में से एक है। सूत्रों के मुताबिक वरुण ने फिल्म में खतरनाक स्टंट खुद ही किए हैं। एक सूत्र ने कहा, यह क्रिसमस बेबी जॉन के साथ बेहतरीन एक्शन एंटरटेनर होने वाला है। फिल्म में ज्यादातर स्टंट वरुण ने खुद ही किए हैं, जो आपको चौंका देंगे। फिल्म में दमदार एक्शन इसे साल की सबसे बड़ी एक्शन एंटरटेनर मूवीज में से एक बनाते हैं। हाल ही में फिल्म को नई रिलीज डेट मिली। यह फिल्म पहले 31 मई को रिलीज होने वाली थी, लेकिन बाद में इसे टाल दिया गया। मेकर्स ने अपडेट जारी करते हुए बताया कि यह फिल्म क्रिसमस के मौके पर 25 दिसंबर को रिलीज होगी। वरुण ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का एक नया पोस्टर शेयर किया। पोस्टर में उन्होंने हाथ में चाकू पकड़ा हुआ है। उनके चेहरे पर गुस्सा साफ नजर आ रहा है और वह हथियार लिए कई लोगों से घिरे हुए हैं। इस पोस्ट को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, इस साल क्रिसमस और भी मजेदार होने वाला है। 25 दिसंबर को बेबी जॉन की रिलीज के लिए तैयार हो जाइए। इस फिल्म के जरिए कीर्ति सुरेश हिंदी सिनेमा में डेब्यू कर रही हैं। इसके अलावा, इस फिल्म में वामिका गब्बी भी अहम रोल में दिखेंगी। इसके अलावा फिल्म में जैकी श्रॉफ और राजपाल यादव भी नजर आएंगे। फिल्म का संगीत एस थमन ने दिया है। फिल्म का निर्माण एटली के ए फॉर एप्पल स्टूडियोज, सिने1 स्टूडियोज और जियो स्टूडियोज के बैनर तले हो रहा है। इसे प्रिया एटली, मुराद खेतानी और ज्योति देशपांडे ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। वरुण धवन को अब से पहले नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित रोमांटिक ड्रामा बवाल में देखा गया था, इसमें जाह्नवी कपूर मुख्य भूमिका में थीं। यह फिल्म बीते साल 21 जुलाई को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी। उन्होंने हॉरर कॉमेडी मुंज्या में भी कैमियो किया।

आशा नेगी ने कहा कि इंडस्ट्री ने शोबिज की वास्तविक चुनौतियों से कराया परिचित

हाल ही में रिलीज हुए शो इंडस्ट्री का हिस्सा रहीं एक्ट्रेस आशा नेगी ने कहा कि यह सीरीज लोगों को शोबिज की वास्तविक चुनौतियों से परिचित कराती है। हिंदी फिल्म उद्योग के अंदरूनी लोगों की झलक दिखाने वाली इस सीरीज के बारे में बात करते हुए आशा ने कहा कि शो इंडस्ट्री को बहुत अच्छी समीक्षाएं मिल रही हैं और खास तौर पर इंडस्ट्री के लोगों से इसे काफी सराहना मिल रही है, क्योंकि यह हर किसी से मेल खाती है। अपने किरदार को लेकर आशा ने कहा कि लोग उनके महत्वाकांक्षी किरदार सान्या सेन से जुड़ रहे हैं। अब तक फीडबैक बहुत बढ़िया रहा है। बहुत से लोग, खास तौर पर इंडस्ट्री के लोग मेरे किरदार से जुड़ रहे हैं। टीवी शो पवित्र रिश्ता से चर्चा में आईं एक्ट्रेस ने यह भी कहा कि इंडस्ट्री पर्दे के पीछे के संघर्षों को उजागर करती है। उन्होंने कहा कि उद्योग से बाहर के लोगों को यह शो दिखाता है कि बाहर से ग्लैमरस दिखने वाली इस इंडस्ट्री के पीछे कड़ी मेहनत और संघर्ष होता है। इस ग्लैमर में बहुत धैर्य, कड़ी मेहनत और लगातार संघर्ष छिपा है।

संक्षिप्त समाचार

टाटा मोटर्स ने नेक्सन और पंच के साथ एसयूवी बाजार का नेतृत्व किया

मुंबई, एजेंसी। भारत की दिग्गज ऑटोमोटिव कंपनियों में से एक, टाटा मोटर्स ने वित्त वर्ष 2024 का समापन शानदार तरीके से किया है। इस साल इसके दो प्रोडक्ट पंच और नेक्सन देश में सबसे ज़्यादा बिकने वाले एसयूवी बनकर उभरे है। टाटा नेक्सन ने इस सेगमेंट में भारी प्रतिस्पर्धा के बावजूद लगातार तीन साल तक अपना दबदबा बनाए रखा, जबकि पंच दूसरे स्थान पर रही है। टाटा नेक्सन ने हाल ही में अपने 7वें साल में 7 लाख गाड़ियों की बिक्री की शानदार उपलब्धि भी हासिल की, जिससे यह भारत की सबसे ज़्यादा पसंद की जाने वाली एसयूवी बन गई है। कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट की लोकप्रियता में पिछले कुछ सालों में जोरदार वृद्धि देखने को मिली है। जिससे यह सबसे ज्यादा प्रतिस्पर्धा वाला सेगमेंट बन गया है और टाटा मोटर्स इस सेगमेंट की लीडर बनने के लिए प्रतिबद्ध है। यह नेक्सन और पंच के लिए किए गए ढेरों नवाचारों में कंपनी के लगातार निवेश से स्पष्ट होता है। 2017 में लॉन्च होने के बाद से ही नेक्सन ऐसे ग्राहकों को पसंद आई है जो कुछ खास और कुछ अलग चाहते हैं, साथ ही बेहतरीन प्रदर्शन और आराम की तलाश में रहते हैं। नेक्सन के भविष्य को ध्यान में रखकर तैयार किये डिज़ाइन, बेहतरीन सेफ्टी फीचर्स और निरंतर विकास ने इसे भारतीय उपभोक्ताओं के लिए पसंदीदा विकल्प बना दिया है। इसे उपभोक्ताओं के बीच विश्वसनीयता के लिए प्रतिष्ठा मिली है। नेक्सन 2018 में भारत की पहली जीएनसीएपी 5 स्टार रेटेड कार बनी थी, जिसने सभी भारतीय ऑटोमोबाइल कंपनियों के लिए मानक स्थापित किया। तब से इसकी यह विरासत जारी है।

सब्जी की कीमत और रुलाएगी, खराब हो रहा है प्याज

नई दिल्ली, एजेंसी। आज भले ही दिल्ली-एनसीआर में आप बारिश का मजा ले रहे हैं, लेकिन कुछ दिन पहले तक यहां गर्मी की आफत ही बरस रही थी। गर्मी का असर सब्जियों पर भी पड़ा है। इस वजह से मंडियों में सब्जियों के दाम बढ़ने लगे हैं। आलम यह है कि पिछले साल इस सीजन में 40 से 50 रुपये प्रति किलो के हिसाब से बिकने वाले शिमला मिर्च की कीमत 100 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई है। हालांकि, व्यापारियों का दावा है कि आने वाले कुछ दिनों में इसके दाम कम हो सकते हैं।

प्याज फिर हुआ महंगा

इस साल प्याज की पैदावार कम हुई है। इसके बाद इसका निर्यात खोल दिया गया है। साथ ही अब मध्य प्रदेश में प्याज खराब हो रहा है। इसका असर प्याज के दाम पर पड़ने लगा है। कारोबारियों के मुताबिक, पिछले एक महीने में प्याज के दाम में प्रति किलो 10 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। इस समय आजादपुर थोक मंडी में ही बढ़िया किस्म के प्याज का भाव 50 रुपये किलो तक चला गया है। एक महीने पहले यह 30 रुपये किलो बिक रहा था। इस समय मंडी में औसत किस्म का प्याज 22 से 36 रुपये किलो के भाव मिल रहा था। आजादपुर सब्जी मंडी में प्याज कारोबारी श्रीकांत मिश्रा बताते हैं कि प्याज के दाम पहले कम थे, लेकिन इस बाद प्याज की पैदावार कम होने के चलते दाम में तेजी आई है। लेकिन पिछले कुछ दिनों से मध्य प्रदेश में प्याज खराब हो रहे हैं। इससे दाम में और उछाल आ गया है। मंडी में अधिकतम 30 रुपये प्रति किलो थोक में बिकने वाला प्याज गुरुवार को 36 रुपये तक बिका। श्रीकांत ने आशंका जताई है कि आने वाले दिनों में प्याज के रेट और बढ़ सकते हैं।

विदेशी होल्डिंग कंपनियों को GST की बड़ी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। अपनी भारतीय सहायक कंपनियों को कर्ज देने वाली विदेशी कंपनियों को बड़ी राहत देते हुए टैक्स अथॉरिटी ने स्पष्ट किया है कि इन लेनदेन पर कोई वस्तु एवं सेवा कर नहीं लगाया जाएगा। यह बात कुछ शर्तों पर निर्भर करेगी। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड ने कहा कि इन कर्ज पर ब्याज के रूप में ली जाने वाली राशि के अलावा कोई भी अतिरिक्त शुल्क, कमीशन या उस तरह का कुछ भी 18 प्रतिशत की दर से जीएसटी के दायरे में आएगा।

इस कदम से समूह की कंपनियों में लोन/क्रेडिट पर कर लगाने से संबंधित अनिश्चितता खत्म होने की उम्मीद है, जो उन सैकड़ों विदेशी कंपनियों को परेशान कर रही हैं, जहां जीएसटी जांच के दौरान यह मसला उठा था और इसके परिणामस्वरूप कर वसूली के नोटिस भेजे गए थे। कराधान के लिहाज से इस मसले में विदेशी साझेदारों से आयात की गई सेवाओं का मूल्यांकन करना शामिल था, जब ये सेवाएं हासिल करने वाले भारतीय प्राप्तकर्ता इनपुट टैक्स (ITC) के लिए संपूर्ण क्रेडिट का दावा कर सकते थे। सीबीआईसी ने स्पष्ट किया है कि ऐसी सेवाओं के लिए खुले बाजार का मूल्य भारतीय कंपनी द्वारा बनाए गए बिल की राशि हो सकती है, यह मानते हुए कि संपूर्ण आईटीसी उपलब्ध है। अगर कोई बिल मौजूद नहीं है, तो सेवा मूल्य को शून्य माना जा सकता है। केपीएमजी के अप्रत्यक्ष कर प्रमुख और साझेदार अभिषेक जैन ने कहा 'समूह की कंपनियों के बीच ऋणों की कर देयता पर बड़ी मुकदमेबाजी को शांत करने के लिए यह स्पष्टीकरण काफी जरूरी था। दिलचस्प बात यह है कि सीबीआईसी के परिपत्र में बरकरार रखे गए सिद्धांत संबंधित पक्षों के बीच विभिन्न मुफ्त लेनदेन की कर देयता का मूल्यांकन करने में काफी हद तक सहायता कर सकते हैं।'

इसी तरह अगर कोई विदेशी कंपनी घरेलू फर्मों के कर्मचारियों को ईसॉप, ईएसपीपी या प्रतिबंधित स्टॉक यूनिट योजना जारी करने पर कोई शुल्क लगाती है या अतिरिक्त शुल्क मांगती है, तो जीएसटी लागू होगा। यह मसला भारतीय सहायक कंपनियों और उनकी होल्डिंग कंपनियों के बीच प्रतिपूर्ति के संबंध में था, जहां होल्डिंग कंपनी के शेयरों/प्रतिभूतियों को सीधे कर्मचारी को आवंटित करने का विकल्प होता है। यह स्पष्ट करता है कि लागत-से-लागत के आधार पर प्रतिपूर्ति पर जीएसटी नहीं लगता है। ऐसे लेनदेन कर योग्य सेवा नहीं हैं।

ईवाई के टैक्स पार्टनर सौरभ अग्रवाल ने कहा यह घटनाक्रम अनुपालन और बेहतरीन कर नियोजन दोनों के ही मामले में ईसॉप लेनदेन को सावधानीपूर्वक संरचित करने के महत्व को रेखांकित करता है। इसके अलावा यह विभिन्न कारोबारी परिदृश्यों में लागत-से-लागत प्रतिपूर्ति के कराधान पर व्यापक बहस को जन्म देता है, जो समान संदर्भों में जीएसटी की व्यावहारिकता की व्याख्याओं को संभावित रूप से प्रभावित करता है।

टाटा नंबर-1, इन्फोसिस 2... यह कौन सी लिस्ट जिसमें टॉप पर अंबानी और अडानी की कंपनियां नहीं!

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा समूह ने भारत के सबसे मूल्यवान ब्रांड के रूप में अपना स्थान बरकरार रखा है। वहीं, इन्फोसिस और एचडीएफसी समूह को ब्रांड फाइनेंस की रिपोर्ट में दूसरा और तीसरा स्थान मिला है। ब्रांड मूल्यांकन सलाहकार 'ब्रांड फाइनेंस' की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, विविध कारोबार क्षेत्रों में सक्रिय टाटा समूह का ब्रांड मूल्य नौ फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 28.6 अरब डॉलर हो गया है। एक बयान के मुताबिक, टाटा समूह ऐसा पहला भारतीय ब्रांड है जो 30 अरब डॉलर का ब्रांड मूल्यांकन हासिल करने के करीब पहुंच रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी इन्फोसिस ने भी नौ फीसदी की बढ़ोतरी के साथ मजबूत बढ़त हासिल की है। वैश्विक आईटी सेवा क्षेत्र में मंदी के बावजूद इसका ब्रांड मूल्य 14.2 अरब डॉलर आंका गया है।

एचडीएफसी ग्रुप तीसरे नंबर पर

एचडीएफसी समूह 10.4 अरब डॉलर के मूल्यांकन के साथ तीसरे नंबर का भारतीय ब्रांड बन गया है। पिछले साल आवास वित्त कंपनी एचडीएफसी लिमिटेड के साथ विलय के बाद एचडीएफसी को मजबूती मिली है।

हायर इंडिया ने फ़ीनिक्स के साथ अपनी डायरेक्ट कूल रेंज का किया विस्तार, रेफ्रीजरेटर की आधुनिक डिज़ाइन से युक्त प्रीमियम ग्लास डोर सीरीज़

नईदिल्ली, एजेंसी। लगातार 15 सालों से नंबर 1 ग्लोबल मेजर अप्लायंसेज़ ब्राण्ड हायर अप्लायंसेज़ इंडिया अपनी डायरेक्ट कूल रेंज में इनोवेशन की परम्परा को आगे बढ़ाते हुए लेकर आए हैं प्रीमियम ग्लास डोर रेफ्रीजरेटर्स की सीरीज़ फ़ीनिक्स। यह डायरेक्ट कूल ग्लास डोर रेफ्रीजरेटर की सबसे व्यापक रेंज लाने वाला उद्योग जगत का एकमात्र ब्राण्ड है, नई सीरीज़ स्लीक एवं प्रीमियम ग्लास डिज़ाइन के साथ किसी भी किचन के लुक को आकर्षक बना देगी। नए रेफ्रीजरेटर 185 लीटर और 190 लीटर में आते हैं और सभी रीटेल चैनलों पर उपलब्ध होंगे।

नए लॉन्च किए गए रेफ्रीजरेटर स्टाइल और फंक्शनेलिटी का बेहतरीन संयोजन हैं, जो आधुनिक भारतीय घरों की ज़रूरतों पर खरे उतरेंगे। फ़ीनिक्स रेफ्रीजरेटर आसान स्टोरेज के लिए बेस ड्रॉअर, प्रभावी कूलिंग के लिए डायमण्ड ऐज फ्रीजिंग टेक्नोलॉजी (डीईएफटी) के साथ आते हैं। साथ ही अपने स्टेबिलाइज़र-फ्री संचालन के साथ, यहां तक कि वोल्टेज में उतार-चढ़ाव होने पर भी, बिना रूकावट के बेहतरीन परफोर्मेन्स देते हैं।

इस लॉन्च पर बात करते हुए श्री एनएस सतीश, प्रेज़ीडेन्ट, हायर अप्लायन्सेज़ इंडिया ने कहा, ''पिछले सालों के दौरान हमने खासतौर पर अपनी डायरेक्ट कूल सिंगल डोर पेशकश में रेफ्रीजरेटर्स की व्यापक रेंज लेकर आए हैं, इनके माध्यम से हम उन उपभोक्ताओं की ज़रूरतों को पूरा करना चाहते हैं जो अपने घर के लिए प्रीमियम, वाइब्रेन्ट और आकर्षक डिज़ाइन वाले अप्लायन्सेज़ की उम्मीद रखते हैं। हायर इंडिया में हम उपभोक्ता उन्मुख इनोवेशन्स तथा 'मोर क्रिएशन, मोर पॉसिबिलिटीज़' के दृष्टिकोण के साथ ऐसे प्रोडक्ट्स लेकर आते हैं जो उपभोक्ताओं की उम्मीदों पर खरे उतरें। नई फ़ीनिक्स सीरीज़ का लॉन्च हमारी इसी प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसमें हम आधुनिक भारतीय परिवारों की बदलती पसंद को ध्यान में रखते हुए स्टाइल और फंक्शनेलिटी का सयांजन लेकर आए हैं। हमें विश्वास है कि रेफ्रीजरेटर की नई सीरीज़ अपने आधुनिक फीचर्स और शानदार परफोर्मेन्स के साथ होम अप्लायन्स उद्योग में नए बेंचमार्क स्थापित करेगी।''

प्रीमियम ग्लास फिनिश और मजबूत डिज़ाइन

नई रेंज स्लीक प्रीमियम ग्लास डिज़ाइन के साथ आधुनिक भारतीय किचन की खूबसूरती में चार-चांद लगा देगी। इस रेंज के पीछे की तरफ स्टील कवर है जो भीतरी पार्ट्स को सुरक्षित रखता है।

टफन्ड ग्लास शेल्फ

रेफ्रीजरेटर की सभी शेल्फ टफन्ड ग्लास के साथ टिकाउ होने का वादा करती हैं, ये इतनी मजबूत हैं कि भारतीय घरों में इस्तेमाल होने वाले भारी कढ़ाईयां और बर्तन भी इन पर आराम से रखे जा सकते हैं। इस तरह उपभोक्ता मन की शांति के साथ अपने भोजन को व्यवस्थित तरीके से रेफ्रीजरेटर में स्टोर कर सकते हैं।

बेस ड्रॉअर

इस सीरीज़ की नई पेशकश है बेस ड्रॉअर जो उन सब्ज़ियों और आइटमों के लिए अतिरिक्त स्टोरेज देता है जिन्हें रेफ्रीजरेट करने की ज़रूरत नहीं है। इन फीचर्स के साथ काउंटरटॉप साफ रहेंगे और आसानी से सुलभ होंगे। इससे किचन अधिक व्यवस्थित रहेगी। नए लॉन्च किए गए रेफ्रीजरेटर डीईएफटी और 1 एचआईटी टेक्नोलॉजी के साथ आते हैं, जो तेज़ी से बर्फ जमाने की गारंटी देते हैं। इस टेक्नोलॉजी की मदद से आप अपनी पसंदीदा ड्रिंक के लिए क्रिस्टल क्लियर आईस क्यूब्स जमा सकेंगे।

ट्रूकॉलर ने धोखाधड़ी का बीमा आरंभ करने के लिए एच.डी.एफ.सी. एर्गो के साथ की साझेदारी

बेंगलुरु , एजेंसी। विश्व के विश्वस्तरीय संचार के एक प्रमुख प्लैटफॉर्म, ट्रूकॉलर ने भारत की एक प्रमुख जनरल इंश्योरेंस कंपनी, एच.डी.एफ.सी. एर्गो के साथ मिलकर धोखाधड़ी का बीमा आरंभ करने की गर्व से घोषणा की है, जो कि भारत में डिजिटल संचार से संबंधित धोखाधड़ी के विरुद्ध उपभोक्ताओं को बेहतर सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की जाने वाली एक पहल है। भारतीय साइबर अपराध समन्वयन केंद्र की एक हाल की रिपोर्ट से पता चलता है कि पिछले तीन वर्षों में डिजिटल वित्तीय धोखाधड़ी का मूल्य रु. 1.25 लाख करोड़ था। साइबर धोखाधड़ी के बढ़ते हुए मामलों के साथ, यह बीमा की यह अभिनवकारी प्रस्तुति धोखाधड़ी से निपटने और ऐप की अत्याधुनिक सुविधाओं के द्वारा मोबाइल से वाद-व्यवहार करने से पहले, उसके दौरान और उसके बाद में उपभोक्ता की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए ट्रूकॉलर की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

धोखाधड़ी का बीमा प्रदान करने वाला यह उत्पाद पूरे भारत में एंड्राइड और आई.ओ.एस. का उपयोग करने वाले व्यक्तियों को रु. 10,000 तक की सुरक्षा प्रदान करेगा। यह उत्पाद ट्रूकॉलर के वार्षिक प्रीमियम सब्सक्राइबरों के लिए उपलब्ध है और मौजूदा ग्राहक अपने मौजूदा प्लान के अधीन निःशुल्क सुरक्षा का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। सभी उपभोक्ताओं के लिए एक सहज और परेशानी-रहित अनुभव सुनिश्चित करने के लिए, धोखाधड़ी की सुरक्षा को ट्रूकॉलर ऐप में सहजता से समायोजित किया गया है, और उपभोक्ता द्वारा बीमा का विकल्प चुने जाने के बाद इसे सक्रिय कर दिया जाता है। बीमा के इस प्लान के लिए किसी भी प्रकार के अतिरिक्त दस्तावेज़ जमा कराने की आवश्यकता नहीं होती है और इसे ट्रूकॉलर ऐप के द्वारा ही तुरंत खरीदा जा सकता है। यह नई प्रस्तुति ए.आई. स्पैम ब्लॉकिंग, ए.आई. असिस्टेंट और कॉल स्कैनर और धोखाधड़ी के बीमा की मदद से कॉल का उत्तर देने के समय से लेकर बात-चीत के दौरान और उसके बाद में हर प्रकार की सुरक्षा प्रदान करके उपभोक्ता के अनुभव को और भी बेहतर बनायेगी।

ग्रासिम इंडस्ट्रीज को टाइम्स नाउ - ग्लोबल सस्टेनेबिलिटी अलायंस द्वारा सस्टेनेबल ऑर्गनाइजेशन 2024 सम्मान

मुंबई, एजेंसी। आदित्य बिड़ला समूह की प्रमुख कंपनी ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड को टाइम्स नाउ ग्लोबल सस्टेनेबिलिटी अलायंस - सस्टेनेबल ऑर्गनाइजेशन 2024 कार्यक्रम के तीसरे एडिशन में सम्मानित किया गया। ग्रासिम इंडस्ट्रीज के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर पवन जैन ने सस्टेनेबल ऑर्गनाइजेशन 2024 ट्रॉफी प्राप्त की और चीफ सस्टेनेबिलिटी ऑफिसर सूर्या वल्लूरी ने प्रमाण पत्र स्वीकार किया।

ग्लोबल सस्टेनेबिलिटी अलायंस दुनिया भर में बदलाव लाने वालों, व्यक्तियों और संगठनों के लिए एक मंच है, जिन्होंने सस्टेनेबिलिटी को अपना लक्ष्य बनाया है। टाइम्स नाउ सस्टेनेबल ऑर्गनाइजेशन्स 2024 का तीसरा एडिशन सस्टेनेबिलिटी लीडरों द्वारा किए गए भविष्योन्मुखी कार्यों को बताने और बढ़ावा देने का लक्ष्य रखता है, जिसमें उनके सफलता के किस्से, प्रेरणा, जिम्मेदारी व्यापार और हरे भरे भविष्य को बढ़ावा देने में उनकी उपलब्धियों का जश्न मनाया जाता है। दुनिया भर के 90 बाजारों में काम करने वाली सबसे बड़ी बाजार रिसर्च कंपनियों में से एक, इप्सोस , जिसके साथ 20,000 से अधिक प्रोफेशनल जुड़े हैं, ने भारत के सस्टेनेबल आर्गेनाईजेशन की पहचान करने के लिए रिसर्च पार्टनर के रूप में कार्य किया। सख्त मानदंडों का पालन करते हुए, 300 चिन्हित सस्टेनेबल आर्गेनाईजेशन में से 40 कंपनियों को टाइम्स नाऊ ग्लोबल सस्टेनेबिलिटी एलायंस - सस्टेनेबल ऑर्गनाइजेशन्स 2024 के तीसरे एडिशन में सम्मानित किया गया।

ऑर्गेनिक रीसाइक्लिंग सिस्टम्स लिमिटेड और सीएसआईआर-आईआईपी ने प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए एक समझौता किया

मुंबई, एजेंसी। संपीड़ित बायोगैस के उत्पादन को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम में, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद-भारतीय पेट्रोलियम संस्थान (सीएसआईआर-आईआईपी) और ऑर्गेनिक रीसाइक्लिंग सिस्टम्स लिमिटेड (ओआरएसएल) ने कच्चे बायोगैस को संपीड़ित बायोगैस में अपग्रेड करने के लिए वैक्यूम स्विंग एडशोर्प्सन (वीएसए) तकनीक शुरू की है। (सीबीजी) ने कटिंग-एज वैक्यूम को लाइसेंस देने और संचालित करने के लिए एक समझौता किया है। समझौते पर 24 जून, 2024 को इंडियन हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में माननीय केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री (एस एंड टी) और सीएसआईआर अध्यक्ष डॉ. द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे। जितेंद्र सिंह जी और महानिदेशक सीएसआईआर और सचिव डीएसआईआर, डॉ. एन कलाईसेल्वी जी की उपस्थिति में सीएसआईआर के वन वीक वन थीम कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह के दौरान हस्ताक्षर किए गएद्य

इस समझौते के तहत, सीएसआईआर-आईआईपी, जो पेट्रोलियम रिफाइनिंग और जैव ईंधन में अपनी विशेषज्ञता के लिए जाना जाता है, अपनी स्वदेशी रूप से विकसित वीएसए तकनीक को जैविक रीसाइक्लिंग सिस्टम में स्थानांतरित करेगा। प्रौद्योगिकी को 350 एच/एच कच्चे बायोगैस को संसाधित करने, इसे पाइपलाइन-गुणवत्ता वाले बायो-मीथेन में परिवर्तित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। परिणामस्वरूप बायोमेथेन न केवल नियामक मानकों के अनुपालन को सुनिश्चित करने वाले कड़े बीआईएस 16087:2016 विनिर्देशों को पूरा करता है, बल्कि विभिन्न परियोजनाओं और ग्राहकों की विशिष्ट आवश्यकताओं और आवश्यकताओं के आधार पर उच्च विनिर्देशों को प्राप्त करने के लिए इसे और भी तैयार किया जा सकता है। यह लचीलापन सुनिश्चित करता है कि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों की एक विस्तृत श्रृंखला को पूरा कर सकती है, बायोगैस उन्नयन के लिए एक विश्वसनीय और अनुकूलित समाधान प्रदान कर सकती है। इस तकनीक द्वारा उत्पादित सीबीजी का उपयोग औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए ईंधन के रूप में और वाहन अनुप्रयोगों में संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) के विकल्प के रूप में किया जा सकता है।

एक इंजीनियरिंग कंपनी है जो जैविक रीसाइक्लिंग सिस्टम, स्वच्छ प्रौद्योगिकी और नवीन अपशिष्ट प्रबंधन समाधानों के लिए प्रतिबद्ध है। सोलापुर अपने विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) और 100त्न स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, सोलापुर बायो-एनर्जी के माध्यम से सोलापुर नगर निगम के लिए मिश्रित नगरपालिका अपशिष्ट पृथक्करण, प्रसंस्करण और बायोगैस उत्पादन सुविधा संचालित करता है। सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड यह सुविधा वर्तमान में मिश्रित नगरपालिका ठोस कचरे को बायोगैस और खाद में परिवर्तित करती है, जो टिकाऊ प्रथाओं के प्रति ऑर्गेनिक रीसाइक्लिंग सिस्टम के समर्पण को दर्शाती है।

ऑर्गेनिक रीसाइक्लिंग सिस्टम और सीएसआईआर-आईआईपी के बीच यह सहयोग बायोगैस क्षेत्र में अनुसंधान और विकास में सबसे आगे है, जो बायोगैस प्रसंस्करण को अनुकूलित करने के लिए अत्याधुनिक नवाचार तक एक मजबूत आधार और पहुंच प्रदान करता है।

एक प्रतिष्ठित सरकारी निकाय के रूप में, सीएसआईआर-आईआईपी सहयोग में विश्वसनीयता और विश्वास का एक महत्वपूर्ण स्तर लाता है, जो परियोजना डेवलपर्स में विश्वास पैदा करने में मदद करता है, ऐसी प्रौद्योगिकियों की व्यवहार्यता के बारे में चिंताओं को कम करता है। मजबूत अनुसंधान क्षमताओं और सफल परियोजनाओं के ट्रैक रिकॉर्ड वाले ऐसे प्रसिद्ध संगठन के साथ साझेदारी करने से प्रौद्योगिकी की गुणवत्ता और विश्वसनीयता के बारे में आश्वासन का स्तर बढ़ जाता है।

मोटुल ने ऑटो मैकेनिकों के लिए सेहत की समृद्धि पहल की शुरुआत की

भोपाल। भारत में प्रीमियम, हाई-परफॉर्मेंस इंजन ऑयल एवं इंडस्ट्रियल ल्यूब्रिकेंट का निर्माण करने वाली प्रमुख कंपनी, मोटुल इंडिया ने अपनी सीएसआर पहल, मोटुल सेहत की समृद्धि की शुरुआत की है।

इस पहल का उद्देश्य ऑटो मैकेनिकों, उनके परिवार के लोगों और समुदाय के सदस्यों के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता को सुविधाजनक बनाना है, जिसके तहत 27 जून, 2024 को भोपाल में शिविर का आयोजन किया। यह भारत के 20 शहरों में स्वास्थ्य जांच सेवाओं के लिए बड़े पैमाने पर आयोजित शिविरों की श्रृंखला का शिविर है। मोटुल इंडिया की अगुवाई में स्माइल फाउंडेशन के साथ मिलकर शुरू की गई यह पहल जून 2024 से मार्च 2025 तक जारी रहेगी, जिसमें पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, असम, ओडिशा, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, गुजरात, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के प्रमुख क्षेत्र शामिल होंगे। चिकित्सा सेवाओं तक सीमित पहुँच वाले समुदायों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने के साथ-साथ सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव को कम करने के उद्देश्य से इस पहल की शुरुआत की गई है। आने वाले 9 महीनों के दौरान 80 स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाएगा, जिनसे लगभग 16,000 लाभार्थियों को बड़े पैमाने पर चिकित्सा देखभाल की सुविधा मिलेगी।

आउट ऑफ द बॉक्स थिंकिंग' पर आईआईटी मद्रास प्रवर्तक के निःशुल्क ऑनलाइन कोर्स के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू

चेन्नई, एजेंसी। आईआईटी मद्रास प्रवर्तक टेक्नोलॉजीज फाउंडेशन ने गणित कोर्स के माध्यम से 'आउट ऑफ द बॉक्स थिंकिंग' (ओओबीटी) में रजिस्ट्रेशन करने के उम्मीदवारों को आमंत्रित किया है। यह स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थियों के साथ-साथ कार्यरत प्रोफेशनल में भी रचनात्मक सोच को बढ़ावा देगा। यह ऑनलाइन कोर्स सभी के लिए निःशुल्क है। 'ओओबीटी' प्रोग्राम चार स्तर का है। प्रत्येक 10 सप्ताह का होगा। नियतकालिक असाइनमेंट और समाधान भी दिए जाएंगे। आईआईटी मद्रास प्रवर्तक का लक्ष्य स्कूल और कॉलेज के दस लाख विद्यार्थियों के साथ-साथ कार्यरत प्रोफेशनलों और शोधकर्ताओं को भी इस कोर्स का लाभ देना है। रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 9 अगस्त 2024 है। ओओबीटी कोर्स (सभी चार स्तर) 10 अगस्त 2024 को शुरू होगा। आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रो. वी. कामकोटि ने ऐसे कोर्स की अहमियत बताते हुए कहा, ''जन-जीवन की समस्याओं का अभिनव समाधान देने के लिए 'आउट ऑफ द बॉक्स' थिंकिंग बहुत जरूरी है। गणित में आउट-ऑफ-द-बॉक्स सोच से रचनात्मकता बढ़ती है और लोग सामान्य फॉर्मूलों और विधियों से आगे की सोचते हैं, जिससे नए दृष्टिकोण और अभिनव समाधान सामने आते हैं।'' प्रो. वी. कामकोटि ने बताया, ''आउट-ऑफ-द-बॉक्स थिंकिंग से मौलिक सोच का कौशल बढ़ता है क्योंकि लोग पुरानी मान्यताओं पर सवाल उठाना, विकल्प ढूंढ़ना और विभिन्न दृष्टिकोणों से समाधानों का आकलन करना सीखते हैं।

जयन्त चौधरी ने निस्बड में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे पूर्व सैनिकों और अन्य इच्छुक उद्यमियों से मुलाकात की

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री जयन्त चौधरी ने आज राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान (निस्बड) कैम्पस का दौरा किया और विभिन्न कार्यक्रमों के तहत विभिन्न ट्रेनिज़ और ट्रेनर्स से बातचीत की।

उन्होंने एक यूनिक एग्जीबिशन का भी दौरा किया, जिसमें जेल के कैदियों और अन्य सफल उद्यमियों द्वारा तैयार उत्पादों को प्रदर्शित किया गया था, जिन्होंने निस्बड के तहत ईडीपी प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया है। जेल के कैदियों द्वारा तैयार किए गए इन प्रोडक्ट को संस्थान द्वारा लखनऊ और वाराणसी जेल में आयोजित ईएसडीपी प्रोग्राम्स के दौरान प्रदर्शित किया गया। ये प्रदर्शनियाँ कैदियों पर कौशल विकास और उद्यमशीलता प्रशिक्षण के परिवर्तनकारी प्रभाव को प्रदर्शित करती हैंजो विभिन्न सेक्टर्स और जनसांख्यिकी में उद्यमशीलता और कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए निस्बड की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) को रक्षा मंत्रालय के डायरेक्टरेट जनरल रिसेटलमेंट (डीजीआर) के अंतर्गत निस्बड में उद्यमिता विकास कार्यक्रम से गुजर रहे भूतपूर्व सैनिकों से मिलने का भी सौभाग्य प्राप्त हुआ। डीजीआर द्वारा प्रायोजित यह पहल विशेष रूप से सेवानिवृत्त सशस्त्र बलों के कर्मियों के लिए तैयार की गई हैजिसका उद्देश्य उनके उद्यमिता ज्ञान और कौशल को बढ़ाना है। यह कार्यक्रम यह सुनिश्चित करने के लिए बनाया गया है कि ये सेवानिवृत्त सैनिक वेज़ एम्प्लयामेंट या सेल्फ-एम्प्लॉयमेंट के माध्यम से सेवानिवृत्ति के बाद लाभदायक आजीविका अर्जित कर सकें। मंत्री ने उनके समर्पण और लचीलेपन की सराहना कीतथा यह स्वीकार किया कि वे अपनी नई उद्यमशील भूमिकाओं में समाज के लिए महत्वपूर्ण योगदान देना जारी रखेंगे।निस्बड में 3000 से अधिक पूर्व सैनिकों ने ईडीपी ट्रेनिंग प्राप्त की है। मंत्रालय की विश्व बैंक द्वारा फंडेड संकल्प योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश, दिल्ली और हरियाणा के 19 जिलों के मास्टर ट्रेनर्स के एक समूह को भी निस्बड में प्रशिक्षित किया जा रहा है ।

दो साल में रोहित-द्रविड़ ने ऐसी पलटी बाजी

गयाना (एजेंसी)। भारत ने गुरुवार को इंग्लैंड के खिलाफ 68 रनों से सेमीफाइनल मुकाबला जीतकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। इसी के साथ टीम इंडिया ने अपनी पिछली हार का बदला भी ले लिया। अब भारत का सामना दक्षिण अफ्रीका से शनिवार को होगा। रोहित शर्मा की सेना इस मुकाबले में ऐतिहासिक जीत के साथ खिताब खिताब के सूखे को खत्म करना चाहेगी।

भारत ने लिया इंग्लैंड से बदला

बारिश से प्रभावित दूसरे सेमीफाइनल में गत चैम्पियन इंग्लैंड को 68 रन से हराकर टी20 क्रिकेट विश्व कप 2024 के फाइनल में प्रवेश किया। खिताबी मुकाबले में टीम इंडिया का सामना शनिवार को दक्षिण अफ्रीका से होगा। टूर्नामेंट के 2007 के शुरूआती चरण की चैम्पियन भारतीय टीम इस तरह तीसरे टी20 विश्व कप फाइनल में पहुंची। भारत ने इस जीत से 2022 में इस टूर्नामेंट में इंग्लैंड से सेमीफाइनल में मिली 10 विकेट की हार का बदला भी चुकता किया।

रोहित शर्मा की कप्तानी – भारतीय टीम के फाइनल में पहुंचने का सबसे बड़ा श्रेय रोहित शर्मा की कप्तानी को जाता है। उनके सभी फैसले कारगर साबित हुए हैं। टीम इंडिया के खिलाड़ियों को बैक करना और उन्हें अगले मैच के लिए प्रोत्साहित करना कप्तान का सबसे सराहनीय कार्य रहा है। दिलचस्प बात यह है कि रोहित की कप्तानी में भारत ने सभी आईसीसी प्रतियोगिताओं का फाइनल खेला है। इनमें विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023, वनडे विश्व कप 2023 और टी20 विश्व कप 2024 शामिल है।

बड़े मुकाबलों से पहले रोहित शर्मा का आक्रामक प्रदर्शन – मौजूदा टूर्नामेंट के शुरुआती मैचों में रोहित शर्मा भारत को अच्छी शुरुआत नहीं दिला पाए थे। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सुपर-8 मैच में उन्होंने विराट कोहली के आउट होने के बाद मोर्चा संभाला और 92 रनों की विस्फोटक पारी खेली। उनके दमदार प्रदर्शन की बदौलत भारत सेमीफाइनल में पहुंचा। वहीं, इंग्लैंड के खिलाफ भी रोहित का बल्ला जमकर गरजा और उन्होंने 39 गेंदों में 57 रनों की तूफानी पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 146.15 के स्ट्राइक रेट से छह चौके और दो छक्के लगाए। रोहित का यह प्रयास भारत के लिए मास्टरकार्ड साबित हुआ।

रोहित-द्रविड़ की जोड़ी साबित हुई कारगर – रोहित शर्मा की कप्तानी और राहुल द्रविड़ की कोचिंग में भारतीय टीम ने टी20 विश्व कप 2022 में सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था। एडिलेड में खेले गए इस मुकाबले में भारत को करारी 10 विकेट से करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद भारतीय टीम को आईसीसी के कई टूर्नामेंट्स में भाग लेते देखा गया। रोहित-द्रविड़ के नेतृत्व में टीम इंडिया ने शानदार प्रदर्शन किया और फाइनल तक का सफर तय किया है। उम्मीद है कि इस बार दोनों भारत को खिताब दिलाने में कामयाब होंगे।

भारतीय टीम का एकजुट होकर खेलना – मौजूदा टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों का एकजुट होकर खेलना टीम इंडिया के लिए सबसे बड़ा गेम चेंजर साबित हुआ है। प्लेइंग 11 का हर खिलाड़ी महत्वपूर्ण योगदान देता नजर आ रहा है फिर चाहें टॉप ऑर्डर हो या मिडिल ऑर्डर। वहीं, निचले क्रम के खिलाड़ी भी भारत को जीत दिलाने में अहम योगदान दे रहे हैं।

टीम इंडिया की इंग्लैंड पर बड़ी जीत के 10 कारण

हार्दिक पांड्या का ऑलराउंड प्रदर्शन

भारतीय टीम को फाइनल में पहुंचाने में हार्दिक पांड्या का अहम योगदान रहा है। उन्होंने अपने ऑलराउंड प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण का वह सबसे अहम हिस्सा रहे हैं। इस टूर्नामेंट में उन्होंने कुल 22 ओवर गेंदबाजी की और आठ विकेट हासिल किए। वहीं, उनका इकोनॉमी रेट 7.77 का रहा। इसके अलावा बल्ले से भी उन्होंने धमाल मचाया। सात मैचों में पांड्या ने एक अर्धशतक की मदद से 139 रन बनाए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में पांड्या ने 13 गेंदों में चार चौकों और दो छक्कों की मदद से 23 रनों की आक्रामक पारी खेली।

- **पंत की दमदार वापसी** – टीम इंडिया के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने इसी साल आईपीएल से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की। पहले उन्होंने आईपीएल में अपने बल्ले से धमाल मचाया और अब वह टी20 विश्व कप 2024 में विस्फोटक बल्लेबाजी करते नजर आ रहे हैं। मौजूदा टूर्नामेंट में उन्होंने अब तक 171 रन बनाए हैं। स्टार खिलाड़ी भारत के लिए इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले चौथे बल्लेबाज हैं। उम्मीद है कि आगामी मैच में भी पंत का बल्ला जमकर गरजेगा। इसके अलावा उनकी विकेटकीपिंग ने सभी को प्रभावित किया है। इंग्लैंड के खिलाफ मैच में पंत ने बटलर और मोईन अली को अपनी घातक विकेटकीपिंग के दम पर आउट किया।
- **सूर्यकुमार यादव का विस्फोटक प्रदर्शन** – भारतीय टीम के फाइनल में पहुंचने का एक कारण मिडिल ऑर्डर का प्रदर्शन भी है। सूर्यकुमार यादव की मौजूदगी ने टीम इंडिया को खासा मजबूती दी है। उनका आक्रामक रवैया विरोधी गेंदबाजों के लिए मुसीबत और भारत के लिए वरदान साबित हुआ है। मौजूदा टूर्नामेंट में उन्होंने सात मैचों में 137.06 के स्ट्राइक रेट से 196 रन बनाए हैं।

कुलदीप और अक्षर की घातक गेंदबाजी

भारत को सेमीफाइनल तक पहुंचाने में स्पिनर्स का अहम योगदान रहा। कुलदीप यादव और अक्षर पटेल ने वेस्टइंडीज की पिचों पर खासा प्रभाव छोड़ा। इंग्लैंड के खिलाफ दोनों गेंदबाजों ने तीन-तीन विकेट हासिल किए और भारत को उसकी पिछली हार का बदला लेने में मदद की। कप्तान रोहित शर्मा ने मैच के बाद दोनों की तारीफ करते हुए उन्हें गन स्पिनर्स (जिनके खिलाफ कोई भी रन बनाने से बचता है) करार दिया।

बुमराह की अगुवाई में तेज गेंदबाजी आक्रमण का घातक प्रदर्शन

पिछले टी20 विश्व कप में भारत को जसप्रीत बुमराह की कमी खली थी। वह पीठ में चोट की वजह से टीम इंडिया का हिस्सा नहीं बन पाए थे। हालांकि, मौजूदा टूर्नामेंट में उनकी मौजूदगी में भारत ने शानदार प्रदर्शन किया है। बुमराह की अगुवाई में तेज गेंदबाजी आक्रमण विरोधियों पर कहर बरपाने में कामयाब हुई है। टी20 विश्व कप 2024 में अर्शदीप सिंह ने भारत के लिए सर्वाधिक 15 विकेट हासिल किए हैं। वहीं, बुमराह को 13 सफलताएं मिली हैं।

इन चार खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी

पिछले सेमीफाइनल मैच के मुकाबले भारत की प्लेइंग 11 काफी बदली नजर आई। चार खिलाड़ी इस बार टीम इंडिया का हिस्सा नहीं हैं। इनमें केएल राहुल, रविचंद्रन अश्विन, भुवनेश्वर कुमार और मोहम्मद शमी शामिल हैं। चारों ही खिलाड़ी टी20 विश्व कप 2022 में भारत की इंग्लैंड के खिलाफ हार का सबसे बड़ा कारण रहे थे।

संक्षिप्त समाचार

अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ देश को पदक दिलाना लक्ष्य : मीराबाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने अगले महीने शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ देश को एक और पदक दिलाने का लक्ष्य रखा है। मीराबाई पेरिस ओलंपिक का टिकट पक्का करने वाली भारत की इकलौती भारोत्तोलक है। 49 किग्रा वजन वर्ग में प्रतिस्पर्धा करने वाली यह खिलाड़ी पदक के सपने को पूरा करने के लिए चोट से बचने पर ध्यान दे रही है। तीसरी बार ओलंपिक खेलों में भाग लेने की तैयारी कर रही मीराबाई ने साइ (भारतीय खेल प्राधिकरण), आईओसी (भारतीय ओलंपिक संघ) और भारतीय भारोत्तोलक महासंघ (आईडब्ल्यूएलएफ) के सौजन्य से आयोजित ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में पटियाला से कहा, 'पेरिस को लेकर रोमांचित हूं लेकिन थोड़ी घबराहट और तनाव भी है। पिछले तीन साल (तोक्यो ओलंपिक के बाद) में मेरे काफी प्रतिद्वंद्वी बदल गये हैं। भारत के लिए पदक जीतने का दबाव है लेकिन अगर मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सफल रही तो देश के लिए पदक जीत सकती हूं। मीराबाई चानू का स्नैच में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 88 किग्रा तथा क्लीन एवं जर्क में 119 किग्रा का है। वह चोटों से जूझती रही हैं और पीठ की समस्या तो हमेशा ही रहती है। एशियाई खेलों में वह कूल्हे की चोट से परेशान थीं जिससे वह पांच महीने तक खेल से दूर रहीं। अपने अमेरिकी फिजियो डॉ. आरोन हॉर्शिग और कोच विजय शर्मा के साथ चोटों से उबरना उनकी बड़ी चुनौती रही है। उन्होंने कहा कि वह धीरे-धीरे वजन उठाने की क्षमता को बढ़ा रही है। मीराबाई ने कहा, 'मैं धीरे-धीरे वजन उठाने की अपनी क्षमता को बढ़ा रही हूं। अभी मैंने 80-85 प्रतिशत फिटनेस हासिल कर ली है और अभ्यास के दौरान स्नैच में 70 से 80 किग्रा तथा क्लीन एवं जर्क में 100 से 110 किग्रा का भार उठा रही हूं। हम इसे धीरे-धीरे बढ़ाएंगे।% उन्होंने अपने भार उठाने के लक्ष्य के बारे में पूछे जाने पर कहा, 'इस बारे में कुछ कहना मुश्किल है लेकिन मेरी कोशिश स्नैच में 90 किग्रा और क्लीन एवं जर्क में पहले से बेहतर करने की होगी।

सुपरबेट चैस क्लासिक शतरंज

गुकेश नें जीत से खोला खाता

बुखारेस्ट, रोमानिया (एजेंसी)। ग्रांड चैस टूर के दूसरे पड़ाव सुपरबेट चैस क्लासिक के पहले राउंड में भारत के डी गुकेश नें शानदार जीत के साथ अपना खाता खोल लिया है, गुकेश नें सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए रोमानिया के बोगदान डेनियल को मात दी। फीडे कैंडिडैट के विजेता बनने के बाद गुकेश का यह पहला क्लासिकल मुक़ाबला था। वहीं एक और जीत मिली यूएसए के फबियानों करूआना को उन्होने फ्रांस के अलीरेजा फिरौजा को मात देते जीत दर्ज की। अन्य मुकाबलों में भारत के आर प्रज्ञानन्दा नें उज़्बेकिस्तान के अब्दुसत्तोरोव नोदिरबेक से, रूस के यान नेपोमनिशी नें फ्रांस के मकसीम वारचेर लागरेव से और यूएसए के वेसली सो नें नीदरलैंड के अनीश गिरि से ड्रॉ खेला। अगले राउंड में गुकेश का मुक़ाबला नेपोमनिशी से और प्रज्ञानन्दा का सामना मकसीम वारचेर लागरेव से होगा। 26 जून से 5 जुलाई तक खेले जाने वाले इस 9 राउंड के राउंड रॉबिन क्लासिकल टूर्नामेंट की पुरुस्कार राशि कुल 350000 डॉलर है।

टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल 2024

आज करिश्माई भारत के सामने दमदार दक्षिण अफ्रीका की चुनौती

ब्रिजटाउन (बारबाडोस) (एजेंसी)। रोहित शर्मा की अगुवाई में भारतीय टीम शनिवार को जब टी20 विश्व कप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैदान पर उतरेगी तो उसके सामने पिछले 10 साल से अधिक के वैश्विक खिताबी सूखे को खत्म करने की चुनौती होगी। अपने फाइनल तक के अभियान में दोनों टीमें अजेय रही हैं लेकिन बड़े टूर्नामेंटों के कई फाइनल मैचों को खेलने के अनुभव के कारण भारत का पलड़ा भारी होगा।

दक्षिण अफ्रीका 1998 के बाद पहली बार आईसीसी के किसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचा है। टूर्नामेंट में भारत का अभियान पिछले साल घरेलू वनडे विश्व कप के समान ही रहा है, जहां वे फाइनल में पहुंचे थे लेकिन खिताबी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने उनसे बेहतर प्रदर्शन किया था। भारत यहां भी अब तक सर्वश्रेष्ठ टीम रहा है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि इस बार उनके सामने ऑस्ट्रेलिया की चुनौती नहीं है।

दक्षिण अफ्रीका की आईसीसी स्पर्धाओं में एकमात्र जीत 1998 में चैंपियंस ट्रॉफी (उस समय इसका नाम आईसीसी नॉक-आउट ट्रॉफी था) में हुई थी। टीम 'चोकर्स' के अपने तमगे को पीछे छोड़कर फाइनल में पहुंची है और वे खिताबी मुकाबले में भी इस तमगे को धत्ता बताने की कोशिश करेंगे। आईपीएल खिताब को अपनी अब तक सबसे बड़ी उपलब्धि बताने वाले उनके कुछ खिलाड़ियों के लिए विश्व कप ट्रॉफी सबसे बड़ा पुरस्कार होगा।

गयाना में सेमीफाइनल में भारत की इंग्लैंड पर जीत के बाद बाद प्रशंसकों और विशेषज्ञों की भावनाओं को देखा जाए तो रोहित शर्मा की टीम खिताब की प्रबल दावेदार होगी। भारत की टीम का संयोजन कैरेबियाई देशों की पिचों के मुताबिक है। टीम इस मैच में पिछले साल 19 नवंबर को अहमदाबाद में एक लाख दर्शकों के सामने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली एकदिवसीय विश्व कप फाइनल की निराशा को पीछे छोड़ने के लिए बेकरार है। विश्व कप खिताब जीत चुके एक कप्तान ने गयाना से बारबडोस की उड़ान के दौरान विमान में कहा, 'मैं जानता हूं कि आईसीसी फाइनल में भारत के साथ लंबे समय से समस्याएं रही हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि दक्षिण अफ्रीका कोई चुनौती पेश कर पाएगा।

फाइनल में पहुंचकर कप्तान रोहित शर्मा की टीम को खास सलाह

कप्तान रोहित शर्मा ने दबाव में टीम इंडिया के शांत रहने की सराहना की है क्योंकि उन्होंने इंग्लैंड को हराकर टी20 विश्व कप के फाइनल में प्रवेश किया है और अपनी टीम से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खिताबी मुकाबले में भी यही मानसिकता बनाए रखने का आग्रह किया है। भारत ने गुरुवार को इंग्लैंड पर 68 रन की जीत के साथ टी20 विश्व कप के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। भारत का लक्ष्य आईसीसी टूर्नामेंटों में अपने हाल के सूखे को खत्म करना और 2007 में दक्षिण अफ्रीका में जीती गई टी20 विश्व कप ट्रॉफी के अलावा दूसरा टी20 विश्व कप जीतना है। रोहित ने कहा, हम एक टीम के रूप में बहुत शांत रहे हैं। मुझे पता है कि हम इस अवसर को समझते हैं। यह एक बड़ा अवसर है। लेकिन हमारे लिए यह महत्वपूर्ण है कि हम शांत रहें क्योंकि मुझे लगता है कि शांत और संयमित रहने से आपको अच्छे निर्णय लेने में मदद मिलती है। और यही वह चीज है जिसकी हमें आवश्यकता होगी।

संभावित प्लेइंग 11

भारत – रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेट कीपर), सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे, हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह

दक्षिण अफ्रीका– क्विंटन डी कॉक (विकेट कीपर), रीजा हेंड्रिक्स, एडेन मार्कराम (कप्तान), हेनरिक क्लासेन, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, मार्को जेनसन, केशव महाराज, कैगिसो रबाडा, एनरिक नॉर्टजे, तबरेज शम्सी

समय – मैच भारतीय समयानुसार रात 8 बजे होगा।

सेमीफाइनल में भारत से हार पर बोले बटलर, इस प्लेयर को शामिल न करने का पछतावा

प्रोविडेंस (गुयाना) (एजेंसी)। टी20 विश्व कप 2024 के सेमीफाइनल में भारत के खिलाफ अपनी टीम की 68 रनों की हार के बाद इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने कहा कि गुयाना में मेन इन ब्लू ने उन्हें मात दी। मैच के बाद बटलर ने कहा कि भारत सेमीफाइनल मैच में थ्री लायंस पर जीत का हकदार था। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि भारत ने हमें मात दी। वे जीत के पूरी तरह हकदार थे। इसलिए, हां मुझे लगा कि उनका स्कोर औसत से बेहतर था। मैं उन्हें उस पिच पर संभवतः 145 - 150 तक सीमित रखने की उम्मीद कर रहा था। वहां से पीछा करना हमेशा कठिन होने वाला था। उन्होंने कहा कि पहली पारी के पावरप्ले में गेंदबाजी करते समय अंग्रेज किस्मत के साथ नहीं खेले। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हमने पावर प्ले में थोड़ी किस्मत के बिना गेंदबाजी की, कुछ करीबी कॉल आए। लेकिन, हां मुझे लगता है कि पीछे देखने और सोचने का लाभ, मैं निश्चित रूप से मैच में मोइन (अली) को शामिल कर सकता था। इसलिए, हां यहां-वहां कुछ-कुछ हुआ। मैच की बात करें तो आखिरकार टी20 विश्व कप 2024 में भारतीय टीम ने क्रिकेट इतिहास की अपनी दो बड़ी हार का बदला ले ही लिया। वनडे विश्व कप 2023 फाइनल में ऑस्ट्रेलिया तो 2022 टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में इंग्लैंड से मिली हार को भारतीय दर्शक भूले नहीं थे।

सब कुछ भारत के टी20 विश्व कप फाइनल में पहुंचने के लिए तैयार था : इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन

ग्याना (एजेंसी)। आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में भारत के खिलाफ इंग्लैंड के हारने के बाद पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने कहा कि जोस बटलर की अगुआई वाली टीम एक ऐसी टीम से हारी जिसने इस टूर्नामेंट में सभी आधार कवर किए थे। ग्रुप स्टेज अभियान में उतार-चढ़ाव के बाद जोस बटलर की टीम ने यूएसए को हराकर शानदार तरीके से अगले दौर में जगह बनाई। हालांकि वे भारत को मात नहीं दे सके। भारत अब शनिवार 29 जून को फाइनल में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा।

हुसैन ने अपने कॉलम में लिखा, गुरुवार को सब कुछ भारत के टी20 विश्व कप फाइनल में पहुंचने के लिए तैयार था - सतह, स्थल, सब कुछ उनके पक्ष में लग रहा था। लेकिन अगर आप चीजों को और विस्तार से देखें, तो वे इंग्लैंड के खिलाफ इस सेमीफाइनल में सेंट लूसिया में उछाल वाली, अच्छी पिच पर 50 ओवरों के विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को हराने के बाद आए थे और फिर कम, धीमी पिच पर वापस आकर आराम से जीत गए।

उन्होंने कहा, जिस तरह से उन्होंने खेला, उसके लिए उन्हें बधाई और यह सही लगता है कि टूर्नामेंट में दो अजेय टीमें भारत और दक्षिण अफ्रीका शनिवार को बारबाडोस में आमने-सामने होंगी।

हुसैन ने अपने कॉलम में लिखा, गेंद को नीचे रखने वाले तेज गेंदबाजों और बिना उछाल के उसे घुमाने वाले स्पिनरों के संयोजन ने 171/7 के स्कोर को बचाव के लिए काफी अच्छा स्कोर बना दिया और रोहित शर्मा ने अपने पसंदीदा शॉट - पुल - को समीकरण से बाहर करके एक और अर्धशतक बनाकर अपनी क्लास दिखाई।

इंग्लैंड दौरे के लिए विंडीज टीम घोषित, केमार रोच की जगह नए गेंदबाज की एंट्री

सेंट जॉन्स (एजेंसी)। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने इंग्लैंड में 10 जुलाई, 2024 से लॉर्ड्स में शुरू होने वाली तीन टेस्ट मैचों की रिचर्ड्स बॉथम श्रृंखला के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम में एक महत्वपूर्ण बदलाव हुआ है। इंग्लैंड में काउंटी चैंपियनशिप के दौरान घुटने की चोट से रोच के पुनर्वास के कारण केमर रोच की जगह सेंट किट्स एंड नेविस के तेज गेंदबाज जेरेमिया लुइस को लिया गया है। मुख्य चयनकर्ता डेसमंड हेन्स ने कहा कि अंग्रेजी परिस्थितियों में केमर के कौशल और अनुभव को याद किया जाएगा। हालांकि जेरेमिया लुइस लंबे समय से यह अवसर लेना चाह रहे थे। उनके पास निश्चित रूप से इंग्लैंड में प्रभाव डालने का कौशल और अनुभव है। रिचर्ड्स बॉथम श्रृंखला, जिसका नाम वेस्टइंडीज के दिग्गज सर विवियन रिचर्ड्स और इंग्लैंड के महान लॉर्ड इयान बॉथम के नाम पर रखा गया है, 1928 से चली आ रही एक ऐतिहासिक प्रतिद्वंद्विता है, जब वेस्टइंडीज ने पहली बार इंग्लैंड का दौरा किया था।

टीम टोनब्रिज स्कूल में एक प्रशिक्षण शिविर में है और 4 जुलाई से बेकेनहैम में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ 3 दिवसीय अभ्यास मैच खेलेगी। 19 वर्षीय तेज गेंदबाज इसाई थॉर्न टीम में शामिल होंगे।

इंग्लैंड को सेमीफाइनल में हराकर रोने लगे रोहित शर्मा, विराट कोहली ने संभाला

ग्याना (एजेंसी)। भारत ने इंग्लैंड को टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में हराकर फाइनल में प्रवेश किया और इसी के साथ ही टीम इंडिया का एडिलेड में 10 विकेट से हार का बदला भी चुकता हो गया। इस जीत के बाद रोहित शर्मा रोते हुए नजर आए जिसके बाद विराट कोहली ने उन्हें सांत्वना दी।

भारत ने एकतरफा मुकाबले में इंग्लैंड को 68 रनों से हराकर सात महीने में अपने दूसरे विश्व कप फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। रोहित ने धैर्य बनाए रखा। भारत ने 172 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड को 103 रनों पर ढेर कर दिया और हाथ मिलाने और एक-दूसरे से बातचीत करने के बाद रोहित चुपचाप ड्रेसिंग रूम की बालकनी में बैठ गए और अपने विचारों में खो गए। रोहित के साथी विराट कोहली ने अपने कप्तान के चहरे पर मुस्कान लाने की कोशिश की। लेकिन ऐसा नहीं हो सका। रोहित उस कुर्सी पर बैठ गए, उनका ध्यान पहले से ही शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले फाइनल पर था।

पूर्व भारतीय मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कमेंट्री में भारतीय कप्तान के मूड को पूरी तरह से व्यक्त करते हुए कहा, आप रोहित शर्मा के चेहरे पर राहत देख सकते हैं। उस कुर्सी पर बैठे हुए। वह क्या सोच रहे होंगे? मैं आपको बताता हूं... वह पहले से ही ब्रिजटाउन की ओर देख रहे हैं। शनिवार को क्या होने वाला है... फाइनल?

पिछले साल रोहित ने भारत को तीन आईसीसी इवेंट के फाइनल में पहुंचाया है - जून 2023 में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप, नवंबर में 50 ओवरों का विश्व कप और अब यह। हां, सभी ने सात महीने पहले कहा था कि यह भारत के लिए विश्व कप जीतने का सबसे अच्छा मौका है, लेकिन अब से 36 घंटे बाद जो होने वाला है, उससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता। यह उचित ही है कि टूर्नामेंट में दो अजेय टीमें टी20 विश्व कप फाइनल खेलें। लेकिन भारत के लिए, एक दशक लंबे इंतजार को खत्म करने का इससे बेहतर मौका और नहीं हो सकता।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान के फैसलाबाद में 'गुरुद्वारा' बनाने की इजाजत पर भड़का मुस्लिम समुदाय

फैसलाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सरकार ने और पाकिस्तान की पंजाब सरकार ने फैसलाबाद में गुरुद्वारा बनाने की इजाजत दी है। इस फैसले के बाद पूरे फैसलाबाद के मुस्लिम भड़क गए हैं। पाकिस्तान के फैसलाबाद से प्रांतीय असेंबली का सदस्य (विधायक) ने इसका कड़ा विरोध किया है। उन्होंने कहा कि सिख लोग मुसलमानों के हत्यारे और बलात्कारी हैं, इन्होंने भूतकाल में मुसलमानों का कत्लेआम किया है। आगे कहा कि हम किसी भी कीमत पर फैसलाबाद में गुरुद्वारा नहीं बनने देंगे। यह पाकिस्तान हमारे अल्लाह की जमीन है, यहां सिर्फ मस्जिद बनेगी और अगर पाकिस्तान सरकार ने गुरुद्वारा बनने दिया तो हम बहुत तगड़ा विरोध करेंगे।

तुर्की पुलिस ने आईएस के 10 संदिग्धों को पकड़ा

इस्तांबुल, एजेंसी। तुर्की पुलिस ने गुरुवार को इस्तांबुल में एक अभियान के दौरान इस्लामिक स्टेट (आईएस) के 10 संदिग्ध सदस्यों को हिरासत में ले लिया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि इस्तांबुल पुलिस विभाग की आतंकवाद निरोधी इकाई ने सीरिया और उत्तरी इराक में आईएस के साथ हिंसात्मक गतिविधियों में शामिल संदिग्धों की पहचान के बाद अभियान शुरू किया। रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने बताया कि हिरासत में लिए गए आरोपी विदेशी नागरिक हैं। सरकारी समाचार एजेंसी अनादोलु ने बताया कि सात जिलों में 17 ठिकानों पर एक साथ कार्रवाई की गई। तुर्की सरकार ने 2013 में आईएस को एक आतंकवादी संगठन घोषित किया था। इसे 2015 से देश में हुए कई घातक हमलों के लिए जिम्मेदार ठहराया था। इसमें जनवरी में इस्तांबुल में एक रोमन कैथोलिक चर्च पर हमला भी शामिल था। इस हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी।

अरुंधति रॉय 'निर्भीक लेखन के लिए ब्रिटेन के पेन पिंटर पुरस्कार से सम्मानित

लंदन, एजेंसी। बुकर पुरस्कार से सम्मानित अरुंधति रॉय को निर्भीक और मुखर लेखन के लिए बृहस्पतिवार को ब्रिटेन के प्रतिष्ठित पेन पिंटर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। रॉय 14 साल पहले कश्मीर के बारे में दिए गए अपने बयानों के लिए फिलहाल मुकदमे के खतरे का सामना कर रही हैं। साल 2009 में इंग्लिश पेन नामक चैरिटी द्वारा स्थापित यह पुरस्कार नोबेल पुरस्कार विजेता नाटककार हेरोल्ड पिंटर की स्मृति में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए दिया जाता है। रॉय (62) ने इस वर्ष की विजेता घोषित होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा, मुझे पेन पिंटर पुरस्कार स्वीकार करते हुए बहुत खुशी हो रही है। काश हेरोल्ड पिंटर आज हमारे बीच होते और दुनिया में हो रहे समझ से परे घटनाक्रमों के बारे में लिखते। चूंकि वह नहीं हैं, इसलिए हममें से कुछ लोगों को उनका स्थान लेने की कोशिश करनी चाहिए। इस साल के निर्णायक मंडल ने पुरस्कार के लिए रॉय के नाम का चयन किया, जिसमें इंग्लिश पेन के अध्यक्ष रुथ बोर्थविक, अभिनेता व कार्यकर्ता खालिद अब्दुल्ला और लेखक व संगीतकार रोजर रॉबिन्सन शामिल हैं। ब्रिटिश लाइब्रेरी की सह-मेजबानी में आयोजित समारोह में 10 अक्टूबर को रॉय को पुरस्कार प्रदान किया जाएगा, जहां वह भाषण भी देंगी। बोर्थविक ने कहा, रॉय बौद्धिक और सुंदर तरीके से अन्याय की महत्वपूर्ण कहानियां बयां करती हैं। वह वास्तव में एक अंतरराष्ट्रीय विचारक हैं और उनकी शक्तिशाली आवाज को दबाया नहीं जा सकता। अब्दुल्ला ने कहा, अरुंधति रॉय स्वतंत्रता और न्याय की एक उवल आवाज हैं, जिनके शब्द लगभग 30 वर्षों से अत्यंत स्पष्टता व दृढ़ संकल्प के साथ सामने आ रहे हैं।

अमेरिकी जांच एजेंसी ने 737 मैक्स घटना की जांच का ब्योरा साझा करने पर लगाया प्रतिबंध

न्यूयॉर्क, एजेंसी। विमान विनिर्माता बोइंग को अमेरिकी संघीय जांच के बारे में जानकारी मीडिया के साथ साझा करने पर अमेरिकी जांचकर्ता उसे प्रतिबंधित करने जा रहे हैं। यह मामला इस साल पांच जनवरी को बोइंग 737 मैक्स 9 विमान में एक बड़ा छेद होने के कारण पैदा हुई आपात स्थिति की जांच से संबंधित है। हालांकि, पायलट विमान को बिना किसी क्षति के सुरक्षित उतारने में सफल रहे थे। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) ने बृहस्पतिवार को कहा कि बोइंग ने विमान में आपात दरवाजे की जगह पर लगाए गए डोर प्लग के निकल जाने के बारे में मीडिया को गैर-सार्वजनिक जांच जानकारी देकर और घटना के संभावित कारणों के बारे में अटकलबाजी कर एजेंसी के जांच नियमों का 'स्पष्ट उल्लंघन किया है। यह घटना ओरेगन के पोर्टलैंड में पांच जनवरी को हुई थी जिसमें बोइंग का 737 मैक्स 9 विमान किसी बड़े हादसे का शिकार होने से बाल-बाल बचा था। अलास्का एयरलाइंस के इस विमान में अतिरिक्त आपातकालीन दरवाजे वाली जगह को एक पैनल से ढंका गया था लेकिन यह पैनल उखड़ गया। हालांकि, पायलट बिना किसी नुकसान के विमान को सुरक्षित रूप से उतारने में सफल रहे थे। एनटीएसबी ने कहा कि मंगलवार को बोइंग के एक अधिकारी ने मीडिया को अलास्का एयरलाइंस की घटना के बारे में जांच संबंधी गैर-सार्वजनिक जानकारी दी थी। लेकिन यह सूचना सत्यापित नहीं थी और जारी करने के लिए अधिकृत नहीं थी। एनटीएसबी ने कहा कि बोइंग ने एनटीएसबी की जांच को डोर प्लग उखड़ने के लिए जिम्मेदार व्यक्ति की तलाश के रूप में पेश किया, लेकिन एजेंसी ने कहा कि यह दुर्घटना के संभावित कारण पर केंद्रित है और वह किसी व्यक्ति पर दोष नहीं लगा रही है। बोइंग ने जांच एजेंसी की टिप्पणी पर अबतक कोई जवाब नहीं दिया है।

ट्रंप का दावा- पद संभालने से पहले ही खत्म कर देंगे रूस-यूक्रेन जंग, बाइडन का तर्क- पुतिन युद्ध अपराधी हैं

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में इस साल पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होना है। शुक्रवार को अमेरिका में पहली प्रेसिडेंशियल डिबेट (बहस) हुई। मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आमने-सामने आए। इस दौरान रूस-यूक्रेन युद्ध और हमास-इस्राइल जंग को लेकर एक दूसरे पर जमकर हमला किया। रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि अफगानिस्तान से अमेरिका का वापस लौटना शर्मनाक था। इसकी वजह से ही रूसी राष्ट्रपति पुतिन को यूक्रेन के खिलाफ जंग शुरू करने का बढ़ावा मिला। उन्होंने आगे दावा किया कि अगर वह सत्ता में होते तो दोनों ही युद्ध नहीं होते।

यह बहुत शर्मनाक : ट्रंप ने आगे कहा, वह अफगानिस्तान के साथ बहुत बुरे थे। यह बहुत शर्मनाक था। पुतिन ने देखा कि ताकत कमजोर हो गई है। जब पुतिन कहते हैं कि उन्होंने पहले ही कह दिया था कि उन्हें लगता है कि वह अंदर जाने वाले हैं। उन्होंने कहा, पुतिन यूक्रेन पर कभी आक्रमण नहीं करते, कभी नहीं। ठीक वैसे ही हमास भी कभी इस्राइल पर आक्रमण नहीं करता, क्योंकि ईरान ने मुझसे नाता तोड़ लिया था। मैं किसी को भी ईरान के साथ व्यापार नहीं करने देता। इसलिए मेरे प्रशासन के दौरान आपको बिल्कुल भी आतंक का सामना नहीं करना पड़ा, पूरी दुनिया उनके (बाइडन) शासन में हिल गई है।

बाइडन ने किया अपना बचाव : राष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडन ने यूक्रेन का समर्थन करने पर अपने रुख का बचाव किया। उन्होंने कहा कि रूस ने हजारों सैनिकों को खो दिया है और कीव पर कब्जा करने के अपने उद्देश्य में सफल नहीं हुआ है। उन्होंने आगे कहा, इस शख्स (ट्रंप) ने पुतिन से कहा कि आप जो करना चाहें करें। पुतिन का कहना था कि वह पांच दिनों में कीव पर कब्जा कर लेंगे क्योंकि यह पुराने सोवियत संघ का हिस्सा था। मगर वह ऐसा नहीं कर सके, उन्होंने हजारों सैनिकों को खो दिया है।

पुतिन युद्ध अपराधी : रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को युद्ध अपराधी करार देते हुए बाइडन ने चेतावनी दी कि अगर रूस यूक्रेन पर कब्जा कर लेता है तो इससे यूरोप में और संघर्ष हो सकता है। उन्होंने कहा कि पुतिन युद्ध अपराधी हैं। उन्होंने हजारों लोगों को मार डाला है। उन्होंने एक बात स्पष्ट कर दी है कि वह पूरे यूक्रेन में सोवियत साम्राज्य की स्थापना करना चाहता है। क्या आपको लगता है, वह इतने पर ही रुक जाएंगे। अगर वह यूक्रेन पर कब्जा कर लेते हैं, तो आप सोच सकते हैं कि पोलैंड, बेलारूस, नाटो देशों के साथ क्या होगा।

ट्रंप का तर्क : इस बीच, जब उनसे पूछा गया कि युद्ध समाप्त करने के लिए पुतिन की शर्तें (यूक्रेन का नाटो में शामिल न होना और रूस द्वारा अब तक कब्जा किए गए क्षेत्रों को अपने पास रखना) मानी जाएंगी, इस पर ट्रंप ने कहा कि ये उन्हें स्वीकार्य नहीं हैं। उन्होंने अपने दावे को भी दोहराया कि वह पद संभालने से पहले ही रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष को समाप्त कर देंगे। उन्होंने यूक्रेन को दिए जाने वाले अमेरिकी समर्थन पर भी चुटकी ली। जेलेंस्की को सेल्समैन यानी विक्रेता बताया। ट्रंप ने कहा, यह एक ऐसा युद्ध है जो कभी शुरू नहीं होना चाहिए था। उन्होंने (बाइडन) यूक्रेन को 200 अरब डॉलर या उससे अधिक की सहायता दी है। यह बहुत सारा पैसा है। जेलेंस्की जब भी देश में आते हैं, वह 60 अरब डॉलर लेकर चले जाते हैं, वह अब तक के सबसे बड़े सेल्समैन हैं। उन्होंने कहा, ऐसा कभी नहीं होना चाहिए था. मैं 20 जनवरी को पदभार ग्रहण करने से पहले नवनिर्वाचित राष्ट्रपति के रूप में पुतिन और जेलेंस्की के बीच इस युद्ध को सुलझाना चाहता हूं। ट्रंप ने नाटो का मुद्दा भी उठाया और कहा कि अन्य यूरोपीय देश भुगतान नहीं करना चाहते। उन्होंने कहा, मैंने जो बड़ी चीज बदली है, वह यह है कि वे भुगतान नहीं करना चाहते हैं। मैंने उनसे 100 अरब डॉलर जमा करवाए। मैंने कहा कि अगर वे भुगतान नहीं करते हैं तो मैं उनकी रक्षा नहीं करूंगा। उन्होंने कहा कि इसके परिणामस्वरूप लाखों डॉलर का निवेश हुआ।

गाजा में इस्राइल-हमास युद्ध का मुद्दा भी बहस में उठा। राष्ट्रपति बाइडन ने कहा कि संघर्ष विराम प्रस्ताव इस्राइल द्वारा स्वीकार कर लिया गया है और यह हमास है जो युद्ध जारी रखना चाहता है। हम अभी भी युद्ध विराम की शर्तों को स्वीकार करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि इस्राइल को गाजा में काम खत्म करने की अनुमति दी जानी चाहिए। वहीं बाइडन को कमजोर फलस्तीनी के रूप में मजाक उड़ाया। उन्होंने कहा कि आपको उसे (इस्राइल) जाने देना चाहिए और काम खत्म करना चाहिए। वह (बाइडन) एक फलस्तीनी की तरह हो गए हैं, लेकिन वे उन्हें पसंद नहीं करते क्योंकि वह बहुत बुरे फलस्तीनी हैं, बहुत कमजोर हैं। पूर्व राष्ट्रपति ने सीधे जवाब नहीं दिया कि क्या वह गाजा में इस्राइल और हमास के बीच युद्ध को समाप्त करने के लिए एक स्वतंत्र फलस्तीनी राज्य का समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें देखना होगा।

अब लेबनान पर भी हमले को तैयार इजरायल, बोला- पाषाण युग में पहुंचा देंगे, सीमा पर सेना बढ़ी

येरूशलम, एजेंसी। इजरायल की ओर से गाजा पट्टी पर बीते 9 महीनों से लगातार हमले जारी हैं। खान यूनिस, राफा समेत कई शहर इजरायली हमलों से तबाह हो चुके हैं और करीब 10 लाख लोगों को पलायन करना पड़ा है। इसके बाद अब वह एक और मोर्चा खोलने की तैयारी में है। इजरायल ने लेबनान की सीमा पर अपने सैनिकों को तैनात कर दिया है और किसी भी समय हमले के लिए तैयार रहने को कहा है। गाजा पट्टी में हमास की ओर से जारी हमलों के बीच इजरायल पर हिजबुल्लाह ने भी आतंकी हमले किए थे। यह आतंकी संगठन लेबनान में सक्रिय है और उसे ईरान का समर्थन हासिल है। ऐसे में इजरायल ने अब लेबनान को ही निशाना बनाने का फैसला लिया है। इजरायल के इस ऐलान के साथ ही दुनिया भर के नेता सतर्क हो गए हैं। कई नेताओं ने बेंजामिन नेतन्याहू को चेताया है कि वह इससे बचें क्योंकि युद्ध बड़ा रूप ले सकता है। नेतन्याहू ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें वह इजरायली सुरक्षा बलों से कह रहे हैं कि हम जीत के लिए तैयार और प्रतिबद्ध हैं। हम इससे कम किसी चीज पर नहीं रुकेंगे। इजरायल के वरिष्ठ अधिकारियों ने लेबनान सीमा का दौरा किया है। लेबनान और इजरायल के बीच यह तनाव ऐसे वक्त में हुआ है, जब डिफेंस मिनिस्टर याओव गैलेंट 4 दिनों के वॉशिंगटन दौरे से निकले हैं। लेबनान में सक्रिय आतंकवादी संगठन हिजबुल्लाह को ईरान का समर्थन रहा है। उसकी ओर से बीते महीनों में लगातार इजरायल की ओर मिसाइलें दागी गई हैं। इसके चलते इजरायल एक साथ दो मोर्चों पर घिरा है। पहले इजरायल ने हमास पर तीखे हमले बोले और गाजा पट्टी को तबाह कर डाला। इसके बाद अब इजरायल ने लेबनान को निशाना बनाने का फैसला लिया है।

इडाहो राज्य में महिलाओं को आपात स्थिति में होगी गर्भपात की इजाजत, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

इडाहो (अमेरिका), एजेंसी। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक चौंकाने वाले फैसले में इडाहो के कड़े गर्भपात प्रतिबंध से जुड़ी अपील को खारिज किया। गर्भपात अधिकार समर्थकों के लिए इस फैसले को एक जीत माना जा रहा है। यह फैसला भविष्य में महिलाओं को आपात स्थिति में गर्भपात की अनुमति देगा। सीएनएन ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। शीर्ष अदालत ने आज एक निचली अदालत के उस फैसले को बरकरार रखा जिसमें चिकित्सा आपात स्थिति में इडाहो में गर्भपात को जारी रखने की अनुमति दी गई थी। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब एक दिन पहले गलती से शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर एक विज्ञप्ति जारी की गई, जिसमें कहा गया था कि चिकित्सा आपात स्थिति में राज्य में गर्भपात की अनुमति दी जाएगी। हालांकि बाद में इस बयान को हटा दिया गया। इडाहो अमेरिका का एक ऐसा राज्य है, जिसे गर्भपात पर सख्त पाबंदियों के लिए जाना जाता है। शीर्ष अदालत का यह फैसला 2024 के अमेरिकी चुनावों से पहले मचे सियासी घमासान के बीच आया है। सुप्रीम कोर्ट के जून 2022 के रो बनाम वेड के फैसले बाद इडाहो में गर्भपात को कानून द्वारा अपराध घोषित कर दिया गया था। कानून के मुताबिक, राज्य में गर्भपात करने वाले को दो से पांच साल तक की कैद हो सकती है।

फिर भड़का इजरायल, गाजा पर तेज किए हमले फिलिस्तीनियों को दक्षिण की ओर जाने को कहा

गाजा, एजेंसी। इजरायल ने गुरुवार को गाजा शहर के एक इलाके में हमास के गुर्गों को निशाना बनाकर हमला किया। उसने फिलिस्तीनियों से दक्षिण की ओर जाने को कहा। इजरायली टैंक राफा शहर में घुस गए और जमकर बमबारी करने लगे। दोपहर के समय गोलीबारी की आवाज सुनकर गाजा शहर के शेजिया इलाके में रहने वाले लोग चौंक गए। इजरायल ने देर रात तक बमबारी की और बाद में ड्रोन से हमला भी किया।

समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने अपनी एक रिपोर्ट में गाजा के रहने वाले 25 साल के मोहम्मद जमाल के हवाले से कहा, ऐसा लग रहा था कि युद्ध फिर से शुरू हो रहा है। हमारे घरों के आसपास बमबारी हो रही थी। कई घरों को नष्ट कर दिया और इमारतों को हिला दिया। फिलिस्तीनी इमरजेंसी एजेंसी का भी बयान सामने आया। उसने कहा कि इजरायली हमलों के कारण शेजिया में कम से कम सात लोग मारे गए हैं। मलबे के नीचे और भी लोगों के दबे होने की आशंका है। इस मामले पर इज़रायली सेना के प्रवक्ता ने कहा कि उनके पास कहने के लिए कुछ नहीं है। वहीं, हमास के सहयोगी इस्लामिक जिहाद ने बताया कि उसके सशस्त्र विंग ने एक विस्फोटक उपकरण को नष्ट कर दिया है। इज़रायल का कहना है कि वह विस्थापित लोगों को विद्रोहियों के खिलाफ अपने ऑपरेशन की लाइन से दूर रहने की चेतावनी दी है। उसने हमास आतंकवादियों पर नागरिकों के बीच छिपने का आरोप है। स्थानीय लोगों और हमास मीडिया ने बताया कि इज़रायल ने दक्षिण की ओर सड़क को अवरुद्ध कर दिया था।

दमिश्क में भी हमला सीरिया की राजधानी दमिश्क के दक्षिणी इलाकों में बुधवार रात को विस्फोट की कई आवाजें सुनी गयीं, इजरायल की ओर से किये गये मिसाइल हमले प्रतीत होते हैं। स्थानीय मीडिया ने गुरुवार को अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। प्रत्यक्षदर्शियों और शाम एफएम रेडियो के अनुसार, हमले दमिश्क के दक्षिणी ग्रामीण इलाके में सैय्यदा ज़ैनब उपनगर के पास एक इलाके में हुए। इस बीच, सीरियन ऑब्ज़र्वेटरी फ़ॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि सीरियाई वायु रक्षा मिसाइलों के साथ-साथ दमिश्क के ग्रामीण इलाकों में विस्फोटों की आवाज सुनी गई।

अंतरिक्ष में अचानक टूटकर बिखर गया रूस का सैटलाइट, स्पेसक्राफ्ट में छिप गए आईएसएस के अंतरिक्षयात्री

मास्को, एजेंसी। रूस का एक ऑब्जरेशन सैटलाइट अंतरिक्ष में अचानक टूटकर सैकड़ों टुकड़ों में बिखर गया। इसके मलबे से बचने के लिए इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के अंतरिक्षयात्रियों को स्पेसक्राफ्ट में शरण लेनी पड़ गई। अमेरिका के स्पेस कमांड का कहना है कि सैटलाइट के मलबे से फिलहाल किसी दूसरे सैटलाइट को नुकसान पहुंचने की आशंका नहीं है। बता दें कि रूस के इस ऋश्वस्त्र-क्का सैटलाइट को 2022 में ही मृत घोषित कर दिया गया था।

फिलहाल इस सैटलाइट के टूटने की वजह का पता नहीं चल पाया है। वहीं इस घटना पर रूस की अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोसमोस ने भी कोई टिप्पणी नहीं की है। अमेरिका की एक स्पेस ट्रैकिंग फर्म लियोलैब्स ने देखा था कि अंतरिक्ष में अचानक मृत सैटलाइट कम से कम 100 टुकड़ों में टूट गया। अब इसके बड़े-बड़े टुकड़े पृथ्वी की कक्षा में घूम रहे हैं।

पृथ्वी की कक्षा में बढ़ते सैटलाइट और फिर उनकी वजह से बढ़ने वाला मलबा चिंता का कारण बन रहा है। साल 2021 में रूस ने अपने एक सैटलाइट को एंटी सैटलाइट मिसाइल द्वारा अंतरिक्ष में ही नष्ट कर दिया था। इसके बाद पश्चिमी देशों ने रूस की कड़ी आलोचना की थी। मिसाइल से सैटलाइट को नष्ट करने के बाद इसके हजारों बड़े-बड़े टुकड़े पृथ्वी की कक्षा में फैल गए। वहीं रिज़र्स-पी1 को लेकर अभी इस तरह की बात पता नहीं चली है। रूस द्वारा किसी तरह के एंटी मिसाइल लॉन्च की खबर सामने नहीं आई है। सैटलाइट खराब होने के बाद कहां जाता है दरअसल जब किसी सैटलाइट का आखिरी समय आता है तो या तो वह धीरे-धीरे पृथ्वी के वातावरण में प्रवेश करने लगता है और फिर जलकर राख हो जाता है। वहीं कई सैटलाइट पृथ्वी की ग्रेवयार्ड ऑर्बिट में चले जाते हैं। यह पृथ्वी से 36 हजार किलोमीटर की ऊंचाई की कक्षा है जिसमें दूसरे सैटलाइट से टकराने का खतरा कम हो जाता है। इस कक्षा में ऐक्टिव सैटलाइट नहीं रहते हैं। रिज़र्स-पी1 2021 में ही खराब होने लगा था।

अध्ययन, कनाडा के जंगल की आग ने बढ़ाई दुनिया में गर्मी, भारत के मुकाबले अधिक कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ी

वाशिंगटन, एजेंसी। कनाडा के जंगलों में साल 2023 में गर्मी की वजह से लगी भयावह आग ने भारत के मुकाबले अधिक कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ी। गर्मी पैदा करने वाली इस गैस ने भारत में जलाए गए जीवाश्म ईंधन के मुकाबले दुनिया में अधिक प्रदूषण फैलाने के साथ ही तापमान में भी इजाफा किया। यह खुलासा विश्व संसाधन संस्थान और मैरीलैंड विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के ग्लोबल चेंज बायोलॉजी में प्रकाशित एक नए अध्ययन में किया गया। शोध में देखा गया कि कनाडा के जंगल की इस आग की छोड़ी कार्बन डाइऑक्साइड से पश्चिमी वर्जीनिया से भी बड़ा जंगल जल उठा था। वैज्ञानिकों ने 2023 में कनाडा में महीनों तक जलने वाली आग के विनाशकारी प्रभाव का आकलन किया। इसके मुताबिक, इसने हवा में 3.28 बिलियन टन गर्मी पैदा करने वाली कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ी थी।

647 मिलियन कारों के जितना हवा में छोड़ी गई कार्बन डाइऑक्साइड यूएस पर्यावरण संरक्षण एजेंसी के आंकड़ों के अनुसार, यह कार्बन डाइऑक्साइड की लगभग उतनी ही मात्रा है जितनी 647 मिलियन कारें एक वर्ष में हवा में छोड़ती हैं। इस आग से एक साल में हवाई जहाजों से होने वाले कार्बन उत्सर्जन के मुकाबले लगभग चार गुना उत्सर्जन अधिक हुआ। अध्ययन के मुख्य लेखक और डब्ल्यूआरआई के ग्लोबल फॉरेस्ट वॉच के शोध सहयोगी जेम्स मैककार्थी ने यह आकलन प्रस्तुत किया है। जलवायु परिवर्तन की भी बड़ी भूमिका सिरैक्यूज विश्वविद्यालय के भूगोल और पर्यावरण के प्रोफेसर जैकब बेंडिक्स ने कहा कि इतने सारे जंगल का नुकसान बहुत बड़ी बात है और वैश्विक दृष्टि से बेहद चिंताजनक है लेकिन इसमें जलवायु परिवर्तन की भी बड़ी भूमिका है।

चीन के पूर्व रक्षा मंत्री को कम्युनिस्ट पार्टी से किया निष्कासित

बीजिंग, एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनफिंग के नेतृत्व वाली कम्युनिस्ट पार्टी ने भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर गुरुवार को पूर्व रक्षा मंत्री ली शांगफू पर बड़ी कार्रवाई की है। उन्हें कम्युनिस्ट पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है और उनके खिलाफ अभियोजन की कार्यवाही शुरू कर दी गई। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' की खबर के अनुसार, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) के नेतृत्व ने पार्टी अनुशासन व कानून के घोर उल्लंघन के लिए 66 वर्षीय ली को बाहर का रास्ता दिखाने का फैसला किया। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के अत्यंत महत्वपूर्ण रॉकेट (मिसाइल) बल के प्रमुख रहे ली पिछले वर्ष लापता हो गए थे, जिसके बाद यह अटकलें लगाई जाने लगी थीं कि उनके खिलाफ भ्रष्टाचार व अनुशासनहीनता की जांच की जा रही है। शी ने खुद ली को रक्षा मंत्री नियुक्त किया था। वह पहले स्टेट काउंसलर (पार्टी में शीर्ष पद) और केंद्रीय सैन्य आयोग (सीएमसी) के सदस्य के रूप में भी कार्य कर चुके हैं। सीएमसी शी की अध्यक्षता वाली पीएलए की एक उच्च कमान है। साल 2012 में शी (71) के सत्ता पर आसीन होने के बाद से ली समेत पीएलए के दर्जनों जनरलों को भ्रष्टाचार के लिए या तो बर्खास्त या फिर दंडित किया गया है। सीएमसी की अनुशासनात्मक और पर्यवेक्षी एजेंसी ने 31 अगस्त, 2023 को ली के खिलाफ जांच शुरू की थी। जांच परिणामों के अनुसार, ली ने राजनीतिक और

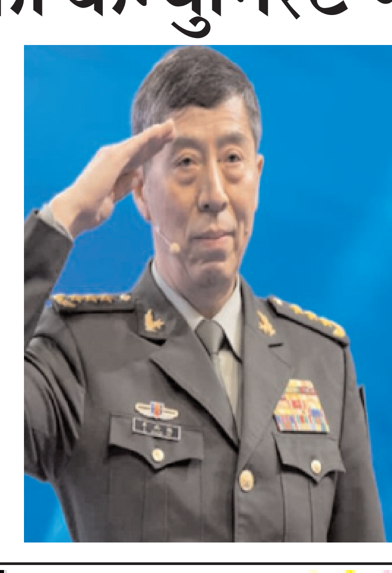

संगठनात्मक अनुशासन का घोर उल्लंघन किया। शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक ली को उम्रकैद की सजा भी हो सकती है। ली पर आरोप है कि उन्होंने पार्टी के मुख्य अभियान में गड़बड़ी की और धोखेबाजी की जिसकी वजह से सिद्धांतों से समझौता करना पड़ गया। उनपर राजनीतिक माहौल को गंदा करने का आरोप लगाया गया है। इसके अलावा रक्षा मंत्री रहते हुए उनपर राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने का आरोप है। इसके अलावा उनपर आरोप है कि बड़े पद पर रहते हुए उन्होंने इसका दुरुपयोग किया और दूसरों को लाभ पहुंचाने के लिए रिश्वत ली थी।

ली पर आरोप : चीन के पूर्व रक्षा मंत्री ली शांगफू पर आरोप है कि उन्होंने सैन्य उपकरणों के क्षेत्र में राजनीतिक वातावरण और औद्योगिक लोकाचार को दूषित किया है। यही नहीं उन पर पार्टी के उद्देश्य, राष्ट्रीय रक्षा और सशस्त्र बलों के निर्माण को नुकसा पहुंचाने का आरोप है। वेई का मामला सैन्य अभियोजन में भेजा गया उन पर रिश्वत लेने का भी आरोप लगा है। अपने पद का लाभ उठाने और दूसरों के लिए लाभा प्राप्त करने के लिए रकम लेने और अनुचित लाभ प्राप्त करने के लिए दूसरों को पैसे देने का संदेह भी है। वेई का मामला सैन्य अभियोजन में भेजा गया है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग जो पार्टी नेता है, और केंद्रीय सैन्य आयोग के अध्यक्ष के रूप में सशस्त्र बलों का नेतृत्व करते हैं। उन्होंने सत्ता संभालने से बाद से भ्रष्टाचार के खिलाफ की लड़ाई को शासन की पहचान बना लिया है।

संक्षिप्त समाचार

सपा के हथकंडों से सवाधान रहने की जरूरत है, वह जरूरी मुद्दों पर चुप रहती है : मायावती

लखनउ, एजेंसी। संसद के विशेष सत्र के बीच सेंगोल पर सियासत ने तूल पकड़ लिया है। संसद से सेंगोल की हटाने मांग पर अब बसपा प्रमुख मायावती ने प्रतिक्रिया दी है। मायावती ने सेंगोल को लेकर समाजवादी पार्टी को घेरा है। मायावती ने कहा कि सपा के हथकंडों से सवाधान रहने की जरूरत है। वह जरूरी मुद्दों पर चुप रहती है। मायावती ने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि सेंगोल को संसद में लगाना या नहीं, इस पर बोलने के साथ-साथ सपा के लिए यह बेहतर होता कि यह पार्टी देश के कमजोर एवं उपेक्षित वर्गों के हितों में तथा आम जनहित के मुद्दों को भी लेकर केन्द्र सरकार को घेरती। उन्होंने आगे कहा कि जबकि सच्चाई यह है कि यह पार्टी अधिकांश ऐसे मुद्दों पर चुप ही रहती है तथा सरकार में आकर कमजोर वर्गों के विरूद्ध फैसले भी लेती है। इनके महापुरूषों की भी उपेक्षा करती है। इस पार्टी के सभी हथकण्डों से जरूर सावधान रहें। दरअसल, यूपी के मोहनलालगंज लोकसभा सीट से सपा के सांसद आरके चौधरी की संसद में लगे सेंगोल को हटाने मांग पर सियासी बवाल मचा है। आरके चौधरी ने स्पीकर और प्रोटेम स्पीकर को एक चिट्ठी लिखी। आरके चौधरी ने कहा कि सेंगोल में की जगह भारतीय संविधान की विशालकाय प्रति स्थापित की जाए। सेंगोल राजा-महाराजाओं का प्रतीक है, इसे संसद से हटा देना चाहिए। सांसद की इस मांग पर सियासत तेज हो गई। इसके बाद सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव सपा सांसद के बचाव में उतरे। उन्होंने कहा कि हमारे पार्टी के सांसद इसलिए ऐसा कह रहे होंगे क्योंकि जब सेंगोल पहली बार लगा था तब पीएम नरेंद्र मोदी ने बाकयदा उसे प्रणाम किया था। इस बार शपथ लेते समय शायद वो भूल गए। उसी को याद दिलाने के लिए शायद पार्टी के सांसद ने कुछ इस तरह का पत्र लिखा है।

अब आयुष्मान योजना में होगा 70 साल पार सभी का इलाज

नईदिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 18वीं लोकसभा को संबोधित करते हुए देश के बुजुर्गों को बड़ी खुशखबरी दे दी है। गुरुवार को उन्होंने कहा कि 70 साल का उम्र पार कर चुके सभी बुजुर्गों का इलाज आयुष्मान योजना के तहत होगा। भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनाव के समय जारी घोषणापत्र में इसका वादा भी किया था। 24 जून से लोकसभा का सत्र शुरू हो चुका है। गुरुवार को संसद भवन में राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि, नई सरकार में हम 70 साल से अधिक उम्र के सभी व्यक्तियों को आयुष्मान का फायदा दे रहे हैं। यही नहीं किसानों के प्रति भी सरकार ने लगातार कार्य किए हैं। किसानों को 20 हजार करोड़ ट्रांसफर किए गए। इससे हमने किसानों को ज्यादा आत्मनिर्भर किया है। घोषणापत्र जारी करते समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 70 साल या इससे ज्यादा के बुजुर्गों का जिक्र किया था। उन्होंने कहा था, बुजुर्गों की सबसे बड़ी चिंता यह होती है कि बीमारी का इलाज कैसे कराएंगे। यह चिंता मध्यमवर्गीय के लिए और भी ज्यादा गंभीर होती है। भाजपा ने अब संकल्प ले लिया है कि 70 साल से ज्यादा आयु के हर एक व्यक्ति को आयुष्मान भारत योजना के तहत लाया जाएगा। भाजपा के घोषणापत्र में कहा गया था, हम बुजुर्गों का कवर करने के लिए आयुष्मान भारत योजना का विस्तार करेंगे और उन्हें मुफ्त और अच्छी गुणवत्ता की स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराएंगे। इस योजना की शुरुआत तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने वित्तीय वर्ष 2019 के बजट के दौरान की थी। इसे प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना भी कहा जाता है, जिसके तहत फिलहाल 5 लाख रुपये का कवर मिलता है। इस दौरान राष्ट्रपति मुर्मू ने माय भारत का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने युवाओं की राष्ट्र निर्माण में भागीदारी और बढ़ाने के लिए मेरा युवा भारत-माय भारत अभियान की शुरुआत की है। उन्होंने बताया कि इसमें अब तक डेढ़ करोड़ से अधिक युवा रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। साथ ही कहा कि सरकार डिजिटल यूनिवर्सिटी बनाने की दिशा में भी काम कर रही है।

किरोड़ी लाल और मदन दिलावर में हो गई सुलह, तबादलों पर विभाग ने लिया यू-टर्न

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में तबादलों को लेकर आमने-सामने हुए कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीना और पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर के बीच सुलह हो गई है। दिलावर के विभाग ने अब यू-टर्न ले लिया है। पंचायती राज विभाग का कहना है कि हमें कोई आपत्ति नहीं है। दरअसल, कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा की मंजूरी के बाद किए गए तबादलों को रोकने के आदेश से अब पंचायतीराज विभाग ने यू-टर्न ले लिया है। पहले कृषि विभाग से जिला परिषदों और पंचायत समितियों में इंजीनियरों के ट्रांसफर, पोस्टिंग को गलत बताने के आदेश को अब पंचायतीराज विभाग ने नए आदेश में लिखा है कि हमें कोई आपत्ति नहीं है। इन तबादलों के लिए कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा की मंजूरी ली गई, लेकिन अब मदन दिलावर का पंचायत राज विभाग इस ट्रांसफर पर रोक लगाते हुए आपत्ति जता रहा है। पंचायत राज विभाग ने कृषि विभाग के आदेश को मानने से इनकार कर दिया है। इसको लेकर पंचायती राज विभाग ने सभी जिला परिषद को लेटर लिखकर कृषि विभाग से आए इंजीनियरों को ज्वाइन नहीं करवाने और उन्हें फिर से मूल विभाग में भेजने के आदेश दिए हैं। भजनलाल सरकार के कार्यकाल में दो विभागों के बीच अब टकराव देखने को मिल रहा है। इस टकराव के पीछे की वजह ग्रामीण विकास और पंचायती राज विभाग है।

बागी गुट के संपर्क में थीं उम्मीदवार, अकाली दल ने वापस लिया समर्थन, दिलचस्प हुआ जालंधर उपचुनाव

जालंधर, एजेंसी। पार्टी में छिड़ी बगावत के बीच शिरोमणि अकाली दल ने बड़ा एक्शन लिया है। अकाली दल ने जालंधर उपचुनाव के लिए अपनी उम्मीदवार सुरजीत कौर से समर्थन वापस लेने का फैसला किया है। उपचुनाव में अकाली दल सुरजीत कौर के लिए प्रचार नहीं करेगा। पार्टी ने ये फैसला सुरजीत कौर की बागी नेताओं के साथ नजीदीकियों के कारण लिया है। चंडीगढ़ में प्रेस कॉन्फ्रेंस में ?शिअद के मुख्य प्रवक्ता व वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. दलजीत चीमा ने यह जानकारी दी। बंगा के विधायक डा. सुखविंद्र सुखी जालंधर पश्चिमी उपचुनाव के लिए पार्टी की तरफ से ऐलानी 4 सदस्यीय कमेटी के मेंबर हैं। उन्होंने बताया कि पार्टी ने उम्मीदवार सुरजीत कौर को बाकायदा इस फैसले से अवगत करवाया था कि वह उपचुनाव नहीं लड़ेंगी। जालंधर उपचुनाव के लिए शिअद बहुजन समाज पार्टी के उम्मीदवार को समर्थन प्रदान करेगा और इस पर सुरजीत कौर ने अपने नामांकन पत्र वापस लेने के लिए सहमति भी दी थी परंतु बाद में वह फैसले से पलट गए। पार्टी नेताओं ने बागियों को यह भी पूछा कि सुरजीत कौर को क्यों खड़ा किया गया और फिर जालंधर में माहौल क्यों खराब किया गया और कहा कि एक योजना के अंतर्गत सुरजीत कौर को हरवा कर उसका दोष भी पार्टी प्रधान सिर मढ़ने की साजिश रची गई।

शिरोमणि अकाली दल ने बागी अकाली नेताओं को आज फिर से पार्टी प्लेटफार्म पर आकर बात करने के लिए आमंत्रित किया और साथ ही यह भी कहा कि जो नेता पार्टी प्लेटफार्म से बाहर बयानबाजी करना बंद नहीं करेंगे, उनके खिलाफ शिअद की अनुशासनात्मक समिति कार्रवाई का फैसला लेगी। अकाली नेता डा. दलजीत सिंह चीमा ने पत्रकार वार्त्ता में कहा कि जो भी खालसा पंथ और पार्टी को कमजोर करने के प्रयत्न कर रहे हैं, उन्होंने पहले ही झूंदा कमेटी की रिपोर्ट को ठुकरा दिया था, जिसमें एक परिवार एक टिकट की बात की गई थी। डा. चीमा ने कहा कि शिरोमणि अकाली दल के लिए 'बागी गुट' जैसे शब्दों का प्रयोग न करें क्योंकि अकाली दल एक पार्टी है। हमारे कैडर, वर्किंग कमेटी, जिला जत्थेदारों और हलका प्रधानों में से 99 प्रतिशत ने सुखबीर बादल की लीडरशिप में भरोसा प्रकट किया है और पार्टी प्लेटफार्म पर लिए फैसलों की हिमायत की है। उन्होंने कहा कि है यदि कुछ चुनिंदा नेता जाकर अपनी खिचड़ी पकाना चाहते हैं तो उनको बागी गुट कहा जा सकता है। उन्होंने कहा कि अकाली दल एक पार्टी है कोई धड़ा नहीं है। लोकसभा चुनावों से पहले सुखबीर पार्टी को बताए बगैर प्रधानमंत्री मोदी से क्यों मिले थे¬चंदूमाजरा वहीं, शिरोमणि अकाली दल के नेतृत्व से नाराज अकाली नेताओं ने भी अलग से चंडीगढ़ में मी?टिंग की। समूह का कहना है कि उन्हें अकाली दल से निकालने का अधिकार किसी के भी पास नहीं है। उनका जन्म अकाली दल में हुआ है, परवरिश अकाली परिवारों में हुई है, अकाली दल के लिए उन लोगों ने दिन-रात एक किए हैं, गांवों की खाक छानी है। आज जब वे लोग अकाली दल की मजबूती के लिए मंथन कर रहे हैं तो उन्हें भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस का एजैंट कहकर संबोधित क्यों किया जा रहा है? अकाली नेता प्रेम सिंह चंदूमाजरा ने चंडीगढ़ में आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि अकाली दल में आज बड़े संकट का समय आ गया है। वरिष्ठ अकाली नेताओं को बैठकों से दूर रखा जा रहा है, उनकी सहमति के बगैर फैसले लिए जा रहे हैं। बयान दिए जा रहे हैं कि अकाली नेताओं का समूह भाजपा के हाथों में खेल रहा है और बगावत कर रहा है, क्या उन्होंने यह भुला दिया है कि उसी भाजपा के साथ गठबंधन में रहकर उन लोगों ने कई साल राज भोगा है। चंदूमाजरा ने यह भी कहा कि लोकसभा चुनावों से पहले सुखबीर सिंह बादल ने पार्टी को बताए बगैर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से गठबंधन को लेकर मुलाकात भी की थी, जब मोदी ने शिअद को पसंदीदा संख्या में सीटें देने से इनकार कर दिया तो वही भाजपा उनके लिए खराब बन गई? चंदूमाजरा ने कहा कि शिअद अब एक व्यक्ति की पार्टी बनकर रह गई है, जहां पार्टी की मजबूती की बजाय सिर्फ एक व्यक्ति विशेष के समर्थन की बात कही जा रही है। हमें अपनी वफादारी साबित करने के लिए हरसिमरत कौर के सर्टीफिकेट की जरूरत नहीं ¬जागीर कौर जागीर कौर ने कहा कि हरसिमरत कौर बादल बयान दे रही हैं कि अकाली नेताओं का समूह भाजपा के कहने पर नाच रहा है, तो वे जान लें कि हमें अकाली दल से अपनी वफादारी साबित करने के लिए हरसिमरत कौर बादल के सर्टीफिकेट की जरूरत नहीं है। सुखबीर बादल ने जालंधर उपचुनाव के लिए घोषित उम्मीदवार सुरजीत कौर से सिर्फ समर्थन ही वापस नहीं छीना बल्कि उनके कारिंदों ने सुरजीत कौर की तरफ से चुनाव आयोग को जाली दस्तावेज भी जमा करवाए। सुखबीर बादल द्वारा गठित 4 सदस्यीय समिति ने ही सुरजीत कौर का चयन किया था। सुखबीर बादल की सहमति के बाद ही सुरजीत कौर चुनावी मैदान में उतरी। सुरजीत कौर एक विधवा महिला है, किराए के घर में रहती हैं, उन्हें ऐसी स्थिति में पहुंचाने का क्या मतलब है? जाली दस्तावेजों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की जाएगी।

जनता को खुश करने की बड़ी तैयारी, अधिकारियों संग बैठक कर सकते हैं पीएम मोदी

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस सप्ताह ही अपने आला अफसरों के साथ बड़ी बैठक करके जनहित के कार्यों की समीक्षा कर सकते हैं।

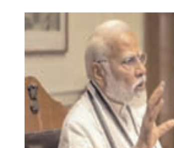

लोकसभा चुनाव के परिणाम आने से पहले ही पीएम मोदी ने अधिकारियों को पहले 100 दिन का अजेंडा तैयार करने का काम सौंप दिया था। अब बारी है सरकार को काम करके दिखाने की। अधिकारियों के साथ बैठक में जनहित की योजनाओं और आखिरी व्यक्ति तक योजनाओं को पहुंचाने को लेकर चर्चा हो सकती है। वहीं सूत्रों का कहना है कि प्रधानमंत्री मोदी विभागवार भी 125 दिनों के अजेंडे की समीक्षा कर सकते हैं। इसमें अंत्योदय के सिद्धांत पर विशेष तौर पर ध्यान दिया जा सकता है। मामले से जुड़े एक शख्स ने बताया, अधिकारियों के साथ बैठक में पांच साल के रोडमैप पर भी चर्चा हो सकती है कि इस कार्यकाल में भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए क्या कदम उठाने होंगे। बता दें कि नरेंद्र मोदी के दो कार्यकाल में भारत पांचवीं अर्थव्यवस्था बन गया है। वहीं 2014 से पहले इसका 11वां स्थान था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अकसर अधिकारियों के साथ बैठक करके जानने की कोशिश करते हैं कि प्रमुख योजनाओं को लागू करने में क्या समस्याएं आ रही हैं। 2014 में पहली बार केंद्र की सत्ता संभालने के बाद पीएम मोदी ने 4 जून को अधिकारियों के साथ पहली बैठक की थी। यह बैठक ढाई घंटे तक चली थी। वहीं 17 अक्टूबर 2016 को भी इसी तरह की बैठक हुई थी जिसमें मंत्री भी मौजूद थे। 5 जून 2017 की बैठक में पीएम मोदी ने अधिकारियों को निर्देश दिया था कि जीएसटी को पूरी शक्ति के साथ लागू किया जाए। दूसरे कार्यकाल में 10 जून 2019 को पीएम मोदी ने बैठक बुलाई थी और नई सरकार के अजेंडे को लागू करने के निर्देश दिए थे। मामले के एक जानकार ने बताया, इस बार महिलाओं, गरीबों, युवाओं और किसानों पर आधारित गुड गवर्नेंस पर चर्चा की उम्मीद है। वहीं 80 करोड़ लोगों को फ्री राशन पहुंचाने पर भी फोकस रहेगा।

केरल में दुर्योधन का मंदिर सरकार लेती है टैक्स, ताड़ी का लगता है भोग

कोल्लम, एजेंसी। केरल को मंदिरों की भूमि माना जाता है। यहां कई प्राचीन मंदिर हैं। कोल्लम जिले के एक सुदूर गांव में दुर्योधन का एक मंदिर है जो अपने आप में खास है। सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार, यह मंदिर कर चुकाता है। किंवदंती है कि राजकुमार दुर्योधन अपनी यात्रा के दौरान थक गए और उन्हें प्यासे लगी। वह पीने के लिए पानी को भटक रहे थे। उन्हें तथाकथित निम्न जाति की महिला ने पीने के लिए ताड़ी दी। दुर्योधन ने इसे खुशी-खुशी स्वीकार कर लिया। उन्होंने महिला और गांव को आशीर्वाद दिया और उन्हें जमीन दे दी। यहीं पर उनका एक मंदिर भी है। पेरूविरुथी मलानाडा मंदिर में दुर्योधन को प्रतिदिन ताड़ी चढ़ाई जाती है। मंदिर में कोई मूर्ति नहीं है। यहां बस एक पॉलिश की हुई गदा रखा गया है। आपको बता दें कि महाभारत में द्रौपदी को निर्वस्त्र करने का आदेश देते समय दुर्योधन खुशी से चिल्लाता है। ग्रामीण उसे अपूपा (दादा) कहते हैं। ग्रामीणों का ताड़ी चढ़ाने के बारे में दिलचस्प दृष्टिकोण है। वे कहते हैं कि ताड़ी चढ़ाने से देवता शांत और प्रसन्नचित्त रहते हैं। जहां तक करों का सवाल है तो यह कर मंदिर की आय पर नहीं है। भारत में सभी मंदिर कर मुक्त हैं। यह कर मंदिर के आसपास के पोरुवाझी गांव में मंदिर की 15 एकड़ भूमि पर लगाया जाता है।

शिरूर तहसील के भाजपा उपाध्यक्ष ने की अजित पवार को बाहर करने की मांग

पुणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के पुणे जिले में शिरूर से भारतीय जनता पार्टी के एक पदाधिकारी ने सत्तारूढ़ गठबंधन से उपमुख्यमंत्री अजित पवार और उनकी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) को बाहर करने की मांग की। सत्तारूढ़ गठबंधन में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना भी शामिल है। भाजपा की शिरूर तहसील के उपाध्यक्ष सुदर्शन चौधरी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हुआ है, जिसमें वह पार्टी की एक बैठक में यह मांग करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस वीडियो के सामने आने पर राकांपा कार्यकर्ताओं में आक्रोश पैदा हो गया और उन्होंने गुरुवार को भाजपा नेता से माफी की मांग की। चौधरी वीडियो में भाजपा नेतृत्व से कह रहे हैं, आपके लिए यह सुझाव है। पार्टी कार्यकर्ता क्या सोच रहे हैं उसे समझिये। अगर आप कोई फैसला लेना चाहते हैं तो महायुति (सत्तारूढ़ गठबंधन) से अजित पवार को बाहर करिये।

उन्होंने यह भी कहा कि अगर अजित पवार सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा नहीं होते तो सुभाष देशमुख, राहुल कुलकर्णी और योगेश तिलेकर जैसे वरिष्ठ नेता मंत्री बन सकते थे और अन्य को सरकारी निगमों का प्रमुख बनाया जा सकता था। सुभाष देशमुख, राहुल कुलकर्णी और योगेश तिलेकर बैठक में मौजूद थे। चौधरी ने दावा किया कि भाजपा पिछले 10 वर्षों से पवार की आलोचना करती आ रही थी लेकिन राज्य में कार्यकर्ता अब भयभीत महसूस कर रहे हैं क्योंकि उपमुख्यमंत्री ही मामलों की कमान संभाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि तहसील में सभी भाजपा कार्यकर्ताओं

की इच्छा है कि उन्हें ऐसी शक्तियां नहीं चाहिए, जिसमें अजित पवार का हस्तक्षेप हो। चौधरी ने वीडियो में कहा, अजित पवार को सत्ता में क्यों लाया जाये, ताकि वह आदेश जारी कर भाजपा कार्यकर्ताओं की आवाज को दबा सकें। चौधरी ने शिरूर में हुई समीक्षा बैठक के दौरान मुद्दे पर संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने अपनी मंशा जाहिर कर दी है। इसबीच, जब चौधरी संवाददाताओं को संबोधित कर रहे थे तभी राकांपा के कुछ कार्यकर्ता यहां कृषि उपज बाजार समिति परिसर पहुंचे और उनके खिलाफ नारेबाजी करने लगे। राकांपा कार्यकर्ताओं ने चौधरी से उपमुख्यमंत्री के खिलाफ दिये बयान पर माफी मांगने को कहा। चौधरी ने बाद में स्पष्ट किया कि उनके विचार निजी थे और इसका भाजपा के रुख से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने इस मुद्दे पर हंगामा करने वाले रांकपा कार्यकर्ताओं की आलोचना करते हुए कहा, अगर मेरे शब्दों से अजित दादा को ठेस पहुंची है तो मैं माफी मांगता हूं। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में चौधरी ने उपमुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस को टैग करते हुए कहा कि वह जनता की भावनाओं को व्यक्त कर रहे थे और बाद में उन्हें ÷राकांपा के गुंडों÷ द्वारा धमकी दी गई। उन्होंने फडणवीस से पुलिस सुरक्षा देने का अनुरोध किया क्योंकि उन्हें उनकी जान का खतरा है।

शिवराज सिंह चौहान बदलेंगे रिवाज! राज्यों के कृषि मंत्रियों को बुलाया

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के नए कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान राज्य के कृषि मंत्रियों से मुलाकात करने जा रहे हैं। खबर है कि बैठकों का दौर 1 जुलाई से शुरू हो सकता है। हालांकि, इसे लेकर केंद्र सरकार की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। खास बात है कि एनडीए सरकार के बीते दो कार्यकालों में पहली बार राज्य के मंत्रियों के साथ ऐसी परामर्श बैठकें नहीं हुई हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, चौहान सबसे पहले छत्तीसगढ़ और असम के मंत्रियों के साथ बैठकें करेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, ऐसा पता चला है कि कृषि मंत्रालय ने राज्य के मंत्रियों को पत्र लिखकर बातचीत के लिए बुलाया है। सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि साथ ही उन्हें पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन तैयार करने और संबंधित राज्यों में किसानों और खेती की स्थिति पर अपने विचार रखने के लिए कहा गया है। अखबार से

बातचीत में छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने कहा कि वह राज्य सरकार की तरफ से लागू की गई केंद्र की योजनाओं के तहत यूनिट कॉस्ट में संशोधन की मांग को रखेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार बाजरा की खेती के प्रचार, सिंचाई से जुड़े मुद्दे और उत्पादन के लिए कोल्ड चेन स्टोरेज जैसे मुद्दों पर सरकार की तरफ से समर्थन की मांग करेगी। चौहान ने पहले कहा था कि वह हितधारकों और राज्य के मंत्रियों से बातचीत करेंगे। उन्होंने कहा था, मुझे इस बात पर गर्व या अहंकार नहीं है कि मैं सब जानता हूं या मेरे दफ्तर में बैठे आईएएस अधिकारी सब जानते हैं। मैं ज्ञान के लिए प्यासा हूं। खेती और किसानों के लिए जहां से भी संभव हो, मैं सबसे अच्छी जानकारी चाहता हूं। खास बात है कि वह एनआईटीआई आयोग के सदस्य रमेश चंद के साथ-साथ पूर्व कृषि सचिव संजय अग्रवाल से भी मिल चुके हैं।

अग्रवाल न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी को लेकर बने 26 सदस्यीय पैनल की अगुवाई कर रहे हैं। ये पैनल तीन कृषि कानूनों के वापस लिए जाने के बाद गठित किया गया था। 21 जून को चौहान ने मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात, बिहार, कर्नाटक और तेलंगाना के कृषि मंत्रियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बातचीत भी की थी।

फडणवीस-उद्धव की लिफ्ट वाली गुप्त बैठक के बाद अटकलें तेज, चंद्रकांत पाटिल ने भी की मुलाकात

मुंबई, एजेंसी। लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में एनडीए के खराब प्रदर्शन के बाद भारतीय जनता पार्टी और शिवसेना (यूबीटी) के संबंधों को लेकर कयासबाजी होने लगी है। विधानसभा में एक लिफ्ट के बाहर भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस और उद्धव ठाकरे की आकस्मिक मुलाकात ने कई अटकलों को जन्म दिया। दोनों नेताओं को सिर्फ कुछ शब्दों का आदान-प्रदान करते हुए ही नहीं देखा, बल्कि दोनों लिफ्ट में साथ गए।

बाद में जब इस बारे में पूछा गया तो महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने कथित तौर पर कहा कि वे अपनी सभी गुप्त बैठकें लिफ्ट में करेंगे। आपको बता दें कि विधानमंडल के अंतिम सत्र के पहले दिन मीडिया में उस समय हड़कंप मच गया जब फडणवीस लिफ्ट का इंतजार कर रहे उद्धव ठाकरे से टकरा गए। उन्होंने अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी को लिफ्ट में साथ चलने का इशारा किया। पहले से ही अंदर मौजूद कुछ लोगों को बाहर निकलने के लिए कहा गया। मुस्कुराते हुए उद्धव ठाकरे ने उनकी बात मानी और ग्राउंड फ़्लोर से ऊपर की मंजिल पर चले गए जहां विधानसभा स्थित है। लिफ्ट से बाहर निकलने के बाद दोनों विपरीत दिशाओं में चले गए। बाद में जब मीडियाकर्मियों ने उद्धव ठाकरे से पूछा कि दोनों नेताओं ने किस बारे में बात की तो उन्होंने कहा कि यह महज एक संयोग था और इससे ज्यादा कुछ नहीं। आपको बता दें कि भाजपा नेता

चंद्रकांत पाटिल शिवसेना (यूबीटी) के चैंबर में उद्धव ठाकरे, विपक्ष के नेता (विधान परिषद) अंबादास दानवे, पूर्व मंत्री अनिल परब और अन्य लोगों से मिलने पहुंचे। वहां खुशी का माहौल था। पाटिल ने चॉकलेट भी बांटी और परब को अपनी अग्रिम शुभकामनाएं दीं। आपको बता दें कि हाल ही में संपन्ने हुए एमएलसी चुनाव का परिणाम 1 जुलाई को आने की उम्मीद है। शिवसेना नेता भरत गोगावले ने हालांकि भाजपा और ठाकरे की शिवसेना के बीच किसी भी तरह की बातचीत की संभावना से इनकार किया। मानसून सत्र से पहले ठाकरे ने सरकार पर कटाक्ष करते हुए इसे लीकेज सरकार बताया और कहा कि लोग जल्द ही इसे टाटा, बाय-बाय कहेंगे।

कुलपतियों की नियुक्ति पर राजभवन और सुक्खू सरकार में ठनी

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा विधानसभा में पारित विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्तियों के विधेयक को लेकर हिमाचल राजभवन और कांग्रेस की सुक्खू सरकार में ठन गई है। सूबे के कृषि मंत्री के हालिया बयान पर राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने आपत्ति जताई है। राज्यपाल ने गुरूवार को राजभवन में अचानक पत्रकार वार्ता बुलाई और कहा कि पालमपुर कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति की नियुक्ति को लेकर कृषि मंत्री बार-बार बयान दे रहे हैं कि नियुक्ति सम्बंधी विधेयक मंजूरी के लिए राजभवन में अटका है, जबकि यह विधेयक राज्य सरकार के पास ही है। राजभवन ने इसे टिप्पणी के लिए राज्य सरकार को भेजा है, जिस पर सरकार ने फैसला लेना है, ऐसे में राजभवन पर दोषारोपण करना गलत है। इस मामले पर राज्यपाल शुक्ल बोले पद की गरिमा के खिलाफ़ कोई भी काम नहीं करूंगा। उन्होंने कहा कुलपतियों की नियुक्ति पर विधान सभा में पारित सरकार के ही पास। कृषि मंत्री के बयान पर भी राज्यपाल ने आपत्ति जताई।

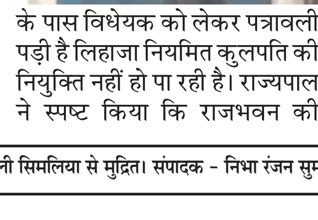

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि कृषि मंत्री का यह भी बयान आया है कि राजभवन में राज्यपाल के पास विधेयक को लेकर पत्रावली पड़ी है लिहाजा नियमित कुलपति की नियुक्ति नहीं हो पा रही है। राज्यपाल ने स्पष्ट किया कि राजभवन की तरफ़ से इसमें कोई देरी नहीं हुई है। विधेयक में सरकार ने संशोधन कर कहा है कि सरकार की सहमति के आधार पर कुलपति की नियुक्ति की जाए क्योंकि पैसा सरकार देती है इसलिए जो नाम सरकार भेजे उसे ही राज्यपाल अपनी सहमति दें जबकि नियमों में ऐसा नहीं है। राज्यपाल ने कहा कि नियमों के मुताबिक यूजीसी, राज्यपाल और सरकार तीनों के प्रतिनिधि की सहमति से कुलपति की नियुक्ति होती है। ऐसा देश में किसी भी राज्य में कोई प्रावधान नहीं है हिमाचल में ही पहली बार ऐसा होगा। ऐसी स्थिति में विधेयक पहली बार राष्ट्रपति को भेजने पर राजभवन विचार करेगा। उन्होंने आगे कहा कि राजभवन ने कुलपतियों की नियुक्ति के लिए पुराने नियमों के अनुसार ही कमेटी का गठन किया है जो कुलपति को खोजने का काम कर रही है लेकिन एक साल से कुलपति खोज नहीं सकी है।

कुलपति की नियुक्ति न होने में राजभवन का कोई दोष नहीं है। मामला हाई कोर्ट में विचाराधीन है। राज्यपाल ने कहा कि मैं नियम के विरुद्ध कोई भी काम नहीं करूंगा, राज्यपाल के पद की गरिमा बनाए रखने के लिए कुछ भी करूंगा। यह विधेयक सरकार के पास ही है और सरकार को ही उसमें निर्णय लेना है। वहीं राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने बिगड़ती कानून व्यवस्था के सवाल पर कहा कि कानून व्यवस्था बहुत बिगड़ गई है। ऐसा नही कह सकते लेकिन शांत प्रदेश में अगर कुछ भी घटना होती है तो प्रदेश की बदनामी होती है ऐसे में सरकार को इसकी चिंता होनी चाहिए। वहीं राज्यपाल ने ट्राइबल एरिया में भूमिहीनों को नौतोड़ भूमि देने को लेकर कहा कि राजभवन को नौतोड़ भूमि देने में कोई आपत्ति नहीं हैं। राजभवन ने इसमें सरकार से लाभार्थियों की संख्या पूछी है जैसे ही जवाब मिलेगा राजभवन इसे भी मंजूरी दे देगा।

सात्विक प्रो0 प्रा0 लि0 कोलकता, पं0 बंगाल के लिए प्रकाशक और मुद्रक निभा रंजन सुमन द्वारा स्वप्नोनीर अपार्टमेंट, राजरहाट, कोलकता तथा दलादिली सिमलिया से मुद्रित। संपादक - निभा रंजन सुमन 7033777771 स्थानीय संपादक पवन कुमार सिन्हा 7091094434 सभी तरह के विवादों का निपटारा रांची व्यवहार न्यायालय में होगा।